राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 बाबा शिद्धकी की हत्या और अब सैफ अली खान पर हमला बताता है ...

बाइडेन का विदाई भाषणः कहा- कुछ वादे अधूरे रहे, कानून में बदलाव ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 262 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 21°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 79,005

चांदी 92,500

सेंसेक्स 81,786

निफ्टी 24,668

संक्षिप्त खबरें

न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन ने ली सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पद की शपथ

नयी दिल्ली। न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने शीर्ष अदालत परिसर में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों, अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। न्यायमूर्ति चंद्रन के शपथ ग्रहण के साथ ही शीर्ष अदालत की कुल निर्धारित 34 के मुकाबले न्यायाधीशों की संख्या 33 हो गई। न्यायमूर्ति चंद्रन इससे पहले मार्च 2023 से पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे। केंद्र सरकार ने सोमवार (13 जनवरी) को एक अधिसूचना जारी कर शीर्ष अदालत में न्यायाधीश पद पर उनकी नियुक्ति से संबंधित घोषणा की थी।

महत्वपूर्ण खबर

नौसेना के लिए 2960 करोड़ रुपए की लागत से खरीदी जायेंगी मिसाइल प्रणाली

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए लगभग 2,960 करोड़ रुपये की लागत से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की आपूर्ति के लिए भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने गुरूवार को यहां बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में रक्षा मंत्रालय और बीडीएल के अधिकारियों ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह मिसाइल प्रणाली एक मानक फिट है, जो कई भारतीय नौसेना युद्धपोतों पर लगी है और इसे भविष्य में अधिग्रहण के लिए नियोजित अधिकांश प्लेटफार्मों पर तैनात किए जाने की योजना है। यह अनुबंध भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और उन्नत सैन्य तकनीक को स्वदेशी बनाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

आठवें वेतन आयोग के गठन को मिली केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। मंत्रिमंडल ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी साझा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय सरकारी कर्मचारियों के लिए लाभ सुनिश्चित करने के मद्देनजर लिया गया है। आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2016 में लागू की गई थीं, लेकिन इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त हो रहा है। हालांकि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही प्राप्त होने की उम्मीद है, जिसके लिए 2025 तक पर्याप्त समय दिया गया है। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2026 तक लागू होने की उम्मीद है।

अन्नदाताओं की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता : धनखड़

प्रात : किरण/ एजेंसी

धारवाड़ (कर्नाटक)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों की समस्याओं का समाधान खोजने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि अन्नदाताओं की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। धनखड़ ने कर्नाटक के धारवाड़ में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अमृत महोत्सव और पूर्व छात्र मिलन समारोह के उद्घाटन समारोह में कहा कि राष्ट्रीय स्तर किसानों की समस्या पर तत्काल ध्यान देने तथा उन्हें आर्थिक सुरक्षा की आवश्यकता है। देश निरंतर प्रगति के पथ पर है और इसमें किसानों को पीछे नहीं छोड़ा जा सकता।

धनखड़ ने कहा कि किसानों की समस्या पर तत्काल राष्ट्रीय ध्यान देने की आवश्यकता है। किसानों को आर्थिक सुरक्षा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, जब किसानों की समस्याओं का समाधान खोजने की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है। सरकार काम कर रही है। हम चाहते हैं कि सभी लोग तालमेल के साथ काम करें, सकारात्मक सोच के साथ मिलकर समाधान खोजें।

राष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर कृषि क्षेत्र के व्यापक प्रभाव पर धनखड़ ने कहा कि कृषि आधारित उद्योग, कृषि उपज आधारित उद्योग, कपड़ा, खाद्य, खाद्य तेल और कई अन्य क्षेत्र समृद्ध हो रहे हैं और लाभ अर्जित कर रहे हैं। किसानों को लाभ को समान रूप से साझा करना चाहिए। इन संस्थानों को किसान के कल्याण और कृषि क्षेत्र के अनुसंधान के लिए अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कोष से जोड़ना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा, हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि जब किसान आर्थिक रूप से ठीक होता है, तो अर्थव्यवस्था चलती है, क्योंकि वह किसान की खर्च करने की शक्ति है। जब किसान खर्च करता है, तो अर्थव्यवस्था अपने आप चलती है। खराब मौसम और अप्रत्याशित बाजार स्थितियों जैसे प्राथमिक तनावों से किसानों को राहत देने की आवश्यकता पर उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को प्राथमिक तनावों से विश्लेषण और राहत देने का समय आ गया है। सरकार बहुत कुछ कर रही है, लेकिन किसान खराब मौसम, अप्रत्याशित बाजार स्थितियों पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र की सभी प्रकार की सब्सिडी के सीधे हस्तांतरण की वकालत करते हुए धनखड़ ने कहा कि कृषि क्षेत्र को किसी भी रूप में दी जाने वाली कोई भी सब्सिडी, चाहे वह उर्वरक हो या अन्य, सीधे किसान तक पहुँचनी चाहिए। यह किसान को रासायनिक उर्वरकों के विकल्प की ओर प्रेरित करेगी। किसान इन निधियों का उपयोग जैविक और प्राकृतिक तरीके से करने के लिए कर सकते हैं।

स्टार्ट अप योजना ने युवाओं को सशक्त बनाया है : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है और उनके नवोन्मेषी विचारों को सफल स्टार्टअप में बदला है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण नवाचारों के लिए तकनीक-संचालित समाधानों से, स्वास्थ्य देखभाल की प्रगति से लेकर बायोटेक की सफलताओं, फिनटेक से एडटेक, स्वच्छ ऊर्जा से लेकर टिकाऊ प्रौद्योगिकी तक, भारतीय स्टार्टअप वैश्विक चुनौतियों को हल कर रहे हैं, साथ ही रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं और आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के प्रयास को मजबूती दे रहे हैं। हर सपने को साकार करने और आत्मनिर्भर भारत में योगदान देने वाले उद्यमी माहौल को बढ़ावा देने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने स्टार्टअप की संस्कृति को प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

प्रात : किरण/ एजेंसी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को स्टार्टअप इंडिया को एक परिवर्तनकारी योजना बताया और इसकी 9वीं वर्षगांठ पर इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इसने भारत को वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े और सबसे जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में से एक बनने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने इस पहल को अपने दिल के बेहद करीब बताया, क्योंकि यह युवा सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभरा है और कहा कि यह एक ऐतिहासिक पहल है जिसने नवाचार, उद्यमिता और विकास को फिर से परिभाषित किया है। उन्होंने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, पिछले नौ वर्षों में, इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है और उनके अभिनव विचारों को सफल स्टार्टअप में बदला है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले इस प्रणाली में भारत की क्षमता पर संदेह किया जाता था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है और उनके नवोन्मेषी विचारों को सफल स्टार्टअप में बदला है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण नवाचारों के लिए तकनीक-संचालित समाधानों से, स्वास्थ्य देखभाल की प्रगति से लेकर बायोटेक की सफलताओं, फिनटेक से एडटेक, स्वच्छ ऊर्जा से लेकर टिकाऊ प्रौद्योगिकी तक, भारतीय स्टार्टअप वैश्विक चुनौतियों को हल कर रहे हैं, साथ ही रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं और आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के प्रयास को मजबूती दे रहे हैं। र सपने को साकार करने और आत्मनिर्भर भारत में योगदान देने वाले उद्यमी माहौल को बढ़ावा देने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने स्टार्टअप की संस्कृति को प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की नीतियां कारोबार में सुगमता, संसाधनों तक अधिक पहुंच और सबसे महत्वपूर्ण हर मौके पर उनका समर्थन करने पर केंद्रित रही हैं।

उन्होंने कहा, हम सक्रिय रूप से नवाचार और इनक्यूबेशन केंद्रों को बढ़ावा दे रहे हैं ताकि हमारे युवा जोखिम लेने वाले बन सकें। मैं व्यक्तिगत रूप से आने वाले स्टार्टअप के साथ नियमित रूप से बातचीत कर रहा हूं। स्टार्टअप इंडिया की यह सफलता दशार्ती है कि आज का भारत गतिशील, आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार है। मोदी ने कहा, मैं स्टार्टअप की दुनिया में हर युवा को बधाई देता हूं और अधिक से अधिक युवाओं से इसे आगे बढ़ाने का आग्रह करता हूं। यह मेरा आश्वासन है कि आप निराश नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स में भारत के प्रदर्शन की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को ह्यूक्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स में भारत के प्रदर्शन की सराहना की और इसे मूल्यवान करार दिया। क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स ने भारत को उभरती हुई तकनीकों में भविष्य में मांग वाले कौशल के लिए सबसे तैयार नौकरी बाजारों में दूसरा स्थान दिया है। पहला फ्यूचर स्किल इंडेक्स बृहस्पतिवार को लंदन स्थित क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा जारी किया गया। यह अपनी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए जाना जाता है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह देखकर खुशी होती है ! पिछले दशक के दौरान हमारी सरकार ने युवाओं को ऐसे कौशल से लैस करके मजबूत करने पर काम किया है जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और धन सृजन कर सकें। हमने भारत को नवाचार और उद्यम का केंद्र बनाने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति का भी लाभ उठाया है। उन्होंने कहा, क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स से मिली अंतर्दृष्टि मूल्यवान है क्योंकि हम समृद्धि और युवा सशक्तीकरण की दिशा में इस यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री क्यूएस के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक नुनजियो क्वाक्वेरेली के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिन्होंने कहा था कि यह भारत के लिए गर्व का क्षण है।

इधर कांग्रेस का मुख्यालय खुला, उधर, हिंडनबर्ग की दुकान बंद हुयीः रविशंकर

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित बीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि जिस दिन कांग्रेस ने अपना नया कार्यालय खोला, उसी दिन हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी कंपनी को बंद कर दिया। उन्होंने चुटकी लेते हुए पूछा, क्या राहुल गांधी इस जिम्मेदारी को अपने ऊपर ले रहे हैं ?

रविशंकर प्रसाद ने हिंडनबर्ग का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इसे लेकर अक्सर सरकार पर निशाना साधती रही है। उन्होंने इसे महज एक संयोग बताया कि कांग्रेस का नया कार्यालय शुरू होने के दिन हिंडनबर्ग ने अपनी दुकान बंद कर दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह केवल आरोप लगाने और राजनीति करने में व्यस्त रहते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के बयानों और उनके नेतृत्व को कमजोर बताते हुए कहा कि कांग्रेस अब गंभीर राजनीतिक मुद्दों से भटक चुकी है।

राहुल गांधी पर हमला करते हुए बीजेपी सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी अर्बन नक्सल के चंगुल में फंसे हुए हैं उनकी सोच माओवादियों वाली है। आप भारत के नेता प्रतिपक्ष है। क्या कांग्रेस के अच्छे लोगों ने उन्हें समझना बंद कर दिया है क्या, उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी अर्नब नक्सल के चंगुल में है, माओवादी सोच के प्रभाव में हैं। राहुल गांधी कुछ जिम्मेदार बनिए

बता दें कि अमेरिकी इन्वेस्टमेंट रिसर्च फर्म और शॉर्ट सेलिंग ग्रुप हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी कंपनी बंद करने की घोषणा की है। इस फैसले की पुष्टि कंपनी के फाउंडर नाथन एंडरसन ने की। यह खबर ऐसे समय आई है जब अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन का चार साल का कार्यकाल समाप्त होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हिंडनबर्ग कंपनी के बंद होने का ये मतलब नहीं है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों पर अदाणी ग्रुप को क्लीनचिट मिल गई। उन्होंने कहा कि वे अभी भी जेपीसी की मांग पर अड़े हुए हैं।

केजरीवाल से तेजस्वी की बढ़ती नजदीकियों के बीच राहुल गांधी का बिहार दौरा

प्रात : किरण/ एजेंसी

पटना। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिससे उन्हें चुनाव में फायदा मिल सके। वहीं, राजद नेता तेजस्वी यादव की दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से बढ़ती नजदीकियों ने कांग्रेस को उहापोह में डाल दिया है। इस बीच, कांग्रेस के नेता राहुल गांधी बिहार के दौरे पर आने वाले हैं। इसे लेकर कांग्रेस के कार्यकताओं ने तैयारी शुरू कर दी है। तेजस्वी यादव ने हाल ही में इंडिया गठबंधन को लेकर कहा था कि यह गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि बिहार में राजद और कांग्रेस का गठबंधन पुराना है। यहां राजद और कांग्रेस साथ मिलकर चुनाव लड़ते हैं। कुछ दिन पहले बिहार कांग्रेस के कई नेताओं ने आगामी चुनाव को लेकर 70 सीटों पर अपनी दावेदारी पेश की थी। इसी बीच, राजद प्रमुख लालू यादव ने इंडिया गठबंधन का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को देने की वकालत की थी। इसको लेकर भी राजद और कांग्रेस में तनातनी देखने को मिली थी। इधर, भाजपा के केजरीवाल के पूर्वांचल के लोगों को कथित तौर पर अपमानित करने के आरोपों पर तेजस्वी यादव को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल का साथ मिला और उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि उनका बयान एक संदर्भ में दिया गया था और उसी के रूप में उसे देखना चाहिए। कांग्रेस और राजद के रिश्तों में इस आंख मिचौली के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18 जनवरी को पटना आने वाले हैं। गांधी के इस दौरे को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गांधी यहां पटना के बापू सभागार में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेंगे। पटना की सड़कों पर गांधी के आगमन को लेकर पोस्टर लगाए जा रहे हैं। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि राहुल गांधी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित सभा को भी संबोधित करेंगे, इसमें प्रदेश कांग्रेस के मुख्य सभागार के नवीनीकरण और उसके नामकरण 'राजीव सभागार' और कांग्रेस कार्यालय के कर्मचारियों के लिए बने नवनिर्मित भवन, जिसका नाम 'इंदिरा भवन' रखा गया है, उसका उद्घाटन भी करेंगे।

इसरो ने सफलतापूर्वक पूरा किया स्पैडेक्स मिशन, भारत बना अंतरिक्ष में डॉकिंग करने वाला चौथा देश

प्रात : किरण/ एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पैडेक्स) के तहत अपना पहला अंतरिक्ष डॉकिंग मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

भारत इस ऐतिहासिक सफलता से अमेरिका, रूस और चीन के बाद इस तकनीकी मील के पत्थर को हासिल करने वाला विश्व स्तर पर चौथा देश बन गया है। इस डॉकिंग प्रक्रिया में अंतरिक्ष यान को 15-मीटर होल्ड पॉइंट से 3-मीटर होल्ड पॉइंट तक सही तरीके से संचालित करना शामिल था। डॉकिंग प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक क्रियान्वित किया गया, जिससे अंतरिक्ष यान का सफल मिशन सुनिश्चित हुआ। इसरो ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अंतरिक्ष यान डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई, एक ऐतिहासिक क्षण। अंतरिक्ष विभाग के सचिव, अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने इतिहास रचने वाली इसरो की टीम को बधाई दी है। यह अभूतपूर्व सफलता अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में इसरो की विशेषज्ञता को रेखांकित करती है। इसरो के अधिकारियों ने टीम को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इसरो ने कहा, पूरी टीम को बधाई ! भारत को बधाई। स्पैडेक्स के साथ भारत ने अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में एक नया अध्याय खोला है जिससे भविष्य के अंतरग्रहीय मिशन और अंतरिक्ष स्टेशन सहयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

आस्था

टंडन ने बताया, 2019 में 4.30 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था लेकिन इस बार हमें 35 करोड़ रुपये तक के कारोबार की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेशः हस्तशिल्पियों के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा महाकुम्भ

प्रात : किरण/ एजेंसी

महाकुम्भ नगर। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेला राज्य के हस्तशिल्पियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है। मेला क्षेत्र के लगभग छह हजार वर्ग मीटर में लगाई गई एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रदर्शनी में कालीन, जरी-जरदोजी का काम, फिरोजाबाद के कांच के खिलौने और वाराणसी के लकड़ी के खिलौने समेत कई बेहतरीन हस्तशिल्प प्रदर्शित किए जा रहे हैं। प्रयागराज मंडल में संयुक्त उद्योग आयुक्त शरद टंडन ने बताया कि 2019 में आयोजित पिछले कुम्भ की तुलना में कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। टंडन ने बताया, 2019 में 4.30 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था लेकिन इस बार हमें 35 करोड़ रुपये तक के कारोबार की उम्मीद है। यह उल्लेखनीय वृद्धि रोजगार के नये अवसर प्रदान करेगी और छोटे उद्यमियों को सशक्त बनाएगी। ई-कॉमर्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी फ्लिपकार्ट ने एक स्टॉल लगाया है, जहां स्थानीय उद्यमियों को मुफ्त बिक्री का अवसर दिया जा रहा है।

कारीगर और हस्तशिल्प विक्रेता अब बिना किसी शुल्क के फ्लिपकार्ट के मंच पर अपने उत्पाद बेच सकते हैं, जो बड़ी संख्या में खरीदारों और आगंतुकों को आकर्षित कर रहा है। प्रदर्शनी विभिन्न शिल्प और भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों के माध्यम से उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी सामने लाती है। जीआई विशेषज्ञ रजनीकांत ने बताया कि इस पहल के तहत राज्य के 75 जीआई उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें वाराणसी की लाल मिर्च, बनारसी साड़ियां, प्रतापगढ़ का आंवला, मिजार्पुर के पीतल के बर्तन और गोरखपुर का टेराकोटा शामिल हैं। इसके अलावा, कुशीनगर के कालीन, फिरोजाबाद के कांच के खिलौने और बर्तन प्रदर्शनी के शीर्ष आकर्षणों में से हैं।

उन्होंने बताया कि इन 75 जीआई उत्पादों में से 34 काशी क्षेत्र के हैं, जिसने इन अद्वितीय शिल्पों को मान्यता और संरक्षण प्रदान करते हुए जीआई टैग हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रजनीकांत ने बनारस की ठंडाई, लाल पेड़ा और बनारसी तबला जैसे अन्य प्रतिष्ठित उत्पादों को वैश्विक मंच पर लाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया। महाकुम्भ न केवल क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है बल्कि उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार मंच भी बनाता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक स्थानीय कारीगरों से उत्पाद खरीद रहे हैं, जो इन दस्तकारी उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता को जाहिर करता है।

अयोध्या में 10 लाख, काशी विश्वनाथ में 7.41 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन

। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ के साथ-साथ देश और विदेश से यहां पहुंचे श्रद्धालु अब राज्य के अन्य धार्मिक स्थलों की ओर रुख कर रहे हैं। एक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक, संगम में स्नान के बाद श्रद्धालु 13, 14 और 15 जनवरी को श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, वाराणसी, मां विंध्यवासिनी धाम, नैमिषारण्य व अयोध्या में दर्शन-करने पहुंचे।

बयान में बताया गया कि अब तक तकरीबन सात करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकुम्भ में स्नान किया। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि अयोध्या में तीन दिन में तकरीबन 10 लाख, काशी विश्वनाथ मंदिर में 7.41 लाख, विंध्यवासिनी धाम में पांच लाख और नैमिषारण्य धाम सीतापुर में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सूत्रों के मुताबिक, इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के इन क्षेत्रों में पहुंचने से स्थानीय रोजगार को भी काफी बढ़ावा मिल रहा है। बयान के मुताबिक, काशी विश्वनाथ मंदिर में 13 जनवरी को 2.19 लाख, 14 जनवरी को 2.31 लाख और 15 जनवरी को 2.90 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। वहीं विंध्यवासिनी धाम में पांच लाख और नैमिषारण्य धाम में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या जिला प्रशासन दर्शनार्थियों के लिए सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध करा रहा है और तकरीबन 10 लाख से अधिक श्रद्धालु तीन दिन में यहां पहुंचे हैं। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर ने बताया कि अयोध्या धाम को पांच जोन और 12 सेक्टर में विभाजित कर दो पालियों में पुलिस बल को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य स्नान पर्व पर राजपत्रित अधिकारी-थाना प्रभारी की ड्यूटी अलग से लगायी जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार निगम में होगी सबसे बड़ी जीत : जैसल

हरिद्वार, एजेंसी। भाजपा प्रत्याशी किरण जैसल ने हरकी पौड़ी, खड़खड़ी, ऋषिकुल, टिबड़ी, तेलियान, हनुमंतपुरम, अहबाबनगर वार्ड में रोड शो और जनसंपर्क किया।

भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि संपूर्ण नगर निगम क्षेत्र की जनता के उत्साह को देखकर ऐसा लगता है कि पूरे प्रदेश में सबसे बड़ी जीत हरिद्वार नगर निगम में होने वाली है। हरिद्वार की जनता ने जो प्यार और दुलार मुझे दिया है मैं आजीवन उसकी ऋणी रहेंगी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि 16 जनवरी को भी लगभग 17 वार्डों में जनसभाएं और रोड शो आयोजित होगा। भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा की जल्द ही उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत का रोड शो भी हरिद्वार में होगा।

लोग बदलाव का मन बना चुके हैं : राणा महेश

हरिद्वार, एजेंसी। नगर नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस प्रत्याशी राणा महेश प्रताप सिंह ने कई कार्यक्रमों में शिरकत कर लोगों से अपने पक्ष में वोट देने की अपील की।

राणा महेश प्रताप ने कहा कि सभी कार्यक्रमों में जनता ने उन्हें अपने क्षेत्र की समस्या बताई और पूर्व चेयरमैन के प्रति रोष व्यक्त किया। कहा कि क्षेत्रों में सड़कें टूटी हैं, नालियां बंद हैं, स्ट्रीट लाइट जलती नहीं है। इससे परेशान लोग अब बदलाव का मन बना चुके हैं। राणा महेश सिंह ने कलस्टर शिवालिक नगर, रोशनाबाद कोर्ट बार काउंसिल, सुभाष नगर, कृपाल नगर, नारायण वाटिका, टिहरी विस्थापित क्षेत्र, पीठ ग्राउंड शिवालिक नगर के साथ साथ अन्य स्थानों पर पहुंचकर जनसंपर्क किया। उन्होंने कहा कि बदलाव का यह सही समय है। ईमानदार, बेईमान, शिष्टाचार या भ्रष्टाचार यह पहचान अब सिर्फ मतदाता के वोट पर है।

विशुद्ध आश्रम में मकर संक्रांति पर खिचड़ी बांटी

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तरी हरिद्वार स्थित विशुद्ध आश्रम में दयानंद व्यापार मंडल ने मकर संक्रांति के मौके पर खिचड़ी प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व सिर्फ एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि यह समाज में भाईचारे और एकता का प्रतीक है। शहर व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजीव पाराशर व व्यापार मंडल के महामंत्री राजीव भट्ट ने कहा कि आयोजन न केवल व्यापारियों के बीच रिश्तों को मजबूत करता है, बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देता है। इस दौरान विनोद मिश्रा, सुनील सेठी, बृजभूषण विद्यार्थी, मनोज महंत, डॉ. प्रेम प्रकाश, सूरज शर्मा, आकाश भाटी, दीपक उप्रेती, अनिल मिश्रा, अमित शर्मा आदि मौजूद रहे।

रेलवे लाइन किनारे अवैध पार्किंग बनाई, उगाही का चल रहा खेल

हरिद्वार, एजेंसी। मनसा देवी मंदिर उड़न खटोला के पास रेल लाइन किनारे खाली पड़ी भूमि पर अवैध तरीके से पार्किंग बनवाकर ऑटो व चौपहिया वाहनों को खड़ा करवाकर वसूली करने का मामला सामने आया है। पार्किंग के नाम पर लोगों से शुल्क वसूला जा रहा है। लोगों को रेलवे की तरफ से ही पार्किंग बनाने की बात कही जा रही है जबकि रेलवे की तरफ से यहां पार्किंग के लिए कोई टेंडर जारी नहीं किया गया है।

हरिद्वार में रोजाना हजारों श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। ट्रेन-बसों के अलावा तमाम लोग निजी वाहनों से पहुंचते हैं। यहां मनसा देवी मंदिर पर भी रोजाना हजारों यात्री दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसका फायदा उठाते हुए कुछ लोगों ने रेल लाइन किनारे खाली पड़ी रेलवे की भूमि पर अवैध तरीके से पार्किंग का संचालन शुरू करवा दिया। बकायदा युवकों को वाहन खड़े करने पर शुल्क वसूलने के लिए लगाया गया है। यही नहीं अवैध पार्किंग में वाहन खड़े करने वाले लोगों को पर्ची भी थमाई जा रही है। सूत्र बताते हैं कि पार्किंग के बारें में पूछने पर इसका संचालन करने वाले लोग कहते हैं कि मुरादाबाद रेल मंडल की तरफ से ही इसे बनाया गया है। इसके कागज भी उनके पास है जबकि स्थानीय अधिकारियों से जानकारी हुई कि यहां कोई ऐसी पार्किंग नहीं बनाई गई न ही टेंडर जारी किया गया है। अब सवाल है कि आखिर किसकी शह पर रेल लाइन किनारे पार्किंग बनाकर वसूली की जा रही है।

करोड़ों का बना दिया भवन अधर में लटका उच्चीकरण

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। यहां तहसील मुख्यालय के करीब ताड़ीखेत स्थित पीएचसी के उच्चीकरण के सपने दिखाए गए और करोड़ों की लागत से अस्पताल भवन भी खड़ा कर दिया। छह साल बीतने के बावजूद इस पीएचसी का उच्चीकरण अधर में ही लटका रह गया। इससे करीब 45 हजार की आबादी जुड़ी है। कुछ साल पहले ताड़ीखेत ब्लॉक मुख्यालय में स्थित पीएचसी के उच्चीकरण की योजना बनी और वर्ष 2018 में करोड़ों रुपये खर्च कर अस्पताल भवन भी खड़ा कर दिया गया। छह साल बाद भी पीएचसी ही संचालित हो रहा है। न तो यह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बन सका और न ही यहां स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो सका।

बर्फ से सराबोर हुईं देवभूमि की वादियां, हर्षिल-औली में दिखा जन्नत सा नजारा

हर्षिल, एजेंसी। प्रदेश में रविवार को मौसम खराब हुआ था। उसके बाद से धूप निकलने से राहत थी। लेकिन आज फिर मौसम बदला और पहाड़ों में बर्फबारी शुरू हो गई। उत्तराखंड में आज मौसम ने फिर करवट बदली। पहाड़ में बर्फबारी और मैदान में बारिश से ठंड में इजाफा हो गया है। पहाड़ से मैदान तक कड़ाके की ठंड पड़ रही है। वहीं, आज हर्षिल, औली और चकराता में बर्फबारी हुई। जिससे यहां की वादियां बर्फ की सफेद चादर में लिपट गई हैं। पैदल रास्तों और खेत खलियानों में बर्फ जम गई है।

मैदानी इलाकों में बारिश के साथ कोहरा छाने से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही सर्द हवाओं ने ठंड में और इजाफा कर दिया है।

इस साल हलचल भरा रहेगा सौर चक्र- देखने को मिलेंगे जबरदस्त सन स्पॉट्स, 100 सालों में सबसे कमजोर रही सोलर साइकिल

देर रात से हो रही औली की हसीन वादियां फिर बर्फ से लकदक हो गई हैं। औली में जमकर बर्फबारी हुई तो यहां पहुंचे पर्यटकों ने बर्फबारी का जमकर लुत्फ उठाया। हालांकि बर्फ से सड़क बंद होने से पर्यटकों को आने जाने में परेशानी भी उठानी पड़ी।

चमोली जिले में गुरुवार देर रात से ही मौसम बदल गया था। तड़के जब लोगों की आंखें खुली तो वादियां सफेद नजर आईं। यमुना घाटी में भी बर्फबारी से मौसम सुहावना हो गया है। यमुनोत्री धाम सहित आसपास बर्फबारी हो रही है। वहीं, हर्षिल की वादियां भी बर्फ से सराबोर नजर आई। पहाड़ों के राजा चकराता के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सीजन का पांचवा हिमपात हुआ। गुरुवार देर रात दो बजे से ही बर्फबारी शुरू हो गई थी। आज भी बर्फबारी रुक-रुक कर जा रही है। जमीन पर पांच इंच मोटी बर्फ जम गई है। लोखंडी, लोहारी, कोटि कनासर, मोइला टॉप, जाड़ी आदि स्थानों पर स्थानीय और पर्यटक बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं। उधर, देहरादून, पौड़ी, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में आज मेघ गरजने के साथ बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने इन जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर और चंपावत में हल्की बारिश की संभावना है।

24 हजार छात्र-छात्राओं को बिना गड़बड़ी के परीक्षाफल होगा जारी

अल्मोड़ा, एजेंसी। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के छात्र- छात्राओं की अंकतालिकाओं में गड़बड़ी और देरी से परीक्षा परिणाम घोषित होने जैसी समस्याओं का समाधान हुआ। समर्थ पोर्टल के माध्यम से अब परीक्षा परिणाम बिना किसी गलती के घोषित हो रहे हैं। इससे छात्र-छात्राओं को राहत पहुंच रही है।

एसएसजे विवि में वर्तमान में 24 हजार छात्र-छात्राएं समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत हैं। पोर्टल के माध्यम से ही छात्र-छात्राओंके प्रवेश, परीक्षा आवेदन और परिणाम घोषित हो रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी विवि में एक प्रवेश, एक परीक्षा और एक परिणाम की व्यवस्था लागू की। पोर्टल के माध्यम से परीक्षाफल घोषित होने से अब छात्र-छात्राओं की अंकतालिका में विषयों के अंक नहीं जुड़ने, पूर्णांक से अधिक अंक मिलने और अंकतालिकाओं में त्रुटियां होने की शिकायत दूर हुई। विवि प्रबंधन के मुताबिक पोर्टल पर छात्र-छात्राओं के अंक दर्ज नहीं होने और पूर्णांक से अधिक अंक होने पर सॉफ्टवेयर फौरन चेतावनी देता है। इससे परीक्षाफलों की किसी प्रकार की त्रुटि नहीं होगी।

विवि के बीते शिक्षा सत्र में 3500 अंकतालिकाओं में त्रुटियां मिलीं। अंकतालिकाओं में सुधार के लिए छात्र-छात्राएं विवि के चक्कर काटने के लिए मजबूर हुए। समर्थ पोर्टल के माध्यम से रिजल्ट जारी होने से अब छात्र-छात्राओं की इस समस्या का समाधान हुआ।

पूर्व में उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद ओएमआर सीट में दर्ज अंकों को विवि को भेजा जाता था। इसके बाद समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन अंक दर्ज होते थे। लेकिन अब मूल्यांकन केंद्रों को आईडी दी गई थी। आईडी के माध्यम से छात्र-छात्राओं के अंक सीधा पोर्टल पर दर्ज हो रहे हैं। इससे छात्र-छात्राओं को परीक्षा नतीजों के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

- यकीनन समर्थ पोर्टल की इस व्यवस्था से परीक्षाफलों में पारदर्शिता बढ़ी है। छात्र-छात्राओं के परीक्षाफल तेजी से घोषित किए जा रहे हैं। इससे छात्र-छात्राओं को राहत मिल रही है और परीक्षा प्रणाली में सुधार हुआ है।

अस्पतालों में रोज नहीं मिल रही अल्ट्रासाउंड की सुविधा

बागेश्वर, एजेंसी। जिले के अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड व्यवस्था नहीं सुधर रही है। रेडियोलॉजिस्ट की कमी होने से अस्पतालों में रोजाना अल्ट्रासाउंड नहीं हो रहे हैं। सप्ताह में जिला अस्पताल में पांच, सीएचसी कांडा में एक, सीएचसी कपकोट और बैजनाथ में तीन-तीन दिन ही अल्ट्रासाउंड सुविधा मिल रही है।

जिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के तीन पद सृजित होने के बावजूद केवल एक की तैनाती हो सकी है। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. आराधना नेगी वर्तमान में छह माह के मातृत्व अवकाश पर चली गई हैं। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. कुमार अमित की तैनाती सीएचसी बैजनाथ में की गई है, लेकिन व्यवस्था के तौर पर वह सितंबर माह से जिला अस्पताल में सेवा दे रहे हैं।

वह सप्ताह में पांच दिन जिला अस्पताल में जबकि प्रत्येक शुक्रवार को सीएचसी कांडा में अल्ट्रासाउंड कर रहे हैं। सीएचसी कपकोट के सोनोलॉजिस्ट डॉ. आनंद बसवाल ने रेडियोलॉजी का छह महीने का डिप्लोमा किया है। इसके चलते वह केवल गर्भवतियों के ही अल्ट्रासाउंड कर सकते हैं।

वर्तमान में उन्हें सीएचसी कपकोट और सीएचसी बैजनाथ में व्यवस्था के तौर पर गर्भवतियों के अल्ट्रासाउंड करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अन्य लोगों को अल्ट्रासाउंड कराने के लिए जिला अस्पताल की दौड़ लगानी पड़ रही है।

विशेषज्ञ छुट्टी से लौटे, मरीजों को राहत

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिला अस्पताल में तैनात एकमात्र अस्थि रोग विशेषज्ञ अवकाश से लौट आए हैं। उन्होंने ओपीडी में 35 से अधिक मरीजों का इलाज किया।

अस्पताल की ओपीडी 350 के पार पहुंची। बुधवार को सुबह से ही अस्पताल में मरीजों की भीड़ उमड़ी रही। फिजिशियन, ईएनटी रोग, बाल रोग, अस्थि रोग विशेषज्ञ कक्ष के बाहर से मरीजों की कतार लगी रही।

हवालबाग, धौलछीना, धौलादेवी, खत्याड़ी, दौलाघट आदि क्षेत्रों से इलाज के लिए मरीज पहुंचे। खून जांच, अल्ट्रासाउंड, एक्सरे आदि कक्ष में भी मरीजों की भीड़ रही।

देहरादून जाने वालों को जल्द मिलेगी हेली सेवा की सौगात

गरुड़ (बागेश्वर), एजेंसी। मेलाडुंगरी हेलीपेड से देहरादून तक हेली सेवा की शुरूआत जल्द होने की उम्मीद है। हेलीपेड पर इन दिनों तैयारियों को अंतिम रूप देने का कार्य चल रहा है। हेली सेवा शुरू होने के बाद न सिर्फ जिलेवासियों बल्कि चमोली और अल्मोड़ा जिले के लोग भी लाभान्वित होंगे।

गरुड़ के मेलाडुंगरी हेलीपेड की दूरी जिला मुख्यालय, ग्वालदम और कौसानी, सोमेश्वर आदि क्षेत्रों से करीब बराबर है। इन दिनों मेलाडुंगरी में हेली सेवा शुरू किए जाने को लेकर टिकट काउंटर, वेटिंग रूम, महिला-पुरुष शौचालय का निर्माण कार्य चल रहा है। लंबे समय से हेली सेवा शुरू होने की उम्मीद अब हकीकत में बदलने वाली है।

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के सुरक्षाधिकारी राम सिंह कठायत ने हेलीपेड का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियां जल्द पूरी करने के लिए कहा है। निरीक्षण के दौरान कानूनगो दयाल मिश्रा, आरईएस के एई रतन खड़ाई, यामिनी खड़ायत, कनिष्क सहायक अंकित आदि थे। इधर, एसडीएम जितेंद्र वर्मा ने बताया कि तैयारियां अंतिम चरण में चल रही हैं। फिलहाल किराया तय नहीं हुआ है। आचार संहिता हटने के बाद हेली सेवा शुरू करने की कवायद की जाएगी। फरवरी में देहरादून के लिए उड़ान सेवा शुरू होने की पूरी उम्मीद है।

इस साल हलचल भरा रहेगा सौर चक्र : देखने को मिलेंगे जबरदस्त सन स्पॉट्स, 100 सालों में सबसे कमजोर रही सोलर साइकिल

नैनीताल, एजेंसी। इस वर्ष सूर्य में जबरदस्त सोलर गतिविधि, सन स्पॉट्स और फ्लेयर्स देखने को मिल सकते हैं। जहां 11 वर्षीय पिछला सौर चक्र 100 वर्षों में सबसे कमजोर चक्र रहा था, वहीं वर्तमान सौर चक्र इतिहास में सर्वाधिक सक्रिय होने की संभावना है।

इस वर्ष सूर्य में जबरदस्त सोलर गतिविधि, सन स्पॉट्स और फ्लेयर्स देखने को मिल सकते हैं। जहां 11 वर्षीय पिछला सौर चक्र 100 वर्षों में सबसे कमजोर चक्र रहा था, वहीं वर्तमान सौर चक्र इतिहास में सर्वाधिक सक्रिय होने की संभावना है। वैज्ञानिकों की ओर से भी इसका आज तक के इतिहास में सर्वाधिक गहनता से अध्ययन किया जा रहा है।

वर्तमान में 25 वीं सोलर साइकिल चल रही है जो इस साल पीक पर पहुंचेगी। एक सोलर साइकिल 11 वर्षों की होती है और अपने मध्य में पीक पर पहुंचती है। वर्तमान साइकिल 2019 में शुरू हुई थी। इसके आज तक के इतिहास में सर्वाधिक सक्रिय रहने की संभावना है। इससे पहली 24वीं साइकिल बीते सौ वर्षों में सबसे कमजोर रही थी। सौर सक्रियता का पृथ्वी के मौसम, सौर तूफानों, औरोरा लाइट्स, सेटेलाइट्स, संचार आदि पर भारी असर पड़ता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार 25वें सौर चक्र के दौरान वर्ष 2025 में चरम स्तर पर सनस्पॉट गतिविधियों की उम्मीद है। इससे पूर्व सौर चक्र 24 की अवधि 2008 से 2019 के बीच में 11 साल की थी। इन वर्षों में सौर गतिविधियां बहुत न्यून रहीं, वर्ष 1755 से सौर चक्र का नियमित रिकॉर्ड रखने की शुरुआत के बाद से 265 वर्षों में इसकी तीव्रता चौथी सबसे कम थी और बीते 100 वर्षों में यह सबसे कमजोर सौर चक्र भी था। वर्तमान में सौर चक्र 25 चल रहा है जो दिसंबर 25 दिसंबर 2019 को शांत चरण (सौर न्यूनतम) से शुरू हुआ था अब 2025 में यह चरम पर होगा।

सूर्य की गतिविधि पूरे 2025 में पूरे वर्ष

तीव्र रहने की उम्मीद है। इस अवधि में सौर ज्वालाओं, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) और भू-चुंबकीय तूफानों में वृद्धि देखी जाएगी, जिसका पृथ्वी की प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक घटनाओं पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। जुलाई 2025 में 115 सनस्पॉट के शिखर के साथ सौर गतिविधि अधिकतम होने की उम्मीद है। संवा आर्य भट्ट शोध एवं प्रेक्षण विज्ञान संस्थान (एरीज) से जुड़े रहे खगोल विज्ञानी डॉ. शशिभूषण पांडे ने बताया कि सबसे पहले सौर चक्र वर्ष 1755 और 1766 के बीच रिकॉर्ड किया गया था। इस क्रम में वर्तमान सौर चक्र 25वां है। 11 साल के सौर चक्र में सौर गतिविधि समय-समय पर बढ़ती और घटती रहती है। प्रत्येक चक्र कम सौर गतिविधि की अवधि के दौरान शुरू और समाप्त भी होता है, जिसके बीच में सौर गतिविधि का चरम होता है। निम्न और उच्च गतिविधि की अवधि को सोलर मिनिमम, सौर न्यूनतम, और सोलर मैक्सिमम, सौर अधिकतम, कहा जाता है।

सौर चक्र 25 के आज तक के सर्वाधिक सक्रिय रहने की वैज्ञानिकों की उम्मीदें तब और भी प्रबल हो गईं जब 2025 की शुरुआत में ही 4 जनवरी को सूर्य से सर्वाधिक तीव्रता वाली एक प्रचंड सौर ज्वाला निकली। यह ज्वाला एक्स कैटेगरी की थी जो सर्वाधिक प्रबल ज्वाला मानी जाती है। इसकी तस्वीर अमेरिका की एजेंसी महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) की ओर से खींची गई थी जो नासा ब्लॉग्स पर उपलब्ध है।

सौर चक्र 25 का शिखर पहले ही सौर चक्र 24 के उस शिखर को पार कर चुका है जो 2014 में चरम पर पहुंचा था। साथ ही हाल के महीनों में वर्ष 2002 के बाद से सबसे ज्यादा सक्रिय सौर अवधि देखी गई हैं जो सौर चक्र 23 के शिखर के करीब पहुंच चुकी हैं।

भाजपा की डबल इंजन सरकार में सेलिब्रिटीज भी सुरक्षित नहीं : केजरीवाल

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली समेत पूरे देश में लोगों को सुरक्षा देने में नाकाम भाजपा पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में जब सेलीब्रिटीज सुरक्षित नहीं हैं तो एक आम आदमी की सुरक्षा की बात ही क्या की जाए ? सलमान खान पर फायरिंग, बाबा शिद्धकी की हत्या के बाद अब सैफ अली खान पर जानलेवा हमला यह बताता है कि भाजपा की सरकारें लोगों को सुरक्षा देने में नाकाम हैं। भाजपा दिल्ली को भी सुरक्षा नहीं दे पा रही है। दिल्ली में रोज हत्याएं हो रही हैं, व्यापारियों को वसूली की धमकी आ रही है। भाजपा से देश के बॉर्डर की सुरक्षा भी नहीं हो रही है। ये रोज कहते हैं कि सीमा पार करके रोहिंग्या आ रहे हैं। इनकी डबल इंजन की सरकार फेल हो चुकी है। अब इन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि बुधवार की रात कुछ अज्ञात लोगों ने देश के प्रसिद्ध अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुसकर उन पर 6 बार चाकुओं से हमला किया। पता चला है कि उनका अस्पताल में इलाज जारी है। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। लेकिन यह बेहद चिंताजनक बात है कि इतने बड़े एक्टर की सुरक्षा ऐसी नहीं होगी कि कोई खिड़की से उनके घर में घुस गया। इतनी ज्यादा सुरक्षित जगह पर रहने वाले अभिनेता के घर में रात को कोई घुसकर चाकुओं से हमला कर दे तो यह वहां की राज्य सरकार और केंद्र सरकार के ऊपर बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। इसका मतलब है कि दोनों सरकारें लोगों को सुरक्षा

देने में नाकाम रही हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुंबई के अंदर यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले अभिनेता सलमान खान के घर पर शूट आउट हुआ था। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। बाबा सिद्दीकी एनडीए के पार्टनर थे। उनकी दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। अगर देश के इतने बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज ही सुरक्षित नहीं हैं, अगर इतने बड़े सेलिब्रिटीज को भी भाजपा की डबल इंजन की सरकार सुरक्षा नहीं दे सकती है तो एक आम आदमी की सुरक्षा की क्या ही बात की जाए ? चारों तरफ से खबरें आ रही हैं कि गुजरात की जेल में बैठकर एक गैंगस्टर खुलेआम फिरौती और शूट आउट के आदेश दे रहा है। देशभर में अन्य गैंगस्टर्स खुलेआम अपना-अपना राज चला रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि अपराधियों की मौजूदा सरकारों के अंदर अच्छी खासी पैठ है।

अपराधी धड़ल्ले से घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्हें पकड़े जाने का कोई डर नहीं है। ऐसा लगता है कि जैसे उन्हें ऊपर से पूरा संरक्षण हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ना केवल लोगों को सुरक्षा देने में असमर्थ है, बल्कि इनसे देश की सीमाओं की सुरक्षा भी नहीं हो रही है। ये रोज कहते हैं कि इनसे इंडो-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा नहीं हो रही है। ये रोज चिल्लाते हैं कि रोहिंग्या सीमा पार करके आ रहे हैं। तो ये क्या कर रहे हैं ? अगर इनसे बॉर्डर की सुरक्षा नहीं हो रही है तो इस्तीफा दे दें। किसी भी सरकार की सबसे पहली जिम्मेदारी अपने बॉर्डर की सुरक्षा करनी होती है। अगर कोई सरकार खुलेआम मान रही है कि उनसे बॉर्डर की सुरक्षा नहीं हो रही है तो उस सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। इनसे देश के सेलिब्रिटीज की सुरक्षा नहीं हो रही है। इनसे देश की सीमाओं की सुरक्षा नहीं हो रही है। इनसे देश की राजधानी की सुरक्षा नहीं हो रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली में खुलेआम सड़कों पर गैंगवॉर चल रहे हैं। खुलेआम 20-25 राउंड फायरिंग हो रही है। हर दूसरे दिन व्यापारियों को फिरौती की कॉल्स आ रही हैं। व्यापारियों से कहा जा रहा है कि इतने करोड़ रुपए पहुंचा दो वरना तुम्हें मार डालेंगे। दिल्ली में व्यापारी, महिलाएं और यहां तक कि बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं। दिल्ली से रोज 17 बच्चे गायब हो रहे हैं। ये दिल्ली को सुरक्षा नहीं दे सकते। ये देश के सेलिब्रिटीज को सुरक्षा नहीं दे सकते। ये देश के लोगों को सुरक्षा नहीं दे सकते। ये देश की सीमाओं को सुरक्षित नहीं रख सकते। इसलिए आज डबल इंजन की सरकार ना ही अच्छी सरकार दे सकती हैं और ना ही देश को सुरक्षा दे सकती हैं। दिल्ली में 2013 की तुलना में आज चार गुना अपराध बढ़ गया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम अभिनेता सैफ अली खान के ऊपर हुए कातिलाना हमले की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि हर वक्त गंदी राजनीति करना बंद करो। राजनीति के अलावा अपने काम करो। जनता ने आपको चुनकर भेजा है और आप पर भरोसा किया है। इसलिए जनता ने जो काम आपको दिए हैं, उन्हें करो। किसी भी सरकार का सबसे पहला काम सुरक्षा देना होता है और दूसरा न्याय देना होता है। ये सुरक्षा देने में असमर्थ हो रहे हैं। इन्होंने दिन पर दिन देश का माहौल खराब कर दिया है। मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि आप काम करना शुरू करो और गंदी राजनीति करना बंद करो।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा की डबल इंजन की सरकारें कानून-व्यवस्था के मसले पर पूरी तरह फेल- प्रियंका कक्कड़

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने डबल इंजन की सरकारों में ध्वस्त कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा को कटघरे में खड़ा किया है। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकारें कानून-व्यवस्था के मसले पर पूरी तरह फेल साबित हुई हैं। बबा सिद्दीकी की हत्या, सलमान खान को जान से मारने की धमकी और सैफ अली खान के ऊपर जानलेवा हमला इसी कानून-व्यवस्था की विफलता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को आंतरिक और बाहरी सुरक्षा नहीं दे पा रही है। इसी का नतीजा है कि चीन ने लद्दाख में घुसकर दो गांव बना लिए और बॉर्डर पार करके रोहिंग्या और बांग्लादेशी भारत में घुस जाते हैं। इसलिए भाजपा जवाब देना चाहिए कि उसकी डबल इंजन की सरकारें लोगों को सुरक्षा देने के लिए कानून-व्यवस्था पर काम क्यों नहीं कर पा रही है ? आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि आज कुछ देर पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बहुत ही गंभीर मुद्दे पर प्रेस वार्ता की। अरविंद केजरीवाल ने डबल इंजन की सरकार से बार-बार पूछा कि कैसे मुंबई में वाई सिक्युरिटी के अंदर एक बड़े नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी जाती है। अरविंद केजरीवाल ने पूछा कि कैसे प्रसिद्ध अभिनेता सलमान खान के ऊपर बार-बार हमले होते हैं और उनके घर पर फायरिंग हो जाती है। अरविंद केजरीवाल ने पूछा कि कैसे सैफ अली खान जैसे प्रसिद्ध अभिनेता के ऊपर जानलेवा हमला हो जाता है।

दिल्ली में फिर चलेगी काम की राजनीति, केजरीवाल बनेंगे दिल्लीवालों के दिलों के मुख्यमंत्री- भगवंत मान

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को गांधी नगर और घोंडा विधानसभा में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। उनके रोड शो को स्थानीय जनता का जबरस्त प्यार मिला। लोगों ने ह्यफिर लाएंगे केजरीवालह्ल के जमकर नारे लगाए और फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। भगवंत मान ने कहा कि इस बार भी दिल्ली की जनता ने काम की राजनीति को वोट करने का मन बना लिया है। अरविंद केजरीवाल चौथी बार दिल्लीवालों के दिलों के मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा के पास कोई विजन नहीं है। ये लोग सिर्फ गाली-गलौज करते हैं। लेकिन आम आदमी पार्टी सिर्फ काम की राजनीति करती है और दिल्लीवाले काम करने वालों को पसंद करते हैं। भाजपा को लगता है कि वह पैसे, जूते, सोने की चेन देकर दिल्ली के लोगों को खरीद लेगी, लेकिन दिल्लीवाले बिकाऊ नहीं हैं। गांधी नगर विधानसभा से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी नवीन चौधरी (दीपू) के समर्थन में रोड शो कर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि 5 फरवरी को दिल्ली की जनता को फैसला करना है कि अगले पांच साल के लिए उनके और उनके परिवार की किस्मत ऐसे व्यक्ति के हाथ में हो जो काम करना जानता हो और नफरत की राजनीति नहीं करता हो या फिर ऐसी पार्टी के पास हो जो केवल गाली-गलौज करना जानती है।

कांग्रेस की पांचवी लिस्ट जारी, तिमारपुर से लोकेंद्र चौधरी और रोहतास नगर से सुरेश वाटी चौहान प्रत्याशी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को अपने प्रत्याशियों की एक और लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में कांग्रेस ने दो उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। पार्टी ने तिमारपुर से लोकेंद्र चौधरी और रोहतास नगर से सुरेश वाटी चौहान को चुनाव मैदान में उतारा है। इस लिस्ट के साथ ही कांग्रेस ने दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) अपने सभी 70 उम्मीदवार के नामों का ऐलान कर चुकी है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अभी तक 59 प्रत्याशियों को मैदान में उतार चुकी है।

बाबा शिद्धकी की हत्या और अब सैफ अली खान पर हमला बताता है कि भाजपा की सरकारें लोगों को सुरक्षा देने में नाकाम हैं : केजरीवाल

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली समेत पूरे देश में लोगों को सुरक्षा देने में नाकाम भाजपा पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में जब सेलीब्रिटीज सुरक्षित नहीं हैं तो एक आम आदमी की सुरक्षा की बात ही क्या की जाए ? सलमान खान पर फायरिंग, बाबा शिद्धकी की हत्या के बाद अब सैफ अली खान पर जानलेवा हमला यह बताता है कि भाजपा की सरकारें लोगों को सुरक्षा देने में नाकाम हैं। भाजपा दिल्ली को भी सुरक्षा नहीं दे पा रही है। दिल्ली में रोज हत्याएं हो रही हैं, व्यापारियों को वसूली की धमकी आ रही है। भाजपा से देश के बॉर्डर की सुरक्षा भी नहीं हो रही है। ये रोज कहते हैं कि सीमा पार करके रोहिंग्या आ रहे हैं। इनकी डबल इंजन की सरकार फेल हो चुकी है। अब इन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि बुधवार की रात कुछ अज्ञात लोगों ने देश के प्रसिद्ध अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुसकर उन पर 6 बार चाकुओं से हमला किया। पता चला है कि उनका अस्पताल में इलाज जारी है। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। लेकिन यह बेहद चिंताजनक बात है कि इतने बड़े एक्टर की सुरक्षा ऐसी नहीं होगी कि कोई खिड़की से उनके घर में घुस गया। इतनी ज्यादा सुरक्षित जगह पर रहने वाले अभिनेता के घर में रात को कोई घुसकर चाकुओं से हमला कर दे तो यह वहां की राज्य सरकार और केंद्र सरकार के ऊपर बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। इसका मतलब है कि दोनों सरकारें लोगों को सुरक्षा देने में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुंबई के अंदर यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले अभिनेता सलमान खान के घर पर शूट आउट हुआ था। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। बाबा सिद्दीकी एनडीए के पार्टनर थे। उनकी दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। अगर देश के इतने बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज ही सुरक्षित नहीं हैं, अगर इतने बड़े सेलिब्रिटीज को भी भाजपा की डबल इंजन की सरकार सुरक्षा नहीं दे सकती है तो एक आम आदमी की सुरक्षा की क्या ही बात की जाए ? चारों तरफ से खबरें आ रही हैं कि गुजरात की जेल में बैठकर एक गैंगस्टर खुलेआम फिरौती और शूट आउट के आदेश दे रहा है। देशभर में अन्य गैंगस्टर्स खुलेआम अपना-अपना राज चला रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि अपराधियों की मौजूदा सरकारों के अंदर अच्छी खासी पैठ है। अपराधी धड़ल्ले से घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्हें पकड़े जाने का कोई डर नहीं है। ऐसा लगता है कि जैसे उन्हें ऊपर से पूरा संरक्षण हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ना केवल लोगों को सुरक्षा देने में असमर्थ है, बल्कि इनसे देश की सीमाओं की सुरक्षा भी नहीं हो रही है। ये रोज कहते हैं कि इनसे इंडो-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा नहीं हो रही है। ये रोज चिल्लाते हैं कि रोहिंग्या सीमा पार करके आ रहे हैं। तो ये क्या कर रहे हैं ? अगर इनसे बॉर्डर की सुरक्षा नहीं हो रही है तो इस्तीफा दे दें। किसी भी सरकार की सबसे पहली जिम्मेदारी अपने बॉर्डर की सुरक्षा करनी होती है। अगर कोई सरकार खुलेआम मान रही है कि उनसे बॉर्डर की सुरक्षा नहीं हो रही है तो उस सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। इनसे देश के सेलिब्रिटीज की सुरक्षा नहीं हो रही है। इनसे देश की सीमाओं की सुरक्षा नहीं हो रही है। इनसे देश की राजधानी की सुरक्षा नहीं हो रही है। दिल्ली में 2013 की तुलना में आज चार गुना अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली में खुलेआम सड़कों पर गैंगवॉर चल रहे हैं। खुलेआम 20-25 राउंड फायरिंग हो रही है। हर दूसरे दिन व्यापारियों को फिरौती की कॉल्स आ रही हैं। व्यापारियों से कहा जा रहा है कि इतने करोड़ रुपए पहुंचा दो वरना तुम्हें मार डालेंगे। दिल्ली में व्यापारी, महिलाएं और यहां तक कि बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं। दिल्ली से रोज 17 बच्चे गायब हो रहे हैं। ये दिल्ली को सुरक्षा नहीं दे सकते। ये देश के सेलिब्रिटीज को सुरक्षा नहीं दे सकते। ये देश के लोगों को सुरक्षा नहीं दे सकते। ये देश की सीमाओं को सुरक्षित नहीं रख सकते। इसलिए आज डबल इंजन की सरकार ना ही अच्छी सरकार दे सकती हैं और ना ही देश को सुरक्षा दे सकती हैं। दिल्ली में 2013 की तुलना में आज चार गुना अपराध बढ़ गया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम अभिनेता सैफ अली खान के ऊपर हुए कातिलाना हमले की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि हर वक्त गंदी राजनीति करना बंद करो। राजनीति के अलावा अपने काम करो। जनता ने आपको चुनकर भेजा है और आप पर भरोसा किया है। इसलिए जनता ने जो काम आपको दिए हैं, उन्हें करो। किसी भी सरकार का सबसे पहला काम सुरक्षा देना होता है और दूसरा न्याय देना होता है। ये सुरक्षा देने में असमर्थ हो रहे हैं। इन्होंने दिन पर दिन देश का माहौल खराब कर दिया है। मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि आप काम करना शुरू करो और गंदी राजनीति करना बंद करो।

केजरीवाल की गिरफ्तारी गैर कानूनी थी, प्रधानमंत्री माफी मांगें : संजय सिंह

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने तथाकथित शराब घोटाले में ईडी द्वारा तीन साल बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय से स्वीकृति लेने पर भाजपा पर करारा हमला बोला है। आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह का कहना है कि देश के सामने एक बार फिर साबित हो गया है कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और मेरी गिरफ्तारी गैर कानूनी और अवैध थी। ईडी ने गृह मंत्रालय से बिना स्वीकृति लिए गिरफ्तारी की थी, जबकि एजेंसियों को स्वीकृति लेनी होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और अमित शाह ने राजनीतिक दुर्भावना के तहत तथाकथित शराब घोटाला मनगढ़ंत बनाया था।

तीन साल बाद स्वीकृति लेने से साफ हो जाता है कि यह पूरा मामला ही फर्जी है। गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर संजय सिंह ने कहा कि बुधवार को साबित हो गया कि तथाकथित शराब घोटाला भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह द्वारा बनाया गया एक मनगढ़ंत घोटाला था। इस पूरे मामले का कोई सिर-पैर नहीं था। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पूरी तरह अवैध और गलत थी। मनीष सिसोदिया और मेरी गिरफ्तारी भी पूरी तरह से फर्जी और अवैध थी। ये लोग तीन साल से झूठा मामला चला रहे हैं, जिसमें इन्होंने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और मुझे गिरफ्तार कर लिया। इन्हें तीन साल बाद याद आ रहा है कि इस मामले में स्वीकृति भी लेना है। इसका मतलब है कि पूरा मामला फर्जी है और सारी गिरफ्तारी अवैध थीं। संजय सिंह ने कहा कि इन्होंने एक मुख्यमंत्री को बिना किसी प्रमाण और स्वीकृति के गिरफ्तार किया। इस देश में यह क्या हो रहा है। यह अपने आप में बहुत चौंका देने वाली बात है कि ईडी ने बगैर स्वीकृति के एक मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की। इसका मतलब है कि इस पूरे मामले को भाजपा और पीएम मोदी द्वारा फर्जी तरीके से तैयार कराया गया। अगर जरा भी शर्म है तो इस अपराध के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक रूप से अरविंद केजरीवाल से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने अपराध किया है। इस बात के लिए उनको माफी मांगनी चाहिए। संजय सिंह ने कहा कि मुझे यह बताने की जरूरत नहीं है कि यह पूरा मामला राजनीतिक दुर्भावना के कारण बनाया गया था। इसमें कोई सत्यता नहीं थी और आम आदमी पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी पूरी तरह से अवैध थी। एजेंसियों को स्वीकृति लेने की जरूरत होती ही है। क्या एक मुख्यमंत्री को बगैर स्वीकृति के गिरफ्तार किया जा सकता है ? यह अपने आप में ही सामान्य बात नहीं लगती है।

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ग्रेटर कैलाश और गोपाल राय ने बाबरपुर से नामांकन किया

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज और गोपाल राय ने गुरुवार को अपना नामांकन कर दिया। सौरभ भारद्वाज ने ग्रेटर कैलाश तो गोपाल राय ने बाबरपुर विधानसभा सीट से पर्चा भरा है। नामांकन के बाद सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमारी पार्टी के पास नैरेटिव है, नेता है और नीयत है। जबकि भाजपा के पास दिल्ली चुनाव के लिए कोई एजेंडा नहीं है। वह सिर्फ गाली-गलौज करके, डरा-धमका कर और चुनाव आयोग का इस्तेमाल करके चुनाव लड़ना चाहती है। उधर गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प ले लिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमारी पार्टी के पास नैरेटिव है, नेता है और नीयत है। भाजपा के पास चुनाव के लिए कोई एजेंडा नहीं है। वह सिर्फ गाली-गलौज करके, डरा-धमका कर और चुनाव आयोग का इस्तेमाल करके चुनाव जीतना चाहती है, जो मुश्किल है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति चुनाव आचार संहिता लगने के बाद पैसे, साड़ियां, बेडशीट और जूते बांट रहा है, तो यह तो सीधा-सीधा आपराधिक कृत्य है। आचार संहिता के तहत इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। वरना हर बाहुबली लाखों-करोड़ों रुपए बांट कर चुनाव जीत जाएगा। उस पर एक एफआईआर करने से क्या होगा ? चुनाव आयोग को प्रवेश वर्मा के उपर एक्शन लेना चाहिए, जैसे टीएन शेषन लिया करते थे। चुनाव आयोग को तुरंत प्रभाव से प्रवेश वर्मा को अयोग्य घोषित करना चाहिए। वरना यह माना जाएगा कि चुनाव आयोग भाजपा की मदद कर रहा है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ग्रेटर कैलाश में लोग काफी ज्यादा उत्सुक हैं। भाजपा रोज नया चेहरा चलाती है। मंगलवार तक मीनाक्षी लेखी का नाम चल रहा था। फिर स्मृति ईरानी का नाम चलने लगा। बुधवार को कोई कह रहा था कि रोहन जेटली चुनाव लड़ेंगे। मुझे नहीं पता कि कौन चुनाव लड़ेगा लेकिन हम चाहते हैं कि कोई बड़ा चेहरा चुनाव लड़े। क्योंकि कोई बड़ा चेहरा आएगा तो मीडिया हमारा इंटरव्यू लेने आती रहेगी। इससे ज्यादा अच्छा क्या हो सकता है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हम अपनी जीत को लेकर जनता की तरफ से आश्वस्त हैं। जनता बहुत कुछ नहीं चाहती है। लोगों को यह गलतफहमी है कि जनता पता नहीं क्या चाहती है ? जनता आपकी परेशानियां भी समझती है। जहां भी शहर होंगे, वहां पानी, बिजली और सड़कों के मसले हमेशा रहते हैं। मसले आते हैं और वह हल भी होते हैं। जनता चाहती है कि उनका विधायक उनकी परेशानियों को सुने और उनका समाधान करे। उधर, नामांकन के बाद गोपाल राय ने कहा कि पूरी दिल्ली में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। बाबरपुर की जनता ने काम के लिए फिर से अरविंद केजरीवाल की सरकार बनाने का संकल्प ले लिया है। यह सिर्फ एक चुनाव नहीं, बल्कि दिल्ली के हर परिवार की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए लड़ाई है। बाबरपुर की जनता ने इस बार अरविंद केजरीवाल की विकास की राजनीति को चुनने का मन बना चुकी है। दिल्ली के लोगों के दिल में एक बात बैठी हुई है कि उन्हें एक काम करने वाली सरकार चाहिए। इसलिए उन्हें केजरीवाल को एक बार फिर दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाना है।

गोपाल राय ने कहा कि बाबरपुर विधानसभा के लोगों ने मुझे काम करने का दो बार मौका दिया, उन सभी को दिल से शुक्रिया करता हूँ। इस बार भी लोगों के अंदर मेरे द्वारा किए गए काम के प्रति समर्थन है और वे चाहते हैं कि इस बार भी उनके विधानसभा से काम करने वाले विधायक को जिताया जाए। 5 फरवरी को हमें बाबरपुर विधानसभा में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के लिए ज्यादा से ज्यादा वोट देकर बहुमत से जिताना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने हमें सेवा करने का मौका दिया है और इस बार भी वे आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं। दिल्ली के लोगों का प्यार हमें पहले भी मिलता रहा है और इस बार भी मिलेगा। दिल्ली के लोगों को काम करने वाली सरकार बनानी है और दिल्लीवालों के मन में अरविंद केजरीवाल हैं।

नामांकन से पहले सौरभ भारद्वाज ने अपने गांव के प्राचीन शिव मंदिर और प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर में दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कालका मां हमारे गांव की ईष्ट देवी हैं। हमारे यहां हर बड़ा और शुभ काम कालका माई के नाम से शुरू होता है। इसलिए आज हम कालकाजी मंदिर में मां का आशीर्वाद लेने के लिए आए है और इसके बाद मैं अपना नामांकन दाखिल करुंगा।

कालका माई का आशीर्वाद लेकर मनीष सिसोदिया ने जंगपुरा से किया नामांकन

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को जंगपुरा विधानसभा सीट से अपना नामांकन कर दिया। नामांकन से पहले वह कालकाजी मंदिर पहुंचे और कालका माई से आशीर्वाद लिया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि मैंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ जनता की सेवा का प्रण लेते हुए जंगपुरा विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया है। मेरा यह नामांकन अरविंद केजरीवाल की ईमानदारी की राजनीति की दिशा में बढ़ाया एक और कदम है। मुझे विश्वास है कि जिस तरह पिछले 10 साल से दिल्ली भर में अरविंद केजरीवाल की पूरी टीम को प्यार, सम्मान और आशीर्वाद मिला है, वह इस चुनाव में भी बरकरार रहेगा। मनीष सिसोदिया ने नामांकन दाखिल करने के बाद कहा कि मैंने आज जंगपुरा विधानसभा से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार और अरविंद केजरीवाल के एक सिपाही के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है। मुझे विश्वास है कि जंगपुरा के लोग वही प्यार और सम्मान अपने इस भाई को देंगे जो वह पिछले 10 साल से आम आदमी पार्टी को देते रहे हैं। पूरी दिल्ली में जो प्यार, सम्मान और आशीर्वाद अरविंद केजरीवाल की पूरी टीम को मिलता रहा है, वही प्यार और सम्मान इस चुनाव में भी बरकरार रहेगा। मैं जंगपुरा के विधायक के रूप में चुने जाने पर जंगपुरा के लोगों के लिए उनके सुख-दुख में साथ दे सकूं और शिक्षा व स्वास्थ्य के माध्यम से उनके भविष्य के निर्माण में सहयोग कर सकूं, इसी भावना के साथ मैंने नामांकन किया है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं जंगपुरा से एक उम्मीदवार के रूप में जंगपुरा के लोगों के बीच में जा रहा हूं।

विरोध भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने लाइव टेलीविजन पर मुझे केवल इसलिए गालियां दी, क्योंकि मैं पूर्वांचल के मैथिली-ब्राह्मण समाज से आता हूं।

पूर्वांचल समाज का अपमान करने पर 'आप' ने भाजपा के खिलाफ पूरी दिल्ली में किया विरोध-प्रदर्शन

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल समाज के लोगों का अपमान करने पर भाजपा के खिलाफ पूरी दिल्ली में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आप नेताओं के नेतृत्व में कार्यकताओं और पूर्वांचल समाज के लोगों ने सभी विधानसभाओं में जगह-जगह प्रदर्शन कर भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कई जगह पूतले भी जलाए। आप के वरिष्ठ नेता और सांस संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक राष्ट्रीय चैनल पर पूर्वांचल के नेता को गाली दी। पूरे देश और दुनिया ने इसे सुना। भाजपा के नेता पूर्वांचल के लोगों को कभी बांग्लादेशी तो कभी रोहिंग्या कहते हैं। उन्हें टीवी पर गाली देते हैं। दिल्ली के लोगों को उस गाली का बदला अपनी वोट की ताकत से लेना है।

उधर, आप विधायक ऋतुराज झा ने कहा कि आज दिल्ली की हर विधानसभा में विरोध प्रदर्शन हुआ। इस दौरान कुछ लोगों ने पुतले जलाए। हमारे पास लाखों फोन कॉल आ रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने लाइव टेलीविजन पर मुझे केवल इसलिए गालियां दी, क्योंकि मैं पूर्वांचल के मैथिली-ब्राह्मण समाज से आता हूं। दिल्ली और देश के लोग भाजपा का चाल-चरित्र अच्छे से जानते हैं कि ये लो पूर्वांचल विरोधी हैं। गालियां देना और अपमान करना इनकी फितरत है। इसके खिलाफ आज पूरी दिल्ली में जमकर विरोध प्रदर्शन हुआ है।

ऋतुराज झा ने कहा कि बिहार के मिथिला इलाके में भी भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्श हुआ है। भाजपा नेता मनोज तिवारी ने वीडियो तो जारी किया, लेकिन घुमा-फिराकर करके बात की। उन्हें सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी चाहिए। शहजाद पूनावाला को प्रवक्ता के पद से हटाते हुए भाजपा को उनके खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। मैथिली-बाह्मण समाज में इसे लेकर बहुत रोष है। अगर भाजपा ने कोई एक्शन नहीं लिया तो 5 फरवरी तो पूरा पूर्वांचल समाज उसको करारा जवाब देगा। और अपने वोट की चोट से भाजपा को हराकर दिल्ली में फिर अरविंद केजरीवाल को लाने का काम करेगा।

आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने पूरी दिल्ली में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन कर भाजपा पर जमकर हमला बोला। इस दौरान कई जगहों पर पुलते भी जलाए गए। इस दौरान कार्यकताओं ने ह्यपूर्वांचलियों का ये अपमान, नहीं सहेंगेह्ल के नारे लगाए और कहा कि इस अपमान के लिए भाजपा को पूरे पूर्वांचल समाज से माफी मांगनी चाहिए। इस दौरान दिल्ली के शालीमार बाग, वजीरपुर, मॉडल टाउन, जंगपुरा, ओखला, पटपड़गंज, त्रिलोकपुरी, शाहदरा, दिल्ली कैंट, करोल बाग, मोती नगर, पटेल नगर, ग्रेटर कैलाश, कस्तूरबा नगर, मालवीय नगर, बाबरपुर, मुस्तफाबाद, रोहतास नगर, सीलमपुर, सीमापुरी, बुराड़ी, घोड़ा, गोकलपुर, करावल नगर, तिमारपुर, बवाना, मंगोलपुरी, बादली, मुंडका, रिठाला, अंबेडकर नगर, बिजवासन, छतरपुर, महरौली, पालम, बदरपुर, देवली, कालकाजी, संगम विहार, तुगलकाबाद, द्वारका, मटियाला, नजफगढ़, उत्तम नगर, विकासपुरी, हरि नगर, जनकपुरी, मादीपुर, रजौरी गार्डन और तिलक नगर समेत कई विधानसभा क्षेत्रों के प्रदर्शन किया गया।

गौरतलब है कि मंगलवार को भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने नेशनल टीवी पर पूर्वांचल से आने वाले मैथिली ब्राह्मण समाज के ह्यआपह्ल विधायक ऋतुराज झा को गाली दी और पूरे पूर्वांचल समाज का अपमान किया। इसके बाद, बुधवार को ह्यआपह्ल सांसद संजय सिंह ने प्रेस वार्ता कर पूर्वांचलियों के इस अपमान पर कड़ी आपत्ति जताई और इसके खिलाफ पूरी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में पकड़ा गया ढाका का रहने वाला बंग्लादेशी किन्नर

नई दिल्ली। अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को लेकर चलाए गए अभियान में पश्चिमी जिला पुलिस को एक और कामयाबी मिली है। यहां विकासपुरी इलाके में रह रहे एक बांग्लादेशी किन्नर को पुलिस ने पकड़ा है। जिसकी पहचान ई- मे खान के रूप में हुई है। वह 10 साल पहले बांग्लादेश से भारत बॉर्डर क्रॉस करके आ गया था और यहां रह रहा था। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि बांग्लादेशियों के पहचान के अभियान के तहत 8 बांग्लादेशियों की पहचान करके उनको डिपोर्ट करने के लिए भेजा जा चुका है। एसीपी तिलक नगर सुरेंद्र सिंह राठी की देखरेख में इंस्पेक्टर आनंद कुमार, हेड कांस्टेबल रविकांत और कांस्टेबल प्रवीण की टीम नाला रोड इलाके में पहचान के लिए सर्च कर रही थी। इसी दौरान इस बांग्लादेशी किन्नर के बारे में पुलिस को पता चला। उससे पूछताछ की गई तो शुरू में उसने बांग्लादेश का होने से साफ इनकार कर दिया। लेकिन जब पुलिस ने सवाल जवाब करना शुरू किया तो फिर उसकी पोल खुल गई। पता चला वह बांग्लादेश की राजधानी ढाका के साथ एक इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने उसको डिपोर्ट करने के लिए डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया है।

बहन की बाइक से भाई लूटता था सड़क पर महंगे मोबाइल

कश्मीरी गेट थाना के आईएसबीटी पुलिस चौकी ने पकड़ा

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट थाना के आईएसबीटी पुलिस चौकी की टीम ने मोबाइल लूट के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। वारदात को अंजाम देने के लिए वह अपनी बहन की मोटरसाइकिल का यूज करता था। आरोपी के पास से पुलिस ने दो मोबाइल भी बरामद किया है। उसकी पहचान हिमांशु ठाकुर के रूप में हुई है, वह गोकुलपुरी इलाके का रहने वाला है। पहले से स्नैचिंग और चोरी के चार मामलों में शामिल रहा है। जो भजन पुरा थाने में दर्ज हैं। इसकी गिरफ्तारी से कश्मीरी गेट और गोकुलपुरी थाने की मामलों का खुलासा किया गया है। डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि 14 जनवरी को एक शख्स ने पुलिस में शिकायत किया कि वह गुड़गांव के प्राइवेट कंपनी में काम करता है। सुबह 8:00 बजे के आसपास जब वह मेट्रो स्टेशन के गेट के बाहर कैब का इंतजार कर रहा था। इस दौरान मोटरसाइकिल से पहुंचे एक झपटमार ने उसका मोबाइल छीन लिया और वहां से फरार हो गया। पुलिस टीम ने जांच शुरू की। एसएचओ प्रशांत यादव की देखरेख में चौकी इंचार्ज प्रवीण कुमार, हेड कांस्टेबल आलोक, योगेश, श्यामसुंदर की टीम ने पीड़ित के द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर छानबीन शुरू किया। और 2 घंटे के अंदर मोबाइल लूटने वाले आरोपी के बारे में पता लगाया जो सीलमपुर में था।

घने कोहरे के बीच कर रहे थे स्कूटी पर शराब की तस्करी

नई दिल्ली। बुराड़ी थाना के सरकारी अस्पताल पुलिस चौकी की टीम ने चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिक को हिरासत में लिया है। इनके पास से हरियाणा की बनी हुई देशी शराब के 146 कार्टून बरामद किए गए। जिसमें 7300 क्वार्टर शराब के भरे हुए थे। बरामद शराब सिर्फ हरियाणा में ही बिकने के लिए मान्य थी। डीसीपी नॉर्थ राजा बांठिया ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आकाश, प्रवीण कुमार, यसविंदर और मोहित के रूप में हुई है। यह चारों दिल्ली के हिरन की गांव और नाथूपुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने तीन स्कूटी जप्त किया है, जिसका इस्तेमाल यह लोग शराब तस्करी में करते थे।

बॉर्डर पार करते बाबा हरिदास नगर में ट्रैप शराब की गाड़ी

नई दिल्ली। द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने बॉर्डर पार से शराब तस्करी के एक मामले का खुलासा करते हुए 2950 क्वार्टर शराब का बरामद किया है। इस मामले में एक इंटरस्टेट शराब सप्लायर को भी गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान साहिल के रूप में हुई है। यह हरियाणा के झज्जर का रहने वाला है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल एक कार को भी जप्त कर लिया है। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि 26 जनवरी और विधानसभा चुनाव को देखते हुए बॉर्डर पर पुलिस टीम ने और सख्ती बढ़ा दी है। साथ ही आपरेशन सेल की टीम को शराब तस्करी जैसे मामले को लेकर अलर्ट किया गया है। इसी कड़ी में टीम को इस शराब तस्कर के बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी। एसीपी ऑपरेशन सेल राम अवतार की देखरेख में इंस्पेक्टर विश्वेंद्र ढाका, सहायक सब इंस्पेक्टर रेशम सिंह, हेड कॉन्स्टेबल विजेंद्र, प्रवीण, कांस्टेबल प्रदीप और अजय की टीम ने बाबा हरिदास नगर इलाके में ट्रैप लगाकर इस कार को रोका। उसकी तलाशी ली गई तो उसके अंदर अवैध शराब की 59 पेटियां भरी हुई थी। जिसमें से पुलिस ने 2950 क्वार्टर शराब का बरामद किया।

उन्नाव रेप मामले के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर ने आंख के आपरेशन के लिए अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में बीजेपी के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की स्वास्थ्य के आधार पर मिली अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग पर सीबीआई को नोटिस जारी किया है। जस्टिस विकास महाजन की बेंच ने सीबीआई के मेडिकल रिकॉर्ड का वेरिफिकेशन कर रिपोर्ट सौंपी है। मामले की अगली सुनवाई 17 जनवरी को होगी। सुनवाई के दौरान कुलदीप सेंगर की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि एम्स के डॉक्टरों ने कुलदीप सिंह सेंगर के मोतियाबिंद का आपरेशन 24 जनवरी को तय किया है। उसके बाद कोर्ट ने सीबीआई को कुलदीप के मेडिकल रिपोर्ट को वेरिफाई कर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। दस साल कैद की सजाः हाईकोर्ट कुलदीप को स्वास्थ्य के आधार पर 20 जनवरी 2025 तक सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था। सेंगर ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जो अभी लंबित है। बता दें कि 16 दिसंबर 2019 को तीस हजारी कोर्ट ने रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में हत्या के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर को दस साल कैद की सजा सुनाई थी। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर पर दस लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया

था। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर समेत सभी सातों आरोपियों को भी दस-दस साल की कैद और दस-दस लाख के जुमार्ने की सजा सुनाई थी। पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में हुई थी मौतः रेप पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में 9 अप्रैल 2018 को मौत हो गई थी। 4 जून 2017 को रेप पीड़िता ने जब कुलदीप सेंगर पर रेप का आरोप लगाया था, उसके बाद कुलदीप सिंह सेंगर के भाई अतुल सिंह और उसके साथियों ने पीड़िता के पिता को बुरी तरह पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया था। रेप पीड़िता के पिता को जेल में शिफ्ट करने के कुछ ही घंटों बाद जिला अस्पताल में लड़की के पिता की मौत हो गई थी। कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजाः 20 दिसंबर 2019 को पीड़िता से रेप के मामले में तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने उम्रकैद के अलावा 25 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया था। जुमार्ने की इस रकम में से 10 लाख रुपये पीड़िता को देने का आदेश दिया था। तीस हजारी कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ भी कुलदीप सिंह सेंगर ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर किया है।

दिल्ली चुनावः कांग्रेस ने 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, मुफ्त राशन और बिजली देने का वादा किया

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में दिल्ली में सरकार बनने पर प्रत्येक परिवार को हर महीने 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, मुफ्त एक राशन किट और 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने गुरुवार को यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कई चुनावी वादों का ऐलान किया। देवेन्द्र यादव ने तेलंगाना की मिसाल देते हुए कहा कि जनता के साथ कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में जो वादे किए थे, उसे 13 महीने के दौरान वहां की सरकार ने पूरे कर दिए। इसीलिए रेवंत रेड्डी अपनी बात दिल्ली के मतदाताओं से कहने के लिए यहां आए हैं। देवेन्द्र यादव ने दिल्ली में एक महीने की कांग्रेस की न्याय यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि इस यात्रा के दौरान वे दिल्ली के कोने-कोने की जनता से मुखातिब हुए। जनता की ओर से जो मुद्दे उठाए गए, उन्हें पूरा करने के लिए कांग्रेस अब तक प्यारी दीदी और जीवन रक्षा योजना तथा पूर्वांचलियों के लिए महाकुंभ की तर्ज पर छठ पर्व का आयोजन जैसी गारंटियों की घोषणा कर चुकी है। देवेन्द्र ने कहा कि आज हम सिलेंडर, फ्री राशन किट और

300 यूनिट मुफ्त बिजली की गारंटी की घोषणा कर रहे हैं। कांग्रेस की इन गारंटियों को सरकार बनने पर पहली ही कैबिनेट बैठक में लागू किया जाएगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यादव ने कहा कि कांग्रेस अपनी चौथी गारंटी के रूप में प्रत्येक परिवार को हर महीने 500 रुपये में सिलेंडर और उसके साथ ही प्रत्येक परिवार को एक फ्री राशन किट देगी। इस किट में 5 किलो चावल, 2 किलो चीनी, तीन लीटर तेल, 6 किलो दालें और 250 ग्राम चाय पत्ती मुफ्त में देंगे। महंगाई के इस दौर में महिलाओं को अपनी रसोई चलाने में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि पांचवीं बड़ी गारंटी के रूप में 300 यूनिट बिजली प्रत्येक परिवार को मुफ्त मिलेगी। यह रकम सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। आआपा सरकार की तरह डिस्कॉम को मालामाल करने की बजाय हम उपभोक्ता को सीधे राहत देंगे। पत्रकार वार्ता में इससे पहले पूर्व तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो चुनावी वादे किए थे, उन्हें उसने पहले 13 महीने में ही पूरा कर दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में किसानों की कर्जमाफी का मुद्दा बहुत बड़ा था। कांग्रेस ने अपने चुनावी वादे पर अमल करते हुए पहले साल में किसानों का 21 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। एक साल में 51 हजार लोगों को नौकरियां दीं हैं। महिलाओं को फ्री बस सेवा दी है। 50 लाख परिवारों को 500 रुपये में रसोई सिलेंडर और प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस जो वादे करती है, चुनाव बाद सरकार बनने पर उन्हें पूरा भी करती है। तेलंगाना प्रदेश सरकार इसकी मिसाल है। उन्होंने दिल्ली की जनता से अपील की कि वो यहां कांग्रेस को जिताएं, सरकार बनने पर यहां भी लोगों से किए चुनावी वादे पूरे किए जाएंगे। उन्होंने शीला दीक्षित के मुख्यमंत्रित्वकाल में हुए दिल्ली के चहुंमुखी विकास की चर्चा की। दिल्ली में बिजली का निजीकरण, दिल्ली की सड़कें, फ्लाईओवर और मेट्रो रेल जैसी सुधारवादी प्रक्रिया को लागू करने और जलापूर्ति को सुधारने के लिए शीला सरकार की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली में तेज विकास करना है, तो कांग्रेस पार्टी को जिताना चाहिए। इस मौके पर एआईसीसी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

दिल्ली चुनाव से पहले पुलिस अधिकारियों की बैठक, कहा- हिंसा रोकने के लिए पूरी तरह तैयार

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए दक्षिणी रेंज में एक अहम बैठक का आयोजन किया। यह बैठक ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित आर्य ऑडिटोरियम में आयोजित की गई, जिसमें साउथ ईस्ट जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी और थाने के एसएचओ शामिल हुए। पुलिस की 'आंख, कान और नाक' बनें जनताः बैठक की अध्यक्षता ज्वाइंट सीपी संजय कुमार जैन और डीसीपी रवि कुमार ने की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की योजना पर चर्चा की गई। दिल्ली पुलिस ने इस अवसर पर लोगों से अपील की कि वे चुनाव के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि से सतर्क रहें और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस

अधिकारियों ने लोगों से यह भी कहा कि वे दिल्ली पुलिस के लिए 'आंख, कान और नाक' बनें ताकि किसी भी अनहोनी को समय रहते रोका जा सके। बैठक में दिल्ली के आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) और एमडब्ल्यूए (मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन) के सदस्य भी शामिल हुए, पुलिस ने उनसे चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और अन्य संबंधित मुद्दों पर सुझाव लिए। पुलिस ने उन्हें भरोसा दिलाया कि चुनाव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से आयोजित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने यह भी बताया कि वह चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी और हिंसा को रोकने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बैठक में यह तय किया गया कि चुनाव के दिन संवेदनशील इलाकों में पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी, ताकि किसी भी असामाजिक तत्व को मौके का फायदा न मिले।दिल्ली में कब होगी वोटिंग व काउंटिंगः दिल्ली में कुल 70 विधानसभा क्षेत्र हैं। निर्वाचन आयोग ने घोषणा की है कि 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव 2025 की वोटिंग होगी, और 8 फरवरी को काउंटिंग होगी। चुनाव की घोषणा से पहले ही दिल्ली में सियासी सरगर्मी तेज हैं। इसी बीच राजनितिक पार्टियों का अरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी जारी है। भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच यह सिलसिला लगातार जारी है।

नामांकन दाखिल करने से पहले भाजपा उम्मीदवार हरीश खुराना ने किया हवन-पूजन

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले मोती नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार हरीश खुराना ने अपने परिवार के साथ हवन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मीडिया से बात करते हुए बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा, ₹आज मेरे बड़े भाई हरीश खुराना अपना नामांकन दाखिल कर रहे हैं। उनकी सफलता के लिए बहुत-बहुत हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। मुझे उम्मीद है कि जनता का उन्हें भरपूर सहयोग और समर्थन मिलेगा। दिल्ली के सम्मानित मतदाताओं ने फैसला किया है कि इस बार दिल्ली में कमल खिलाना है। आम आदमी पार्टी के शासनकाल से जनता उब चुकी है। वे दिल्ली में भाजपा सरकार चाहते हैं। मोती नगर सीट पर आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच कड़ी टक्कर

देखने को मिलेगी। हालांकि, साल 2015 से इस सीट पर 'आप' पार्टी का कब्जा है। इस बार इस सीट पर भाजपा जीत दर्ज करने के लिए पूरी कोशिश करेगी। मोती नगर सीट जीतने के लिए भाजपा पूरी ताकत लगा रही है, क्योंकि साल 2008 और 2013 में इस सीट पर भाजपा का कब्जा था।

इस बार भाजपा चाहेगी कि एक बार फिर वह मोती नगर सीट जीते। हालांकि, 'आप' पार्टी अपनी जीत को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी 'आप' के शिव चरण गोयल ने 60,223 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। भाजपा के सुभाष सचदेवा को 45,002 वोट मिले थे और कांग्रेस के राज कुमार मग्गो को 6,111 वोट मिले थे। मोती नगर से 2020 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के शिव चरण गोयल विजयी हुए थे। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुभाष सचदेवा को 46,550 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के रमेश पोपली को 3,152 वोट मिले थे।

दिल्ली में बारिश से बदला मौसम का मिजाज, मौसम विभाग की तरफ से जारी किया गया येलो अलर्ट

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में गुरुवार तड़के मौसम का मिजाज बदला और कई इलाकों में तड़के बारिश हुई। गुरुवार सुबह छह बजे दिल्ली का तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उधर कोहरे के चलते कई जगहों पर विजिबिलिटी पर बुरा प्रभाव पड़ा। बारिश से तापमान में कमी आने के भी आसार जताए जा रहे हैं। साथ ही प्रदूषण से भी थोड़ी राहत मिल सकती है। वहीं भारतीय रेलवे के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में कोहरे के कारण दिल्ली जाने वाली 29 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग की तरफ से शनिवार तक के लिए कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही बताया गया है कि गुरुवार सुबह के समय बारिश होने के साथ शाम और रात के समय भी कोहरा देखा जा सकता है। अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। वहीं 17 जनवरी से 18 जनवरी तक अधिकतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7-8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। इससे पहले बुधवार को सुबह करीब 5:30 बजे विजिबिलिटी 100 से 150 मीटर के बीच दर्ज की गई, जो सुबह 8:30 बजे तक घटकर 0 से 100 मीटर के बीच ही रह गई। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, आज ज्यादातर जगहों पर आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली की हवा 'बेहद खराब': केंद्र प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में गुरुवार सुबह 6:30 औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 356 दर्ज किया गया। वहीं एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 142, गुरुग्राम 195, गाजियाबाद में 266 और नोएडा में एक्यूआई 222 दर्ज किया गया। दिल्ली के इलाकों की बात करें तो आनंद विहार में 404, अशोक विहार में 414, बवाना में 412, जहांगीरपुरी में 409, मुंडका में 430 और रोहिणी में एक्यूआई 431 दर्ज किया गया।

लैंड फॉर जॉब मामले में एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ अभियोजन चलाने के लिए अभी नहीं मिली मंजूरी

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ अभियोजन चलाने के लिए जरूरी मंजूरी अभी नहीं मिली है। स्पेशल जज ने मामले की अगली सुनवाई 30 जनवरी को करने का आदेश दिया। सीबीआई ने 26 नवंबर 2024 को कहा था कि 30 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी मिल गई है। 20 सितंबर 2024 को सीबीआई ने कहा था कि गृह मंत्रालय ने लालू यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। सीबीआई ने 7 जून 2024 को इस मामले में अंतिम चार्जशीट दाखिल किया था जिसमें 78 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इन 78 आरोपियों में से रेलवे में नौकरी पाने वाले 38 उम्मीदवार भी शामिल हैं। आरोपियों को जमानतः ईडी के मामले में कोर्ट ने 18 सितंबर 2024 को पहली पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव समेत सात आरोपियों को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया था। ईडी के मामले में 7 मार्च 2024 को कोर्ट ने राबड़ी देवी, मीसा भारती, हीमा यादव और ह्रदयानंद चौधरी को नियमित जमानत दी थी। ईडी के मामले में हाईकोर्ट आरोपी अमित कात्याल को जमानत दे चुका है। दूसरी चार्जशीट पर संज्ञानः इस मामले में ईडी के पहले सीबीआई ने केस दर्ज किया था। सीबीआई से जुड़े मामले में कोर्ट ने 4 अक्टूबर 2023 को तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को जमानत दी थी। कोर्ट ने 22 सितंबर 2023 को सीबीआई की ओर से दाखिल दूसरी चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 3 जुलाई 2023 को सीबीआई ने पूरक चार्जशीट दाखिल किया था। कोर्ट ने 27 फरवरी 2023 को इन तीनों आरोपियों समेत सभी आरोपियों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 7 अक्टूबर 2022 को लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती समेत 16 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया था।

बृजभूषण शरण सिंह पर दर्ज पॉक्सो मामले में फैसला फिर टला, 15 अप्रैल को होगी सुनवाई

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर दर्ज पॉक्सो मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल क्लोजर रिपोर्ट पर फैसला आज फिर टाल दिया है। कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट पर फैसला 15 अप्रैल को सुनाने का आदेश दिया। पीड़ित ने पुलिस की जांच पर संतोष जताया थाः इसके पहले भी कोर्ट ने फैसला टाल दिया था। कोर्ट ने 1 अगस्त 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान पीड़ित नाबालिग पहलवान और उसके पिता ने पुलिस की जांच पर संतोष जताया था। नाबालिग पहलवान और उसके पिता दोनों ने इन-कैमरा बयान दर्ज कराया। इन कैमरा का मतलब सुनवाई के समय दोनों पक्षों के अलावा दूसरा कोई उपस्थित नहीं होता है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए 4 जुलाई 2023 को शिकायतकर्ता नाबालिग पहलवान को नोटिस जारी किया था।

बता दें कि 15 जून 2023 को दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट ने रिपोर्ट दाखिल कर बृजभूषण शरण सिंह को क्लीन चिट दे दी थी। दिल्ली पुलिस ने नाबालिग पहलवान की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में बृजभूषण शरण सिंह को क्लीन चिट देते हुए आरोप निरस्त करने की मांग की है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि पॉक्सो के मामले में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं।

बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में भी महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के संबंध में एक मामला चल रहा है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 26 जुलाई से इस मामले में ट्रायल शुरू कर दिया है। 15 जून 2023 को दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। चार्जशीट में भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

करोलबाग और बलजीत नगर में कबूतर पर लगता था दांव

नई दिल्ली। सेंट्रल दिल्ली के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड और स्पेशल स्टाफ की टीम ने जुए के अड्डे पर छापा मारकर 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहां से 72 हजार से ज्यादा कैश और 15 मोबाइल भी पुलिस ने जप्त किया है। डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि मौके से 179 गैंबलिंग के स्लिप, 10 राइटिंग पैड के अलावा तितली कबूतर, चिड़िया कबूतर वाले कैलेंडर और 43 क्वार्टर शराब भी बरामद किए गए। एएटीएस इंस्पेक्टर रघुवीर सिंह और स्पेशल स्टाफ इंस्पेक्टर रोहित कुमार की पुलिस टीम ने अलग-अलग दो जगह पर छापा मारकर इनको गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विशु खंडेलवाल, शान मोहम्मद, सुमित, राजकुमार, इरफान, वसीम, गुलशन, गुरजीत सिंह, विशाल, जितेंद्र, तरुण कुमार, विजय, राजेंद्र, हरीश, संजय, उदय राज और इंद्रजीत के रूप में हुई है। यह सभी दिल्ली के झरेड़ा गांव, मुस्तफाबाद, बलजीत नगर, नांगलोई, दिलशाद गार्डन, करोल बाग, बापा नगर, संत नगर और उत्तर प्रदेश के बस्ती जिला के रहने वाले हैं। इनके खिलाफ पुलिस ने दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज करके सभी को गिरफ्तार किया है।

सर्जरी आम आदमी पार्टी एक बार फिर सत्ता हासिल करने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली में कैंसर से पीड़ित उज्बेकिस्तान के बच्चे को मिला नया जीवन, सफल रही किडनी ऑटो-ट्रांसप्लांट सर्जरी

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्थित एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने अत्यंत दुर्लभ और जटिल किस्म के पीडियाट्रिक किडनी कैंसर बाइलेट्रल विल्म्स ट्यूमर (नेफ्रोब्लास्टोमा) से पीड़ित उज्बेकिस्तान के छह वर्षीय बच्चे का सफल उपचार किया है। अस्पताल का दावा है कि यह भारत में अपनी तरह का पहला मामला है। डॉक्टर ने बताया कि इस बच्चे को जब अस्पताल लाया गया तो उसकी हालत काफी गंभीर थी और दोनों गुर्दों (किडनी) में ट्यूमर की वजह से उसके जीवन पर खतरा मंडरा रहा था। उज्बेकिस्तान में उसकी कीमोथेरेपी चल रही थी। लेकिन, इसके बावजूद उसके जीवित बचने की संभावना अनिश्चित थी, जिसके चलते उसके पेरेंट्स ने भारत में इलाज करवाने का विकल्प चुना।

सर्जरी करीब आठ घंटे तक चलीः मरीज को इलाज के लिए फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला दिल्ली लाया गया जहां डॉ परेश जैन, डायरेक्टर ऑफ यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट के नेतृत्व में डॉक्टरों की कुशल और विशेषज्ञ टीम ने बेहद नाजुक तथा जटिल किस्म की किडनी ऑटो-ट्रांसप्लांट प्रक्रिया को अंजाम दिया। यह सर्जरी करीब आठ घंटे तक चली और सफल रही, इसके बाद बिना किसी संवेदनशीलता के साथ मरीज की रिकवरी भी शुरू हो गई। इस बच्चे को अस्पताल लाने के बाद जांच करने पर पता चला कि उसके दोनों गुर्दों में ट्यूमर है। लेकिन, बाएं गुर्दे पर कैंसर का ज्यादा असर हुआ था और ट्यूमर को पूरी तरह से निकालते समय गुर्दे को भी नुकसान का जोखिम काफी था। इसके अलावा कैंसर की वजह

से लिंफ नोड्स भी आकार में बढ़ गए थे, जो कि शरीर के इम्यून सिस्टम के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसके मद्देनजर डॉक्टरों ने दाएं गुर्दे के प्रभावित भाग को हटाने के लिए अगस्त 2024 में लैपरोस्कोपिक राइट पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी (नेफ्रोन-स्पेयरिंग सर्जरी एनएसएस) करने का फैसला किया। इस प्रक्रिया के दौरान दाएं भाग के लिंफ नोड्स तथा बाएं भाग के बढ़े हुए लिंफ नोड्स भी सावधानीपूर्वक निकाले गए। बाएं गुर्दे की बायोप्सी भी इसी लैपरोस्कोपिक प्रक्रिया के दौरान की गई ताकि बार-बार सर्जरी करने के जोखिम से बचा जा सके। सर्जरी और कीमोथेरेपी के बाद खत्म हुआ कैंसर सर्जरी के बाद मरीज की उज्बेकिस्तान में कीमोथेरेपी की गई और पिछले साल नवंबर में दोबारा जांच के लिए फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला लाया गया। यहां पीईटी-सीटी स्कैन से दाएं गुर्दे में किसी प्रकार का कैंसर का कोई चिह्न नहीं मिला और बाएं गुर्दे में भी कैंसर में रिग्रेशन दिखायी दिया। इन परिणामों से उत्साहित होकर मेडिकल टीम ने बाएं गुर्दे में शेष बचे ट्यूमर का भी इलाज शुरू किया। लेकिन सर्जरी की इस दूसरी स्टेज में पता चला कि बाएं गुर्दे के ऊपर, पिछले उपचारों और सर्जरी की वजह से टिश्यू की एक मोटी परत जमा हो चुकी थी, जिसकी वजह से गुर्दे के स्वस्थ टिश्यू से इस ट्यूमर को अलग करना काफी मुश्किल था। इस मामले की संवेदनशीलता के मद्देनजर, डॉक्टरों ने मरीज के पेट के निचले भाग में एक मामूली चीरा लगाकर गुर्दे को शरीर से अलग करने (ऑटो किडनी ट्रांसप्लांट) का फैसला किया। बच्चे के पेट के निचले भाग का रीप्लांटः इस प्रक्रिया को अपनाने का फायदा यह हुआ कि ट्यूमर को सुरक्षित और बेहद सटीक तरीके से निकाला जा सका और कैंसर कोशिकाओं को फैलने से भी बचाव हो सका। इस गुर्दे में से बेहद सावधानीपूर्वक ट्यूमर को हटाया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने कुशलतम तरीके से धमनियों और मूत्र नलिका को दोबारा जोड़ा। कैंसर को ट्यूमर से मुक्त करने के बाद इसे वापस बच्चे के पेट के निचले भाग में रीप्लांट किया गया (ऑटो-ट्रांसप्लांटेशन)। इस पूरी प्रक्रिया का परिणाम यह हुआ कि बच्चे की धीरे-धीरे रिकवरी होने लगी और अब स्वास्थ्य लाभ कर रहा है। मामले की जानकारी देते हुए फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल में डायरेक्टर ऑफ यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट डॉ। परेश जैन ने बताया कि यह मेडिकल उपलब्धि वाकई काफी उल्लेखनीय है, क्योंकि अब तक दुनियाभर में इस प्रकार के केवल 16 मामले ही दर्ज किए गए हैं। भारत में इससे पहले ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया था। भारत में विल्म्स ट्यूमर आमतौर पर 3 से 4 वर्ष की उम्र के बच्चों में ही देखा गया है और यह काफी दुर्लभ तथा जटिल होने की वजह से चुनौतीपूर्ण माना जाता रहा है। एडवांस स्टेज में यह और भी जटिल हो जाता है तथा दोनों गुर्दों (बाइलेट्रल/द्विपक्षीय) को भी प्रभावित कर सकता है।

संक्षिप्त खबरें

17 जनवरी को होगा लाभार्थियों का ई-लाटरी के माध्यम से चयन

बदायूँ: 16 जनवरी। उप कृषि निदेशक ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि कृषि यंत्रीकरण की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत 06 दिसम्बर 2024 समय अपरान्ह 3:00 बजे से 20 दिसम्बर 2024 समय रात्रि 12:00 बजे तक यन्त्रों पर अनुदान हेतु ऑन लाईन बुकिंग करने वाले लाभार्थियों का चयन ई-लाटरी के माध्यम से 17 जनवरी 2025 दिन शुक्रवार को पूर्वान्ह 11:00 बजे अटल बिहारी वाजपेयी सभागार कलैक्ट्रेट बदायूँ में जिला स्तरीय गठित समिति के सम्मुख जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया जायेगा।

उन्होंने इस क्रम में ऑन लाईन यन्त्रों की बुकिंग करने वाले किसानों को सूचित किया है कि निर्धारित तिथि व स्थान पर यन्त्रों की ई-लॉटरी प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकते हैं।

05 फरवरी तक ओटीएस योजना का उठा सकते हैं लाभ

बदायूँः। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन रामबचन गुप्ता ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनहित में 06 नवम्बर 2024 को अथवा उसके पूर्व पंजीकृत व्यवसायिक वाहनों पर देय कर पर लागू जुमार्ना (शास्ति) को समाप्त करने हेतु एक मुश्त समाधान योजना(ओटीएस) लागू की गयी है। यह सुविधा 06 नवम्बर 2024 से तीन माह के अन्दर 05 फरवरी 2025 तक लागू है, जिसमें आवेदक परिवहन कार्यालय में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन)/ कराधान अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र के साथ 7500 कि0ग्रा0 तक के वाहन हेतु रू0-200/- तथा उससे अधिक भारी वाहन हेतु रू0-500/- शुल्क जमा करना होगा।

महाकुंभ क्षेत्र में मोबाइल डिस्चार्ज होने के बाद भी बाधित नहीं होगी सर्विस

महाकुंभ नगर । प्रयागराज महाकुंभ में आस्था का जनसैलाब उमड़ रहा है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के स्नान पर्व पर पुण्य की डुबकी लगाने के लिए करोड़ों की संख्या में लोग महाकुंभ क्षेत्र में आए, उसमें बहुत से लोग मोबाइल डिस्चार्ज होने की वजह से कनेक्टिविटी का लाभ नहीं ले सके। लेकिन, अब इस समस्या का भी विकल्प खोज लिया गया है। इसके लिए मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर मोबाइल चार्जिंग मशीन लगाई गई हैं, जहां पावर बैंक की सुविधा मिलेगी।

महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन के दौरान मोबाइल चार्जिंग सुविधाओं की पहुंच महत्वपूर्ण हो जाती है। इसे समझते हुए सर्विस प्रोवाइडर ए 3 चार्ज एवं एंजेललाइफ ने मोबाइल चार्जिंग मशीनों को प्रयागराज में लगाया है, जहां उच्च क्षमता के पावर बैंक विजिटर्स लेकर अपने परिजनों और जानने वालों से जुड़े रह सकते हैं। श्रृद्धालुओं और पर्यटकों के भीड़भाड़ वाले स्थानों में महाकुंभ क्षेत्र के अंदर और बाहर मशीनें लगाई गई हैं। एंजेल लाइफ कंपनी के सीईओ डॉ. शशांक खरबंदा का कहना है कि महाकुंभ क्षेत्र में 21 स्थानों पर फिलहाल सुविधा उपलब्ध होनी है, जिसमें अभी तक 14 स्थानों में ए3 चार्जिंग सेंटर हैं। मशीनों का इंस्टॉलेशन यहां हो चुका है। इसमें 7 महाकुंभ क्षेत्र और 7 महाकुंभ क्षेत्र के बाहर शहर में लगाए गए। शहर में जिन स्थानों पर सेंटर खुल गए हैं, उनमें होटल सम्राट सिविल लाइंस, वीरेंद्र हॉस्पिटल सिविल लाइंस, रेल कोच रेस्टोरेंट सिविल लाइंस, कैफे मीकाया सिविल लाइंस, 32 पर्ल डेंटल क्लीनिक अशोक नगर और उमा शिव रेस्टोरेंट शामिल हैं।

25 जनवरी दोपहर 12 बजे तक कर सकते हैं आवेदन

प्रातः किरण संवाददाता

बदायूँ: उप कृषि निदेशक ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि कृषक उत्पादक संगठन (एफ0पी0ओ0) एवं उनके दो सहायक सदस्यों को कृषि यन्त्रों पर अनुदान देने के उद्देश्य से दिनांक 02 जनवरी -2025 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय समिति की आहूत बैठक निरस्त होने पर पुनः एफ0पी0ओ0 एग्रीगेटर एवं उसके सदस्यों को रोजगार के अवसर प्रदान हो सके। अतः योजनान्तर्गत कृषि विभाग की ओर से अनुदान पर कृषि यन्त्र उपलब्ध कराये जायेंगे जिसकी नियम व शर्तें यह हैं कि एफ0पी0ओ0 एवं उनके सदस्यों का चयन जिलाधिकारी बदायूँ की अध्यक्षता में गठित समिति के समक्ष किया जायेगा। एफ0पी0ओ0 एवं उनके सदस्यों को प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन फॉर इनसीटू मैनेजमैन्ट आफ क्रॉप रेज्डयू योजना के तहत एग्रीगेटर के रूप में चयन किया जायेगा जो एफ0पी0ओ0 पूर्व में कस्टम हायरिंग सेन्टर एवं फार्म मशीनरी बैंक का लाभ प्राप्त कर चुके हैं वह एफ0पी0ओ0 पात्र नहीं होंगे। सी0बी0जी0प्लान्ट या बायोमास यूनिट से पराली एकत्र एवं क्रय करने का एम0ओ0यू0 होने पर ही एफ0पी0ओ0 पात्र होगा। कृषि यन्त्रों /फार्म मशीनरी बैंक के लक्ष्यों के सापेक्ष 100 प्रतिशत तक लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। कृषक उत्पादक संगठन (एफ0पी0ओ0) के चयन एफ0पी0ओ0 का वार्षिक टर्न ओवर ,शेयर होल्डर की संख्या ,नियमित रूप से दाखिल वार्षिक रूप से रिटर्न एवं भारत सरकार /कम्पनी रजिस्ट्रार के यहाँ से प्रतिबंधित न किया गया हो, को चयन में वरीयता दी जायेगी। एफ0पी0ओ0 कम से कम 01 वर्ष पुराना एवं लाभ अर्जित कर रहा हो। एफ0पी0ओ0 द्वारा ४स्राास्त्रङ्गॅ३्डे पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है। चयन होने के उपरान्त एफ0पी0ओ0 एवं उनके सहायक सदस्यों को यन्त्र क्रय करने हेतु एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रेक्सचर फण्ड के अन्तर्गत ऋण लेना अनिवार्य होगा, अनुदान का भुगतान एफ0पी0ओ0 एवं एफ0पी0ओ0 के कृषक सदस्य के बैंक शाखा को भारत सरकार के क्रेडिट लिंक बैंक इण्डेड सब्सिडी के अनुसार क्रियान्वित करने के लिये स्थानान्तिरित की जायेगी। उक्त लाभार्थी एफ0पी0ओ0/कृषक सदस्य को कम से कम 10 प्रतिशत की धनराशि स्वयं वहन करनी होगी। एफ0पी0ओ0 को कृषि यन्त्र खरीदने की परियोजना 30 लाख का 80 प्रतिशत अनुदान रू0-24 लाख मात्र जो भी कम हो एवं एफ0पी0ओ0 के दो सहायक सदस्यों को कृषि यन्त्र क्रय करने की परियोजना लागत रू0-10 लाख पर 40 प्रतिशत अनुदान रू0-4 लाख जो भी कम हो अनुदान दिया जायेगा। कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना लागत 30 लाख) पर लाभ प्राप्त एफ0पी0ओ0के निदेशकों एवं निदेशकों के रक्त सम्बन्धी को एस0एम0ए0एम0 योजना के कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना लागत 10लाख)का लाभ देय नहीं होगा। एस0एम0ए0एम0 योजना के कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना लागत 10लाख) पर लाभ प्राप्त एफ0पी0ओ0 के कृषक सदस्य भी भिन्न-भिन्न रक्त सम्बन्धी होंगे। एफ0पी0ओ0 एवं उनके सदस्य कृषक जो कि एग्रीगेटर के रूप में चयनित होंगे, यन्त्र क्रय करते समय एफ0पी0ओ0 /सदस्य कृषक के स्वंय के खाते से विक्रेता फर्म को कम से कम 20 प्रतिशत धनराशि का भुगतान करना अनिवार्य होगा जिसकी सत्यापन के समय पुष्टि की जायेगी। पात्रता की अन्य शर्तें शासनादेश में निहित व्यवस्थाओं के अनुरूप की जायेंगी। इच्छुक एफ0पी0ओ0 एवं उनके सहयोगी सदस्य अपने आवेदन/प्रस्ताव पुनः कार्यालय उप कृषि निदेशक, बदायूँ के यहाँ 25 जनवरी 2025 समय दोपहर 12:00 बजे तक जमा कर सकते हैं उसके बाद प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जायेगा। चयन के समय ४स्राास्त्रङ्गॅ३्डे पोर्टल पर 25 जनवरी 2025 की अद्यतन स्थिति के अनुसार ही समिति द्वारा निर्णय किया जायेगा।

विदेश से थाने में भेजी ई-मेल, बोले- तलाक हो गया; महिला आयोग ने किया इनकार

प्रातः किरण संवाददाता

कैथल। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और गायक रॉकी मित्तल पर लगे दुष्कर्म के मामले में अभी तक उनके पास कोई शिकायत नहीं आई है। शिकायतकर्ता की सहेली ने भी अभी तक आयोग को अप्रोच नहीं किया है। युवती की तरफ से अगर कोई शिकायत आती है तो उसे पर संज्ञान लिया जाएगा। इस मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भाटिया वीरवार को जिला परिषद भवन के सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं।

रिपोर्ट के बाद होगी आगे की कार्रवाई जींद जिला के एसपी रहे सुमित कुमार पर यौन शोषण के आरोपों की जांच को लेकर महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि इस मामले में जांच पूरी हो चुकी है और जांच रिपोर्ट डीजीपी के पास पहुंच गई है। आयोग को अभी तक यह रिपोर्ट नहीं मिली है। आयोग ने पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलने के बाद इस मामले में आगामी कार्रवाई का फैसला लिया जाएगा। बता दें कि आईपीएस अधिकारी सुमित कुमार पर महिला पुलिस कर्मियों ने यौन शोषण का आरोप को लेकर एक पत्र इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद इस मामले की जांच सरकार द्वारा फतेहाबाद एसपी आस्था मोदी को सौंपी थी। एसपी आस्था मोदी ने 19 महिला पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए थे। आठ जिलों के 25 केसों की सुनवाई की

हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने वीरवार को जिला परिषद कार्यालय परिषद में महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित करीब 25 केसों की सुनवाई की।

इन केसों में कैथल जिला सहित गुरुग्राम, रोहतक, करनाल, फतेहाबाद सहित आठ जिलों से संबंधित केस थे। इनमें से करीब पांच से छह केस ऐसे थे, जिनका निपटारा हो चुका है और दोनों पक्ष इसे लेकर सहमत हैं।

वहीं कुछ अन्य केसों में आयोग ने सुनवाई कर पुलिस को कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। बता दें कि हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया का पहला कार्यकाल समाप्त होने के बाद उनका दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ है। अपने दूसरे कार्यकाल के पहले दिन वीरवार को वह कैथल में पहुंची थी।

जर्मनी से पुलिस थाने में भेजी ई-मेल, बोले- हमारा तलाक हो गया

रेनू भाटिया ने जर्मनी में रहने वाले पति-पत्नी द्वारा तलाक लेने के बारे में मामले की सुनवाई की। उन्होंने इस मामले को लेकर मोबाइल फोन पर लड़की के पिता से बातचीत की। पिता ने बताया कि दोनों ने तलाक ले लिया है और शादी में खर्च हुए पांच लाख रुपये लड़का पक्ष को देने हैं।

चेयरपर्सन ने कहा कि लड़का व लड़की ने पुलिस थाना में ई-मेल भेजकर तलाक की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि क्या ई-मेल भेजकर तलाक हो जाता है? ऐसा नहीं हो सकता? शादी हिंदू रीति रिवाजों से भारत में हुई तो यहां के कानून के अनुसार ही तलाश की प्रक्रिया होगी।

इसके बाद ही कानूनी रूप से तलाक होना माना जाएगा या फिर वहां के वकील की तरफ से कोई कोर्ट के कागजात हों, जो देखने के बाद आयोग फैसला लेगा। दूतावास के माध्यम से यह जानकारी मिली है कि दोनों अलग रहते हैं। इस मामले को लेकर 15 दिनों के बाद दोबारा से सुनवाई होगी।

महिलाओं से जुड़ 6 हजार मामले सामने आए उभाटिया ने बताया कि आयोग के पास पिछले तीन वर्षों में महिलाओं से जुड़े हुए छह हजार मामले आए हैं। इनमें कई मामले ऐसे भी थे, जो सात से आठ साल पुराने थे। आयोग ने इनमें से 5700 मामलों का निपटारा कर दिया है। शेष मामलों में या तो जमीन से जुड़े हुए थे या अन्य विवाद थे, जिन्हें कोर्ट और पुलिस के पास भेज दिया गया।

बेरोजगारों को स्वरोजगार का प्रशिक्षण दे रूडसेट: हितेश कुमार मीणा

रूडसेट की जिला स्तरीय परामर्श समिति की 139वीं बैठक में दिए निर्देश

गुरुग्राम। ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (रूडसेट) की जिला स्तरीय रूडसेटी परामर्श समिति की 139वीं बैठक एडीसी हितेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। एडीसी ने विकास सदन में आयोजित उपरोक्त बैठक की अध्यक्षता करते हुए युवाओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में प्रशिक्षित करने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने संस्थान प्रबंधन को निर्देश दिए कि वह पात्र युवाओं को समय पर सभी प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी उपलब्ध कराए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को इसका लाभ मिल सके। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि रूडसेट स्वरोजगार के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक अग्रणी और प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। संस्थान द्वारा विभिन्न ट्रेडों में निशुल्क रोजगार संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसका लाभ युवा वर्ग को उठाना चाहिए। एडीसी ने बैठक में उपस्थित एलडीएम को निर्देश दिए कि वे प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण प्रदान करने में उदारता और सरलता बरतें। इसके साथ ही, उन्होंने विभागीय अधिकारियों से भी सहयोग देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत आमजन को मार्किट की डिमांड के अनुरूप प्रशिक्षण कोर्सिज करवाए जाते हैं, ऐसे में जरूरी है कि लोगों तक ना केवल इन कोर्सिज के बारे में जानकारी पहुंचाई जाए, बल्कि जो लोग ये कोर्स करके इन क्षेत्रों में सफल उद्यमी बनकर उभरे हैं उनकी सफलता की कहानी भी लोगों से सांझा की जाए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी जल्द ही ऐसे सफल उद्यमियों के यहां विजिट कर उनके अनुभवों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

बैठक में रूडसेट संस्थान गुरुग्राम के निदेशक निर्मल यादव ने बताया कि मौजूदा वित्त वर्ष में अभी तक कुल 27 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 778 लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही में 74 उद्यमी जागरुकता व छह सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस अवधि में 10 कार्यक्रम के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को प्रशिक्षित कर 562 का स्वरोजगार स्थापित करवाया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी वित्त वर्ष में 30 कार्यक्रम के माध्यम से 850 पात्र लाभार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक अशोक कुमार जुलाहा, नाबार्ड से एजीएम विनय कुमार त्रिपाठी, एमएसएमई गुरुग्राम से कैलाश चंद्र, किसान विज्ञान केंद्र शिकोहपुर की प्रमुख डॉ. अनामिका सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

गुरुग्राम नगर निगम ने सेक्टर-56 मार्केट में चलाया जागरुकता अभियान

गुरुग्राम। गुरुग्राम नगर निगम ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत सेक्टर-56 मार्केट में एक विशेष अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य कचरे के स्रोत पर पृथक्करण को बढ़ावा देना, सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करना और डस्टबिन के सही उपयोग के महत्व को समझाना था।

नगर निगम आयुक्त अशोक कुमार गर्ग और संयुक्त आयुक्त अखिलेश कुमार यादव के नेतृत्व में इस पहल को प्रभावी ढंग से संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 विक्रेताओं ने हिस्सा लिया और आईसीयूसी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विशेषज्ञों ने जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकताओं ने विक्रेताओं और स्थानीय नागरिकों को सिंगल-यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। अभियान में पर्यावरण-अनुकूल बैग के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया और सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग करते पाए जाने पर जुमार्ने की चेतावनी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बाजार में आकर्षक बैनर और पोस्टर लगाए गए।

ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिंदुस्तानी के नेतृत्व में विक्रेताओं और नागरिकों ने तख्तियों और नारों के माध्यम से पर्यावरण-संरक्षण का संदेश दिया। विक्रेताओं को कपड़े के थैले भी वितरित किए गए। सरकार के निर्देशों के अनुसार नगर निगम का यह अभियान स्वच्छता, कचरे के प्रबंधन और प्लास्टिक उन्मूलन को लेकर जनता में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास है। एमसीजी के अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार के प्रयास गुरुग्राम को एक आदर्श स्वच्छ और हरित शहर बनाने में सहायक होंगे। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

गुरुग्राम: नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कठोर कारावास की सजा

- अदालत ने दोषी पर जुमार्ना भी लगाया

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। 13 साल की नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को यहां की एक अदालत ने दोषी ठहराया है। अदालत की ओर से उसे 20 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर 40 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया गया है। गुरुवार को पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छह दिसंबर 2021 की इस घटना में पुलिस ने अदालत में पुख्ता सबूत व गवाह पेश किए और आरोपियों को सजा दिलाई है। पुलिस के अनुसार छह दिसंबर 2021 को थाना बादशाहपुर जिला गुरुग्राम में एक शिकायत दी गई थी कि 13 वर्षीय नाबालिग लडकी को बहला-फुसलाकर ले जाया गया। उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत पर थाना बादशाहपुर, गुरुग्राम में आईपीसी व पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया। गुरुग्राम पुलिस द्वारा इस केस में एक आरोपी राम कृपाल निवासी गांव बारामाउं जिला कानपुर शहर (उत्तर-प्रदेश) को काबू किया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने उपरान्त अभियोग का अनुसन्धान गहनता से करते हुए आरोपी के खिलाफ सभी आवश्यक साक्ष्य व गवाह एकत्रित करके अदालत में पेश किए गए। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि गुरुग्राम पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल की गई चार्जशीट व पुलिस द्वारा एकत्रित किए गए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर 14 जनवरी को एडिशनल सेशन जज अश्वनी कुमार की अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। उसे पोक्सो एक्ट के तहत 20 वर्ष की कैद (कठोर कारावास) की सजा व 40 हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया है।

योगी सरकार संचालित राजकीय छात्रावास गरीब और वंचितों के लिए बना वरदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास सुविधाएं शिक्षा के क्षेत्र में वरदान साबित हो रही हैं। अपने घरों से दूर रहकर शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों की आवासीय समस्याओं को दूर करने के लिए योगी सरकार समाज कल्याण विभाग के माध्यम से छात्रावासों का निर्माण और संचालन कर रही है। इन छात्रावासों में न केवल निःशुल्क आवास की सुविधा दी जा रही है, बल्कि फर्नीचर, खेल सामग्री और विद्युत जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश में सरकार 261 छात्रावासों का संचालन कर रही है, जिनमें 178 छात्रावास बालकों के लिए और 83 बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं। इन छात्रावासों में निःशुल्क सुविधाओं का लाभ पाकर हजारों विद्यार्थी अपने भविष्य को संवारने की ओर अग्रसर हैं। यह पहल वंचित और गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है। योगी सरकार छात्र-छात्राओं की सुविधा और छात्रावासों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इन छात्रावासों में आधुनिक सुविधाएं जैसे मेस, शौचालय और खेलकूद की सुविधाएं मानक स्तर पर दी जा रही हैं। साथ ही, अन्य राज्यों के मापदंडों का अध्ययन कर इन छात्रावासों को मॉडल छात्रावास के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में छात्रावासों के सुदृढ़ीकरण के लिए 125 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह धनराशि छात्रावासों के ढांचे के आधुनिकीकरण और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में उपयोग की जाएगी। समाज कल्याण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन छात्रावासों से 8,000 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। इनके संचालन पर अब तक सरकार लगभग 25 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। पिछली वित्तीय वर्षों में भी सरकार ने विद्यार्थियों की जरूरतों को प्राथमिकता दी है। वर्ष 2022-23 में 9,000 विद्यार्थियों के लिए करीब 27 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि 2023-24 में 8,500 विद्यार्थियों पर यह आंकड़ा 38 करोड़ रुपये से अधिक था। योगी सरकार की यह पहल वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का नया द्वार खोल रही है। छात्रों को न केवल शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिल रहा है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो रहे हैं। छात्रावासों में दी जा रही ये सुविधाएं शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा दे रही हैं और सामाजिक समरसता के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रही हैं।

हाथरस: कृषि विभाग ने अवैध खाद फैक्ट्री पर की छापेमारी, मौके पर मची भगदड़

हाथरस। उत्तर प्रदेश में हाथरस के सासनी कोतवाली क्षेत्र के सांदलपुर गांव में कृषि विभाग ने पुलिस को साथ लेकर खाद बनाने की अवैध फैक्ट्री पर छापा मारा। जिस समय ये कार्रवाई की गई उस दौरान करीब तीन ट्रकों में माल बिना मार्का के कट्टों में भरकर भेजने की तैयारी की जा रही थी। टीम के पहुंचते ही मौके पर भगदड़ मच गई। अधिकारियों के अनुसार, मशीनें व करीब दो हजार कट्टे डीएपी, यूरिया और पोटाश के बरामद किए गए हैं। फैक्ट्री में खुले में डीएपी पड़ा हुआ था। लगभग 400 कट्टे डीएपी के पैक हो चुके थे। ट्रकों में भी डीएपी लदा हुआ था। एक तरफ यूरिया का पाउडर बनाया जा रहा था। यूरिया पाउडर बनाने के लिए मशीनें लगी हुई थीं। विभाग की टीम ने यूरिया, डीएपी और पोटाश के करीब दो हजार कट्टों को पांच ट्रकों में भरवा लिया।

विधान से ही है सभी समस्याओं का समाधान-अपर जिला जज

प्रातः किरण संवाददाता

बदायूँः । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त तत्वाधान में एवं उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशानुक्रम में माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के निदेशानुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा गुरुवार को महिलाओं के हितार्थ विधिक जागरूकता कार्यकम विधान से समाधान के अन्तर्गत विधिक साक्षरता/ जागरूकता शिविर का आयोजन ब्लाक- उझानी, जनपद बदायूं में आयोजित किया गया।

शिविर का शुभारम्भ अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं शिव कुमारी, की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में थानाध्यक्ष महिला थाना जनपद बदायूं, पूनम सिंह द्वारा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया कि महिलाओं महिलाओं को झांसी की रानी की तरह रहना चाहिए एवं बेटियो को पढ़ाना-लिखाना चाहिए बेटियों को चांद नही सूरज की तरह चमकाना बाहिए अपितु बेटिया 2-2 घरों को रोशन करती हैं के वारे में विस्तार पूर्वक जानकारी जानकारी प्रदान की गयी। एल०ए०डी०सी०एस०/ जि०वि० से०प्रा०, बदायूं, की असिस्टेन्ट, कशिश सक्सेना, द्वारा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं के विधिक अधिकारों से सम्बन्धित एवं 3 नये कानूनों के बारे में एवं धारा-12 के चारे में महिलाओं को घरेलू हिंसा से सम्बन्धित व एस०सी०/एस०टी० एवं किसी भी जाति की महिला एवं बच्चों आदि कैटागिरी जो पात्रता की श्रेणी में आते हैं उनको नि शुल्क अधिवक्ता भी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं से दिये जाते हैं साथ ही नालरा स्कीम व महिलाओं के साथ हो रहे विभिन्न प्रकार के अत्याचार से सम्बन्धित भी विस्तार पूर्वक जानकरी प्रदान की गयी। सहायक विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण विभाग, बदायूं, नीरज सागर, द्वारा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को सरकार द्वारा चलायी जा रहीं विभिन्न प्रकार की योजनाओं व विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेशन, मुख्यमन्त्री विवाह योजना से सम्बन्धित विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। प्रभारी अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उझानी, बदायूँ, डा० राजकुमार गंगवार द्वारा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को जागरूक करी हुए एंबुलेंस के लिए टोल फ्री नम्बर 108 है इस नम्बर पर आपातकालीन स्थिति में धौबीसों घंटे नि शुल्क सहायता का लाभ प्राप्त कर सकते हैं, एवं 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों आदि के लिए भी नि शुल्क एंबुलेंस की सुचिबधा उपलब्ध है।

उक्त शिविर के अन्त में अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं शिव कुमारी द्वारा अपने वक्तव्य में बताया कि उक्त विधिक जागरूकता कार्यकम ष्विधान से समाधान के अन्तर्गत महिलाओं की शिकायतों के समाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सेवायें प्रदान की जाती है, यदि किसी प्रकार महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन होता है तो वह अपने शिकायती प्रार्थना-पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं एवं सम्बन्धित थाना में निःसंकोच केस दर्ज करा सकती हैं, महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे एसिड हमला, बलात्कार, अपहरण, दहेज उत्पीडन, एवं यौन उत्पीडन के सम्बन्ध घ में विस्तार पूर्वक बताया इसके अतिरिक्त केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ आप जब ले सकते हैं जब आप जागरूक एवं शिक्षित होगें यदि कोई आपको मानसिक व भावनात्मक रूप से भी प्रताडित करता है तो उसे भी घरेलू हिंसा के अन्तर्गत आता है और इसके लिए कानून में घरेलू हिंसा अधिनियम के रूप में उल्लेखित है एवं दिनांक 08.03.2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह समझौते के आधार पर अपने वादों का निस्तारण करा सकते हैं, तथा सूक्ष्म एवं लघु प्रकृति के वादों को सम्बन्धित न्यायालय के निदेशानुक्रम में जनपद न्यायालय परिसर में मध्यस्थता केन्द्र खुला हुआ है। उक्त मध्यस्थता केन्द्र के सदस्यों / अधिवक्ताओं द्वारा दोनों पक्षों को बिठाकर समझौता कराया जाता है। इसी कम में बताया कि महिलाओं के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान अति आवश्यक है। उक्त कार्यक्रम का संचालन, रिसोर्स संरक्षण अधिकारी रवि कुमार द्वारा किया गया साथ ही सरकार द्वारा चलायी जा रहीं विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में, खण्ड विकास अधिकारी, उझानी, बदायूं, सर्वज्ञ अग्रवाल, ब्लाक प्रमुख, उझानी बदायूं, शिशुपाल सिंह शाक्य, जिला डी०एल०एस०एस०, बदायूं के तृतीय श्रेणी देवेन्द्र कुमार, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, संजीव कुमार एवं पराविधिक स्वयं सेवकगण, कार्यालय, खण्ड विकास, अधिकारी, उझानी का समस्त स्टाफ स्वंय प्रकाश गुप्ता, रजनीश कुमार, मोहिनी, विनोद कुमार, मंयक प्रसार, परितोष, रजनीश कुमार, सुनीता यादव, कु० शाम्भवी उपाध्याय, रेखा देवी, बबीता कुमारी, शाहबुद्दीन अहमद, नीरज कुमार सिंह, अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे। इसके उपरान्त शिविर के अध्यक्ष की अनुमति से उक्त शिविर का समापन किया गया।

कार्यशाला का आयोजन कर विस्तार से दी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से लगेंगे युवाओं के सपनों को पंख
- युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने का अवसर
- बदायूं का युवा बनेगा रोजगार देने वाला

बदायूँः कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेई सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के बारे में जनपद के अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करने वाले इच्छुक युवा व युवतियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, बैंक अधिकारियों को विस्तार से जानकारी देने हेतु मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन कर किया गया।

प्रभारी जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि योजना के सफलतापूर्वक संपादित होने पर बदायूं के युवा रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का हर कदम उद्यमिता की ओर तथा हर युवा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को भी मिल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा योजना विकास अभियान अंतर्गत हर वर्ष 01 लाख तथा 10 वर्षों में 10 लाख युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। योजना अंतर्गत रुपए 5 लाख तक का शत प्रतिशत ब्याज मुक्त ऋण बिना गारंटी के वित्त पोषण की तिथि से आगामी चार वर्षों के लिए दिया जाएगा। योजना अंतर्गत उद्योग व सेवा परियोजनाओं को लगाया जा सकता है।

उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा योजना विकास अभियान अंतर्गत परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान भी उपलब्ध कराया जाएगा। सामान्य वर्ग के लाभार्थी को परियोजना लागत का 15 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थी को 12.5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति, जनजाति व दिव्यांग जन के लाभार्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा।

उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत उत्तर प्रदेश के ऐसे युवा व युवती जो अपने स्वयं का उद्यम लगाने के इच्छुक हो तथा जिनकी आयु 21 वर्ष से 40 वर्ष की है तथा वह आठवीं कक्षा तक पास है। साथ ही मान्यता प्राप्त संस्थान से कौशल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी उनके पास होना चाहिए। योजना के लाभ के लिए ऑनलाइन आवेदन हेतु वेबसाइट ँ३३स्र२://रें.४स्र.ङ्ग५.ल्ल है। योजना सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित है।

समाधान समिति के दिल्ली से आए प्रतिनिधि जयप्रकाश व लखनऊ से आए प्रतिनिधि दीपांकर ने पीपीटी के माध्यम से विस्तार से योजना के प्रत्येक बिंदुओं व पहलुओं पर जानकारी दी तथा अपना उद्यम लगाने वाले युवा और युवतियो की जिज्ञासाओं का विस्तार से उत्तर देकर उन्हें शांत भी किया। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार उपाध्याय, आईटीआई के प्रधानाचार्य एस0के0 वार्ष्णेय सहित अन्य विभागीय अधिकारी, बैंक के प्रतिनिधि, युवक व युवतियां मौजूद रहे।

राहुल का ऐलान, भाजपा परेशान

दो-दो यात्राओं और लगातार लोगों से मिल कर राहुल ने यह पाया कि आम हिंदुस्तानी नफरत नहीं प्यार से ही रहना चाहता है। उसकी चिंताएं अच्छे रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की है। आजाद भारत का नागरिक हर हाल में अपनी आजादी और उस संविधान को बचाकर रखना चाहता है, जिसके कारण उसे बराबरी का हक मिला, अपनी मर्जी की सरकार चुनने की आजादी मिली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक बयान से भाजपा को उन पर और उनके बहाने कांग्रेस पर और कांग्रेस के बहाने देश की उदार, लोकतांत्रिक विरासत पर हमला करने का नया अवसर मिला। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया, राहुल गांधी का संबंध नक्सलियों से जोड़ा और साथ ही कांग्रेस की विचारधारा को घिनौनी तक बता दिया। गौरतलब है कि बुधवार को नयी दिल्ली में 9 ए कोटला मार्ग पर कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन हुआ। अब तक कांग्रेस का मुख्यालय 24 अकबर रोड पर था। 15 साल पहले 2009 में कांग्रेस ने इस नए भवन की आधारशिला रखी थी और 15 जनवरी 2025 में इसका उद्घाटन हुआ। कांग्रेस एक भवन से निकल कर दूसरे भवन में अपने कार्यालय को लेकर गई, लेकिन यह केवल कार्यालय का स्थानांतरण नहीं था, बल्कि कांग्रेस के तौर-तरीकों में स्थानांतरण का संकेत इस उद्घाटन के मौके पर दिया गया। राहुल गांधी का भाषण इसी का प्रमाण था। राहुल गांधी अपने राजनैतिक जीवन की शुरूआत से भाजपा, संघ और संविधान विरोधी तमाम शक्तियों के खिलाफ संघर्ष का ऐलान करते आए हैं। जब यूपीए सत्ता में थी, तब भी और जब एनडीए सत्ता में आई, तब भी राहुल गांधी ने हमेशा देश में हाशिए पर खड़े लोगों के हक में आवाज बुलंद की। जब मोदी शासन में लोकतंत्र और संविधान को धता बताते हुए सांगठनिक तरीके से अल्पसंख्यकों, दलितों, किसानों, मजदूरों, स्त्रियों पर हमले शुरू हुए और नफरत का माहौल बढ़ने लगा, तो राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली और पैदल ही कन्याकुमारी से कश्मीर तक का सफर तय किया। जब उन्हें लगा कि एक यात्रा काफी नहीं है और न्याय की लड़ाई लंबी है, तो दूसरी भारत जोड़ो यात्रा निकाली, इसमें न्याय का परचम लेकर राहुल निकले और इस बार मणिपुर से मुंबई तक का सफर तय किया, कुछ पैदल कुछ वाहन में। इन दोनों यात्राओं के बीच में और अब भी राहुल उन लोगों के बीच कभी भी पहुंच जाते हैं, जिनसे हिंदुस्तान बनता है। इन लोगों में कभी किसान होते हैं, कभी पहलवान, कभी मोची, तो कभी गिग वर्कर्स। ऐसा नहीं है कि जिन लोगों से राहुल मिलते हैं, उनकी बातें सुनते हैं, उनके साथ खाना खाते या चाय पीते घर-परिवार, व्यापार, पढ़ाई की बातें करते हैं, वे सब कांग्रेस के मतदाता होते हैं। अगर ऐसा होता तो कांग्रेस को इतनी बार, इतने राज्यों में हार का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन फिर भी राहुल आम भारतीयों से मिलते हैं, ताकि भारत के बारे में उनकी समझ और मजबूत हो और इसके साथ ही वे यह टटोल सकें कि क्या वाकई भारत ऐसा है, जिसमें घर में रखे गौ मांस के शक में किसी को पीट-पीट कर मार दिया जाता है, जहां जबरन जय श्री राम के नारे लगवाकर आतंकित करने की कोशिश होती है, जहां दलितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों का उत्पीड़न जाति और धर्म के आधार पर होता है। दो-दो यात्राओं और लगातार लोगों से मिल कर राहुल ने यह पाया कि आम हिंदुस्तानी नफरत नहीं प्यार से ही रहना चाहता है। उसकी चिंताएं अच्छे रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की है। आजाद भारत का नागरिक हर हाल में अपनी आजादी और उस संविधान को बचाकर रखना चाहता है, जिसके कारण उसे बराबरी का हक मिला, अपनी मर्जी की सरकार चुनने की आजादी मिली। लोकसभा चुनावों में जब इसी संविधान को खत्म करने की बात भाजपा प्रत्याशियों ने की तो कांग्रेस ने, इंडिया गठबंधन ने इस बात को जनता तक पहुंचाया और नतीजा ये हुआ कि लोकसभा में भाजपा की सीटें कम हो गईं, उसे पूर्ण बहुमत नहीं मिला। इसका मतलब यह कि राहुल गांधी जब नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान लगाने की बात करते हैं तो लोग उसे सुन रहे हैं, समझ रहे हैं। लेकिन संघ प्रमुख मोहन भागवत के विचार आजादी और संविधान को लेकर अलग ही हैं। मोहन भागवत ने कहा है कि जिस दिन राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई, उसी दिन भारत को सच्ची आजादी मिली। उन्होंने संविधान को लेकर भी कहा कि ह्य15 अगस्त, 1947 को भारत को अंग्रेजों से राजनीतिक आजादी मिलने के बाद, देश से निकले उस खास नजरिये के दिखाए रास्ते के अनुसार एक लिखित संविधान बनाया गया, लेकिन दस्तावेज के अनुसार नहीं चलाया गया।

देश के बनावटी इतिहास लेखन की संघ की कोशिश

व्हाट्सप्प यूनिवर्सिटी में यूं तो विगत दस सालों से देश की आजादी संघर्ष को धूमिल करने की कोशिश होती या रही हैं। परंतु तब लगता था कि यह कथन कुछ आती उत्साही दिग्भ्रमित और काम पड़े लिखे या यूं कहे कि स्व के विचार से शून्य युवकों और सरकारी नौकरी से पेंशन ले रहे लोगों की भीड़ ही इस काम में लगी हुई हैं। परंतु जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने दो अवसरों पर अत्यंत आपतिजनक बयान देकर यह सिद्ध कर दिया कि अफवाहों का श्रोत कहां हैं। उनका यह कथन कि देश को सच्ची आजादी राम मंदिर के उद्घाटन के समय मिली नितांत असत्य है (झूठ लिखना असंसदीय हैं)। अगर बात करे उनसे पूर्व के संघ प्रमुखों की, तो उन लोगों ने भी कभ आजादी के बारे में ऐसे निंदनीय बयान नहीं दिए। बहुत कुछ गुरु गोलवलकर जी की किताब में लिखे हुए से असहमत हुआ जा सकता है परंतु उन्होंने कहीं भी यह नहीं कहा कि 15 अगस्त को ब्रिटिश शासन से मुक्ति आजादी वास्तविक नहीं हैं। यहां तक कि सावरकर ने भी आजादी की अहिंसात्मक लड़ाई और स्वतंत्रता प्राप्ति को निरर्थक बताया हो, परंतु भागवत जी ने तो उन सभी मनीषियों को पीछे छोड़ते हुए बीजेपी के कतिपय अति उत्साही वीरों के सुर से सुर मिलते हुए। यह सिद्ध कर दिया की देश में आजादी के बाद का समय जैसे था ही नहीं! देश में जो कुछ भी हुआ वह सब 26 मई 2014 के बाद ही हुआ। देश के इतिहास मे ना तो उनके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों और खास कर कांग्रेस शासनकाल और अन्य सरकारों प्रधानमंत्रियों का कोई योगदान रहा ही नहीं, बल्कि भिलाई जैसे स्टील कारखाने आईआईटी आईआईएम एम्स आदि की स्थापना आकाशी दे हैं। अब भारत के स्वतंत्रता संग्राम और उसमें महात्मा गांधी के योगदान को मिटाने की यह निंदनीय कोशिश कभी भी सफल नहीं होगी, भागवत जी। कुछ ऐसे ही वचन संघ के प्रदेश प्रभारी ने ज्ञानोदय विद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि केवल मोदी सरकार ने ही संविधान और बाबा साहब अंबेडकर की सिफारिशों को पूरी तरह से पालन किया। कॉंग्रेस और अन्य दलों की सरकारों ने देश के विकास मैं कोई योगदान नहीं था बल्कि वे संविधान विरोधी थे। अब इसको तो सरकार के गजट भी नहीं सिद्ध कर सकते। क्यूंकि देश के सटीक कारखाने भिलाई दुगार्पुर और बोकारो तथा भाखरा नांगल और हीराकुड जैसे बांधों और उनकी सिंचाई व्यवस्था और पनबिजली उत्पादन का काम तो नरेंद्र मोदी के राजनीति में आने से पूर्व हुआ था। एक और बयान जो कि काफी विवादास्पद है वह मोहन भागवत जी ने इंदौर मे देवी अहिल्या के स्मरण उत्सव मे दिया था। उन्होंने कह था कि देश की रोजी झ रोटी का रास्ता राम मंदिर होकर जाता हैं। अब या तो उन्हे देश में युवकों में बेकारी की बड़ती संख्या का अनुमान नहीं है अथवा वे जानबूझ कर सत्य को छुपाना चाहते हैं। पं. जवाहर लाल नेहरू द्वारा स्थापित किए गए आईआईटी को देश की ही नहीं वर्ण एशिया की बहुत अच्छी शिक्षण संस्थान माना जाता है। आज से दस वार्स पूर्व इन सस्थानों के छात्रों को कैंपस सेलेक्सन से लाखों तो क्या कुछ एक को करोड़ों रुपये के सालाना के पैकेज की नौकरी मिल जाती थी। उस समय इन संस्थानों में भर्ती को स्वर्णिम नौकरी का प्रवेश द्वारा मन जाता था। विगत दस वर्षों मे यानि की नरेंद्र मोदी जी की सरकार मे बाम्बे आईआईटी जो की दुनिया के सर्वोत्तम अभियांत्रिकी संस्थानों में एक है वहां के छात्रों को नौकरी मिलना मुश्किल है। एक सर्वे के अनुसार विगत तीन वर्षों में मात्र 37 प्रतिशत छात्रों का ही चयन कैंपस में हुआ। इसस बुरा हाल अन्य आईआईटी संस्थानों का हैं। अब भागवत जी से पूछना होगा कि इन होनहार विद्यार्थियों की यह दशा तो राम मंदिर निर्माण के बाद क्यूं हो रही है।

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

वह उन स्थानों पर कंटीले तारों वाली बाड़ लगाने का खास तौर पर विरोध कर रहा है, जहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ और तस्करी होती है और यही से आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने की संभावनाएं हैं। इसके कुछ पुष्ट प्रमाण भी मिले है। इस संदर्भ में बांग्लादेश वैसे ही कुतर्क एवं बेतूके तथ्य प्रस्तुत कर रहा है, जैसे सीमा सुरक्षा के भारत के प्रयत्नों पर पाकिस्तान करता रहता है। हैरानी नहीं कि यह बांग्लादेश से पाकिस्तान की हालिया नजदीकी किसी बड़ी दुर्घटना या आतंकी हमले का सबब बन जाये। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। भारत को यह देखना होगा कि कहीं ये दोनों देश मिलकर उसके खिलाफ कोई ताना-बाना तो नहीं बुन रहे हैं।

ललित गर्ग
(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये। 2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आर्तकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने। बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को शांत कर लिया है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेश सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है। बांग्लादेश बाड़ लगाने के समझौते का सम्मान करने के बजाय उसकी समीक्षा करने की बात करके उसमें रौड़ा अटकाना चाह रहा है।

नतीजों को मिलते पुरस्कार, कोशिशें रहती गुमनाम

अपना सब कुछ दांव पर लगाकर आगे बढ़ते हैं, पूरी जी जान से मेहनत करते हैं ताकि कुछ अच्छा हो लेकिन यह जरूरी नहीं कि आप सफल हो ही जाएँ। सफलता और असफलता दोनों के ही मौके समान रहते हैं। आप सफल हुए तो आपके अब तक के संघर्ष पर पूर्ण विराम लग जाएगा लेकिन दूसरी स्थिति बहुत विकट होती है जब आप अपनी मेहनत को डूबता हुआ देखते हैं। युवाओं के लिए यह स्थिति और भी ज्यादा खराब होती है क्योंकि वह ऐसी स्थिति का सामना जीवन में पहली बार कर रहे होते हैं। ऐसे समय में धैर्य और संयम के साथ आगे बढ़ना ही सर्वोत्तम उपाय है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। ऐसे ही हिम्मती और धैर्यवान लोगों के लिए ही लिखा गया हैझ्रकोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। अंत में केवल इतना कहूंगा अपने कार्य के प्रति सदैव ईमानदार, निष्ठावान, समर्पित और वफादार रहो चाहे नौकरी हो या व्यापार।

डॉ सत्यवान सौरभ
लेखक

सफलता सार्वजनिक उत्सव होती है, जबकि असफलता व्यक्तिगत विपत्ति होती है। सफलता में लोग साथ होते हैं, जबकि असफलता में लोग छोड़ देते हैं। हालांकि, असफलता से सीखने और बढ़ने का मौका मिलता है। सफलता सार्वजनिक उत्सव है जबकि असफलता व्यक्तिगत शोक एकदम सत्य लिखा है। दो ऐसे शब्द जो हर व्यक्ति के जीवन में बहुत मायने रखते हैं। पहला शब्द सफलता जिसको हर कोई प्राप्त करना चाहता है जबकि दूसरा शब्द असफलता जिससे हर व्यक्ति दूर रहना चाहता है। सफलता जब प्राप्त होती है तो घरझपरिवार सब खुश होता है लेकिन असफलता का सामना आपको अकेले ही करना पड़ता है। अगर आप सफल हो गए तो समाज में आपकी इज्जत होगी, लोगों का आपके साथ व्यवहार परिवर्तित हो जायेगा लेकिन असफल रहने पर आपको बेरोजगार, ठलुआ जैसी संज्ञा मिलेंगी। मायने ये भी रखता है कि आपने सफलता प्राप्त करने के लिए कितना प्रयत्न किया? यदि आपने पूरे समर्पण के भाव से मेहनत की है फिर भी आप अपने मनपसंद क्षेत्र में सफल नहीं हुए तो ये मान लीजिए कि आपने अपने सपने को पूरा करने के लिए जो ज्ञानार्जन किया है वह आपके भावी जीवन में बहुत काम आने वाला है। वही ज्ञान किसी अन्य क्षेत्र में आपका भविष्य निर्माण करने में सहायक हो सकता है। परिणाम-संचालित समाज में, प्रयास अक्सर परिणामों के पीछे चला जाता है, परिणाम-संचालित समाज में, परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती देता है। खेलों में, प्रयास दृढ़ता, अनुशासन और निष्पक्षता को दशार्ता है, जो प्रदर्शन पर प्रक्रिया पर जोर देता है। यह दृष्टिकोण मानसिक लचीलापन और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है जबकि डोपिंग और मैच फिक्सिंग जैसी अनैतिक प्रथाओं के दबाव को कम करता है। नैतिक मूल्यांकन को मापने योग्य परिणामों के साथ प्रयास के आंतरिक मूल्य को संतुलित करना चाहिए। मापनीय परिणामों के प्रति जुनून, समाज मात्रात्मक सफलता को प्राथमिकता देता है, अक्सर प्रयास के आंतरिक मूल्य और यात्रा में दृढ़ता को अनदेखा करता है। माता-पिता बच्चे के परीक्षा अंकों की प्रशंसा करते हैं, लेकिन शायद ही कभी अध्ययन या अवधारणाओं को समझने में बिताए गए समय को स्वीकार करते हैं। परिणामों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से अनावश्यक दबाव बनता है, जिससे तनाव होता है और सुधार या सीखने के लिए आंतरिक प्रेरणा कम हो जाती है। रिकॉर्ड तोड़ने के दबाव का सामना करने वाले एथलीट कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय डोपिंग का सहारा ले सकते हैं। परिणामों पर जोर देने से क्रमिक शिक्षा और सुधार का महत्त्व कम हो जाता है, जिससे सफलता अस्थिर हो जाती है। ऋषभ पंत जैसे क्रिकेटर, जिनकी शुरूआत में असंगतता के लिए आलोचना की गई थी, ने समय के साथ लगातार सुधार करके सम्मान प्राप्त किया। परिणाम-उन्मुख मानसिकता शॉर्टकट या अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देती है, जिससे निष्पक्षता और खेल भावना खत्म हो जाती है। ऑस्ट्रेलियाई बॉल-टैम्परिंग घटना जैसे घोटाले ईमानदारी पर जीत को प्राथमिकता देने की लागत को दशार्ते हैं। समाज विजेताओं का महिमामंडन करता है लेकिन प्रतिभागियों के प्रयासों की उपेक्षा करता है, जिससे खेलों की समावेशिता और एकीकृत भावना कमजोर होती है। कम प्रसिद्ध ओलंपियन जो अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं लेकिन पदक जीतने में विफल रहते हैं, उन्हें स्वर्ण पदक विजेताओं की तुलना में कम मान्यता मिलती है। निष्पक्षता और समावेशिता को बढ़ावा देना, प्रयास को महत्त्व देना सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागियों को मान्यता प्राप्त हो, एक समावेशी और सहायक वातावरण को बढ़ावा मिले। पैरालिंपिक खेल दृढ़ता और प्रयास को उजागर करते हैं, पदकों पर भागीदारी पर जोर देते हैं। प्रयास को प्राथमिकता देने से व्यक्तियों को दृढ़ता, विनम्रता और भावनात्मक शक्ति का निर्माण करने में मदद मिलती है, जो व्यक्तिगत विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। नीरज चोपड़ा की विनम्रता और प्रतियोगियों के प्रति सम्मान सिर्फ.उनके भाला फेंक रिकॉर्ड से कहीं ज्यादा मनाया जाता है। प्रयास पर ध्यान केंद्रित करने से कौशल वृद्धि और निरंतरता को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में स्थायी उपलब्धियाँ मिलती हैं। विराट कोहली की अनुशासित प्रशिक्षण दिनचर्या स्थायी सफलता प्राप्त करने में प्रयास के महत्त्व को दशार्ती है। परिणामों से ज्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक व्यवहार और नियमों के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में निष्पक्षता सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए सचिन तेंदुलकर का स्लेजिंग में शामिल होने से इनकार करना क्रिकेट में अल्पकालिक लाभ की तुलना में नैतिकता को उजागर करता है। प्रयास को स्वीकार करने से सहानुभूति, सहयोग और एकता जैसे मूल्य पैदा होते हैं, जो एक परिपक्व और नैतिक समाज में योगदान करते हैं। 2019 क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के प्रयासों का जश्न मनाने वाले प्रशंसकों ने परिणामों से ज्यादा प्रयास की सराहना करने की ओर एक बदलाव दिखाया। परिणामों से ज्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक सिद्धांतों को बढ़ावा मिलता है, खेलों में निष्पक्षता और समावेशिता की संस्कृति का पोषण होता है। यह दीर्घकालिक चरित्र निर्माण को बढ़ावा देता है और अनैतिक शॉर्टकट को रोकता है। हालांकि, एक सूक्ष्म दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रयास कौशल विकास और प्रदर्शन लक्ष्यों के साथ संरेखित हों, ताकि प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बनाए रखा जा सके और साथ ही खेल कौशल और अखंडता को बढ़ावा दिया जा सके। कभी कभी हम अपने जीवन को सफल बनाने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हैं परीक्षा से इतर।

भारतीय राजनीति में कांग्रेस की भूमिका

संगीता शर्मा

भारतीय लोकतंत्र में स्थापित सभी राजनीतिक दलों की अपनी एक भूमिका और स्थान है जिसे वो समय समय पर रेखांकित करते हुए अपनी जिम्मेदारी को निभाते हैं। भारत के लोकतंत्र में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी एक प्रमुख राजनीतिक दल के रूप में विद्यमान है, जिसका इतिहास ही भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने से जुड़ा है। इसीलिए कांग्रेस को महज एक राजनीतिक दल ही नहीं आंदोलन भी माना जाता है। यह बात अलग है कि समय के प्रवाह में बदलते वक्त के कारण यह आंदोलन बहुरूपियों के सियासी षड़यंत्र का हिस्सा बनता जा रहा है। कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर 1885 को हुई थी, और इसके संस्थापकों में ए.ओ. ह्यूम, दादा भाई नौरोजी और दिनशा वाचा जैसे दिग्गज शामिल थे। अपने गठन के समय से लेकर आज तक कांग्रेस का उद्देश्य हमेशा साफ रहा है। कांग्रेस पार्टी और उससे जुड़े नेताओं, आम जनमानस की करनी और कथनी में कोई अंतर नहीं रहता है। तब गठन के समय कांग्रेस पार्टी का मुख्य उद्देश्य भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत करना और ब्रिटिश शासन से मुक्ति पाना था। अब कांग्रेस झूठे वादों और आश्वासनों के मकड़जाल में उलझी देश की साधारण जनता को उन सियासी मायावियों के चंगुल से आजाद कराने में संघर्षरत है जो उसे मुफ्त के नाम पर मानसिक बीमार बनाने में कोई गुरेज नहीं कर रहे। जो जनता को मानसिक गुलाम बनाने के अपने षडयंत्र में कुछ हद तक सफल होते नजर आ रहे हैं। चंद रुपयों के बदले ये धोखेबाज जनता के सभी मौलिक अधिकारों को कुचल रहे हैं। उसे अपने प्रिय औद्योगिक घरानों के पास गिरवी रख रहे हैं। आजादी से लेकर अब तक इस पार्टी ने कई महत्वपूर्ण नेताओं को जन्म दिया, जिनमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी शामिल हैं। लाल बहादुर शास्त्री एक महान नेता थे जिन्होंने कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत कुछ किया। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1904 को वाराणसी में हुआ था, और उन्होंने अपनी शिक्षा काशी विद्या पीठ में प्राप्त की। शास्त्री जी ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई बार जेल गए। कांग्रेस पार्टी का वर्चस्व 1952 से 1967 तक लगातार भारतीय राजनीति में बना रहा। इसके बाद कुछ बहकावे से उपजे बदलाव के अंकुर रूप में नए राजनीतिक दल सामने आए पर कांग्रेस की जड़ों में पैठ के कारण बहुत जल्द जनता को उनका मकसद समझने में देर नहीं लगी। इस पार्टी को अपना वर्चस्व बनाने में सफलता इसलिए प्राप्त हुई कि राष्ट्रीय आंदोलन के समय उसे सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त था। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी का देशव्यापी संगठनात्मक ढांचा भी इसकी सफलता का एक महत्वपूर्ण कारण था। आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कांग्रेस पार्टी ने कई महत्वपूर्ण नेताओं को जन्म दिया है और इसके नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक सुधार किए हैं। आज उन्हीं आर्थिक सुधारों के कारण भारत एक मजबूत पायदान पर दुनिया के सामने अपनी बादशाहत का झंडा लहरा रहा है। लोगों की मौत पर खुद के लिए जमीन तैयार करने में माहिर चंद नेता आज जरूर कांग्रेस की सोच या नियति पर सवाल उठा रहे हैं पर एक बार वो अपने गिरेबान की तरफ बस झांक ही लेते तो लोगों के सामने न झूठ परोसने की हिम्मत होती और जरूरत। कहते हैं बदलाव प्रकृति का नैसर्गिक सिद्धांत है, इसलिए राजनेताओं की सोच और कार्य व्यवहार भी समय के पहिए की तरह बदलाव का हिस्सा बनता गया। यही वजह रही कि कांग्रेस पार्टी से जुड़े नेताओं की टूटन से पार्टी का वर्चस्व समय के साथ कम होता गया है। वर्ष 1967 के बाद विपक्षी दलों ने बीच-बीच में कांग्रेस पार्टी को चुनौती देना शुरू किया और 1989 के बाद राष्ट्रीय पटल पर हुए कुछ सियासी घटनाक्रम से बदली हुई परिस्थितियों में कांग्रेस के सामने क्षेत्रीय पार्टियों की नई चुनौती सामने आई। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. पी.वी. नरसिंहराव और स्व. मनमोहन सिंह के रूप में कांग्रेस ने एक अच्छी वापसी के साथ अपने वर्चस्व की कायमी को पुनर्स्थापित किया। विगत एक दशक से कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के रूप में तो कुछ राज्यों में सत्तारूढ़ होकर भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है। इसके नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक सुधार किए हैं। आज भी यह पार्टी भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण शक्ति बनी हुई है। हालांकि वर्तमान में केंद्र में सत्तारूढ़ दल रोज नए षड्यंत्र करके कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व की छवि धूमिल करने की असफल कोशिश कर रहा है।

महाकुंभ 2025 : स्कूली बच्चों को भी दिया जा रहा प्रशिक्षण, मंच देगी योगी सरकार

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ/महाकुंभ नगर। योगी सरकार न सिर्फ बॉलीवुड, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय कलाकारों, बल्कि स्कूली बच्चों को भी महाकुंभ में अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराएगी। इसके लिए संस्कृति विभाग की तरफ से प्रयागराज के 9 कॉलेजों में 9 विधाओं में स्कूल और कॉलेज के बच्चों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण 22 जनवरी तक चलेगा। इसके बाद स्कूली बच्चे अपनी कला का महाकुंभ में प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश भर के नामचीन प्रशिक्षकों द्वारा 9 विधाओं में लगभग 600 स्कूली बच्चों को निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

22 जनवरी तक प्रयागराज के 9 स्कूल और कॉलेज में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अवधी लोकगायन का प्रशिक्षण श्रीकृष्णा डिग्री कॉलेज करछना, मशकबीन का प्रशिक्षण मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज करछना, जादू का प्रशिक्षण ब्रजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर करछना, अवधी लोकगीत और नृत्य का प्रशिक्षण आरपी इंटर कॉलेज एफसीआई रोड चौक नैनी, लोकगायन का प्रशिक्षण सर्वोदय शिक्षा सदन इंटर कॉलेज भीरपुर करछना, ढेढिया नृत्य का प्रशिक्षण कमला स्मारक इंटर कॉलेज इतरौरा बलापुर करमा रोड नैनी, ब्रज के लोकनृत्य का प्रशिक्षण राधा रमण महिला इंटर कॉलेज, 27 एच चकदाउद नगर नैनी, भजन और लोक गायन का प्रशिक्षण राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मुंगारी करछना, रंगोली का प्रशिक्षण आरएनटी इंटर कॉलेज महेवा पूरब पट्टी खान चौराहा नैनी में दिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के नामचीन प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अवधी लोक गायन का प्रशिक्षण अयोध्या के शिवपूजन शुक्ला, मशकबीन का प्रशिक्षण कौशांबी के संतोष और प्रयागराज के वेदानंद दे रहे हैं।

वहीं, बच्चों को जादू का प्रशिक्षण लखनऊ के आफताब और सुरेश द्वारा दिया जा रहा है। लखनऊ की कुसुम वर्मा अवधी लोकगीत और लोकनृत्य का प्रशिक्षण दे रही हैं। अंबेडकरनगर की उपमा पांडेय बच्चों को लोक गायन का प्रशिक्षण दे रही हैं। प्रयागराज के प्रशिक्षक आनंद किशोर ढेढिया नृत्य, मथुरा की नीतू सिंह ब्रज के लोकनृत्य, प्रयागराज के मनोज गुप्ता भजन और लोक गायन में बच्चों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

इसके अलावा रंगोली का प्रशिक्षण लखनऊ की ज्योति रतन की तरफ से दिया जा रहा है। सभी 9 विद्यालयों में 9 विधाओं में 600 से अधिक स्कूली बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। संस्कृति विभाग और कॉलेजों के संयुक्त तत्वावधान में चल रहा प्रशिक्षण सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की देखरेख में संपन्न हो रहा है। 22 जनवरी तक चलने वाले प्रशिक्षण के उपरांत इन बच्चों को महाकुंभ से जुड़े सांस्कृतिक मंचों पर अपनी कला दिखाने का अवसर प्राप्त होगा।

गूगल ने सर्च स्क्रीन पर पंखुड़ियों की वर्षा करके महाकुंभ उत्सव में हिस्सा लिया

लखनऊ। गूगल ने अपने सर्च स्क्रीन पर एनिमेशन स्वरूप में पंखुड़ियों की वर्षा करके महाकुंभ उत्सव में हिस्सा लिया है। अब जब कोई गूगल के सर्च बॉक्स में कुंभ, या महाकुंभ या कुंभ मेला या महाकुंभ या इसी तरह के किसी भी शब्द को खोजता है, तो स्क्रीन पर बैकग्राउंड में एक एनीमेशन अपने आप चलता है, जिसमें गुलाब की पंखुड़ियों की आभासी वर्षा दिखाई देती है। गूगल इस एनीमेशन को ईमेल, फेसबुक, एक्स, व्हाट्सएप के माध्यम से दूसरों के साथ फिर से चलाने या साझा करने की भी अनुमति देता है। तीसरा विकल्प एनीमेशन को खारिज करने की अनुमति देता है। महाकुंभ के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए संदेश में कहा गया है, गूगल सर्च इंजन प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के शुभारंभ का अनोखे ढंग से जश्न मना रहा है। जब आप महाकुंभ खोजेंगे, तो यह महाकुंभ के सम्मान में स्क्रीन पर पंखुड़ियों की वर्षा करेगा। महाकुंभ दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागमों में से एक है। प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम के तट पर 12 साल बाद महाकुंभ आयोजित किया जा रहा है। यह विशाल मेला 13 जनवरी को शुरू हुआ और 26 फरवरी तक चलेगा। इसमें लाखों हिंदू तीर्थयात्री प्राचीन धारणा के अनुसार मोक्ष की तलाश में संगम में पवित्र डुबकी लगाने और पवित्र जल में अपने पापों को धोने के लिए आते हैं। महाकुंभ के पहले दो दिनों में ही लगभग पांच करोड़ लोग आए। इस आयोजन की मेजबानी कर रही उत्तर प्रदेश सरकार को पूरे मेला अवधि के दौरान 40 से 45 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है।

राम मंदिर आंदोलन विषय पर संगोष्ठी को संबोधित करेंगे न्यायमूर्ति शेखर यादव

महाकुंभ नगर। मेला क्षेत्र के सेक्टर छह में स्थित नेत्र कुंभ शिविर में 22 जनवरी को राम मंदिर आंदोलन और गोरक्षपीठ विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसके मुख्य वक्ताओं में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव शामिल हैं। कार्यक्रम संयोजक शशि प्रकाश सिंह के मुताबिक, ब्लॉसम इंडिया फाउंडेशन और भारत विकास परिषद की ओर से आयोजित इस संगोष्ठी में विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक बड़े दिनेश जी, आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक अशोक बेरी और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव मुख्य वक्ता हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के अवसर पर इस संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर गुप्ता, न्यायालय परिसर में विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुस्लिम धर्म पर टिप्पणी को लेकर सुर्खियों में आ गए थे। बाद में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें तलब किया था।

भाजपा नेता को थाने में पीटने के आरोप में चार पुलिसकर्मी निलंबित

प्रयागराज। नगर के झूंसी थाना में भाजपा नेता मनोज पासी को बुरी तरह से पीटने के आरोप में डीसीपी (नगर) ने कार्रवाई करते हुए तीन दरोगा और एक कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है। डीसीपी (नगर) अभिषेक भारती ने बताया कि झूंसी थाना में बुधवार को मनोज पासी नाम के व्यक्ति को पीटने का मामला संज्ञान में आया है। इस मामले में तीन दरोगा और एक कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है और इनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। भाजपा की प्रदेश इकाई के सह कोषाध्यक्ष, अनुसूचित जाति मोर्चा के मनोज पासी ने बताया कि उनके छोटे भाई ने चार साल पहले एक जमीन खरीदी थी जहां वह चारदीवारी बनवा रहा था। 13 जनवरी को झूंसी थाना पर एक फर्जी आवेदन देकर काम रुकवा दिया गया। उन्होंने बताया, चूंकि 13 और 14 जनवरी को स्नान पर्व था, इसलिए वे 15 जनवरी को थाने पर गए और कहा कि काम रुकवाने का कोई आदेश हो तो दिखा दीजिये। इसी बात पर थाना झूंसी के निरीक्षक उपेंद्र प्रताप सिंह और अन्य दरोगा और कांस्टेबल ने मुझे बुरी तरह से मारा पीटा।

बोलेरो ने रौंदी बाइक, ममेरे-फुफेरे भाई गंभीर घायल

अमरोहा। खेत से घर लौट रहे बाइक सवार ममेरे-फुफेरे भाई को तेज रफ्तार बोलेरो ने रौंद दिया। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए। एक घायल को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव सलारपुर खालसा में किसान सदाकत अली का परिवार रहता है। बीती 11 जनवरी की रात करीब पौने आठ बजे उनका बेटा आतिफ अपने फुफेरे भाई उस्मान के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। बाइक उस्मान चला रहा था। पुलिस के मुताबिक जमापुर- हैबतपुर मार्ग पर सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक को रौंद दिया। जबरदस्त टक्कर में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई जबकि हवा में उछलकर दूर जाकर गिरे आतिफ और उस्मान गंभीर घायल हो गए। वहीं, हादसा अंजाम देने वाला चालक घटनास्थल पर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने गंभीर घायल अवस्था में आतिफ और उस्मान को अमरोहा शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार देने के बाद जहां से चिकित्सक ने टांग की हड्डी कई जगह से टूटने के कारण उस्मान को दिल्ली रेफर कर दिया फिलहाल एम्स में उसका उपचार चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त बोलेरो और बाइक को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करा दिया है। मामले में गाड़ी के अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी चालक को जल्द गिरफ्तार कर चालान किया जाएगा।

शुगर रोगियों को दोगुना रिस्क, तुरंत कराएं टीबी की जांच

अमरोहा। टीबी उन्मूलन की कवायद में स्वास्थ्य विभाग 100 दिवसीय अभियान चला रहा है। अभियान के तहत विभाग टीबी के पुराने मरीज, एल्कोहल और धूम्रपान करने वाले, 60 साल से ज्यादा उम्र के लोग, टीबी रोगी के संपर्क में रहने वाले, कुपोषित और शुगर रोगियों की जांच कराने पर जोर दे रहा है। ऐसे लोगों की जांच में टीबी की पुष्टि होने पर विभागीय स्तर से मरीजों का इलाज किया जाएगा। जिले के सभी ब्लाकों की 2.10 लाख चिन्हित आबादी के बीच चलाए जा रहे अभियान में चिकित्सक सबसे ज्यादा बुजुर्गों, कुपोषित और शुगर रोगियों को टीबी का खतरा बता रहे हैं। सीएमओ डा.सत्यपाल सिंह ने बताया कि दो सप्ताह से ज्यादा खांसी, खांसते समय मुंह से खून आना, गले में गांठें होना, लगातार वजन में कमी, भूख न लगना और रात में सोते समय पसीना आना जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीक आयुष्मान आरोग्य मंदिर या सीएचसी-पीएचसी पर जाकर जांच कराएं। टीबी की पुष्टि होने पर नियमित इलाज कराना चाहिए। खासकर शुगर रोगी इसमें बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें। छह महीने के कोर्स से बीमारी पूरी तरह से ठीक हो जाती है। कोर्स को बीच में हरगिज भी नहीं छोड़ें।

सूने पड़े मिल के यार्ड, कड़ाके की सर्दी से गन्ना आपूर्ति प्रभावित

हसनपुर। किसान सहकारी चीनी मिल में सर्दी व कोहरे से गन्ने की आमद बुरी तरह प्रभावित हुई है। पर्याप्त गन्ना न मिलने से चीनी मिल के हालात नोकेन जैसे हो रहे हैं। हालांकि, अधिकारी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत चेन के पास जमा किए गए गन्ने से मिल संचालन सुचारु रखे हैं। चीनी मिल अधिकारियों के मुताबिक किसानों को पर्याप्त संख्या में पर्ची जारी की जा रही हैं। लेकिन सर्दी, कोहरे व गलन की वजह से तमाम किसान गन्ना छिलाई नहीं कर पा रहे हैं। जिसके चलते चीनी मिल को पर्याप्त गन्ने की आपूर्ति नहीं हो रही। चीनी मिल यार्ड पिछले कई दिन से रोज लगभग खाली पड़ा रहता है, जहां कभी गन्ना लदे वाहनों की लाइन लगी रहती थी। किसानों का कहना है कि कोहरे व सर्दी की वजह से गन्ना छिलाई के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। चीनी मिल के सीसीओ का कहना है कि कड़ाके की सर्दी से गन्ना आपूर्ति प्रभावित हो रही है। हालांकि, मिल को नो केन नहीं होने दिया जा रहा है।

खरमास खत्म, आज से गूंजने लगेगी शहनाई

अमरोहा। खरमास के चलते एक माह से हिन्दुओं के शादी विवाह पर विराम रहा। अब 15 जनवरी से खरमास समाप्त हो गया है। 16 जनवरी से शहनाई गूंजने लगेगी। अन्य सभी शुभ कार्य भी शुरू हो जाएंगे। आगामी जून माह तक शुभ मुहूर्त के चलते शादी समारोह की धूम रहेगी। शादी से जुड़े कारोबार पर भी रौनक लौटेगी। बीते नवंबर माह में देवोत्थान एकादशी से हिन्दुओं के शादी विवाह का साया शुरू हुआ था। 16 दिसंबर से खरमास के चलते एक माह के लिए शादी विवाह पर विराम लग गया था। स्थानीय ज्योतिषाचार्य पंडित आशुतोष त्रिवेदी के मुताबिक 14 जनवरी को सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होते ही खरमास समाप्त हो गया है। 16 जनवरी से विवाह, मुंडन, नामकरण, भूमि पूजन आदि मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। अब शादी का साया जून माह तक रहेगा। जून में देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु चिर निद्रा में विश्राम करेंगे। इसके बाद चार माह तक शादी विवाह नहीं हो सकेंगे। इसके बाद आगामी नवंबर माह में देवोत्थान एकादशी पर फिर से विवाह मुहूर्त और मांगलिक कार्यक्रम शुरू होंगे और 15 दिसंबर तक चलेंगे।

संक्षिप्त खबरें

उप्र : मऊ के अखिलेश सिंह बने असम के कानून व्यवस्था प्रमुख

मऊ। उत्तर प्रदेश मऊ के मधुबन क्षेत्र के छोटे से गांव मुरादपुर के साधारण परिवार में जन्मे अखिलेश कुमार सिंह ने जिले के साथ ही उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्हें असम का कानून व्यवस्था प्रमुख बनाया गया है। इससे पूरे जिले में हर्ष का माहौल है।

जिले के मधुबन क्षेत्र के एक छोटे से गांव मुरादपुर में जन्मे अखिलेश कुमार सिंह के पिता कृष्ण मुरारी सिंह प्रधान अध्यापक थे। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा के बाद डीएवी से इंटरमीडिएट किया। उसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए और एमए किया। वर्ष 2003 में वे आईपीएस बने। वर्ष 2014 में उल्फा के विरुद्ध अभियानों के लिए उन्हें राष्ट्रपति के वीरता पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके बाद वे असम के अलग-अलग जिलों में पुलिस अधीक्षक और रेंज में डीआईजी रहे। शारदा कांड में ममता बनर्जी के चार मंत्रियों को गिरफ्तार कर राष्ट्रीय पटल पर काफी चर्चा में आए।

उधर डीएवी इंटर कॉलेज के प्रवक्ता ऋषिकेश पांडे ने बताया कि अखिलेश कुमार सिंह शुरू से ही अनुशासित और मेहनती छात्र रहे हैं। उनके मित्र अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि वह काफी सरल स्वभाव के हैं।

उप्र : सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत, भाजपा के प्रदेश मंत्री घायल

रायबरेली। जिले के मिल एरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत रायबरेली प्रयागराज राजमार्ग पर प्रगतिपुरम मोहल्ले के पास कार की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और भाजपा के प्रदेश मंत्री समेत तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, प्रगति पुरम मोहल्ले के पास तेज गति से जा रही एक कार ने दो लोगों को टक्कर मार दी। इसकी सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने तकिया कलां हरचंदपुर निवासी मौलाना जफर हसनी (67) को मृत घोषित कर दिया। बड़ा कुआं निवासी अब्दुल कादिर का इलाज चल रहा है। इस हादसे में भाजपा संगठन के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा और उनके साथी भानु तिवारी को भी चोटें आई हैं।

अभिजात मिश्रा ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ प्रयागराज जा रहे थे। उन्होंने बताया कि बुधवार की शाम वह शहर के रतापुर चौराहे के पास स्थित होटल में रुके। वहां से कुछ देर बाद निकलने पर वह थोड़ा आगे ही बढ़े थे कि तभी सड़क पर कार की टक्कर लगने से दो लोग घायल मिले।

इस पर भाजपा नेता अपने साथियों के साथ वहां रुके। इसी दौरान एक वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे भाजपा प्रदेश मंत्री व उनके साथी भानु तिवारी को भी चोटें आईं।

मिल एरिया थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि कार को कब्जे में ले लिया गया है, चालक की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि हादसे में मौलाना जफर हसनी की मौत हो गई है। शव को कब्जे में ले लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

इसरो की सफलता अंतरिक्ष की दिशा में लंबी छलांग: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को स्पेस डॉकिंग हासिल करने पर बधाई देते हुये कहा कि अंतरिक्ष की दिशा में लंबी छलांग हर भारतीय को गौरवान्वित करने का क्षण है। श्री योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया स्पेस डॉकिंग हासिल करने वाली इसरो टीम को बधाई । इस उपलब्धि के साथ टीम इसरो स्पेस डॉकिंग हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। यह हमारी अंतरिक्ष क्षमताओं की दिशा में लंबी छलांग है। स्पेस डॉकिंग प्रक्रिया को काफी सतर्कता के साथ लॉन्च किया गया। उन्होने लिखा यह उपलब्धि भारत के लिए मील का पत्थर है। यह इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों के समर्पण और त्याग से संभव हो पाया है। यह उनकी विशेषज्ञता को भी प्रदर्शित करता है। यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। जय हिंद। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले दशक में स्पेस टेक्नोलॉजी में अद्वितीय उपलब्धियां देखी हैं।

संतों की आपत्तिः पेशवाई रथ पर सवार कैसे हो गई वायरल सुंदरी हर्षा रिछारिया

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। पेशवाई रथ पर सवार होकर वायरल हुई सुंदरी हर्षा रिछारिया को लेकर संत समाज ने घोर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि कुंभ अखाड़ों को मॉडल दिखाने के लिए आयोजित नहीं है, यह कुंभ जप, तप और ज्ञान की गंगा के लिए है। इसलिए इस कुकृत्य पर आप कार्रवाई कीजिए। निरंजनी अखाड़े के छावनी प्रवेश के दौरान एक रथ पर संतों के साथ कथित तौर पर एंकर हर्षा रिछारिया के बैठने को लेकर विवाद पैदा हो गया। काली सेना के प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा है, महाकुंभ मेले में निरंजनी अखाड़े के छावनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी जी महाराज से भोजन प्रसाद पर चर्चा हुई। मैंने कहा कि यह कुंभ अखाड़ों को मॉडल दिखाने के लिए नहीं आयोजित है, यह कुंभ जप, तप और ज्ञान की गंगा के लिए है। इसलिए इस कुकृत्य पर आप कार्रवाई कीजिए,एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, महाकुंभ जैसे पवित्र और दिव्य आयोजन में धर्म, संस्कृति और परंपरा की रक्षा हमारा सर्वोच्च कर्तव्य है। भगवा वस्त्र, जो त्याग, तपस्या और सनातन धर्म की परम मर्यादा का प्रतीक है, उसका सम्मान हर सनातनी का धर्म है। उन्होंने कहा, भगवा धारण करना मात्र वस्त्र धारण करना नहीं, बल्कि यह आत्मिक शुद्धि, संयम और धर्म के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है। आज जब कुछ

लोग इन पवित्र परंपराओं की मर्यादा को भंग करने का प्रयास करते हैं, तो यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि इन अनादि परंपराओं की रक्षा करने के लिए एकजुट हों। संत ने लिखा, सनातन धर्म केवल आस्था का विषय नहीं, यह जीवन दर्शन है जो सत्य, धर्म और मोक्ष की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है। महाकुंभ केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि धर्म की पुनः प्रतिष्ठा का अवसर है। मेरा संदेश स्पष्ट है झ धर्म की मर्यादा को बनाए रखना, भगवा की गरिमा की रक्षा करना और सनातन परंपराओं को पुनर्स्थापित करना हमारा परम दायित्व है।

उन्होंने कहा, हमारी परंपरा है कि जब सनातन का कोई आयोजन होता है, हमारे युवा भगवा पहनते हैं। यह कोई अपराध नहीं है। हमारे यहां परंपरा है कि कोई एक दिन, पांच दिन, सात दिन के लिए साधू होता है। इस युवती ने निरंजनी अखाड़े के एक महामंडलेश्वर से दीक्षा ली थी। वह सन्यासिन नहीं बनी है और उसने भी कहा है कि वह सन्यासिन नहीं है और केवल मंत्र दीक्षा ली है। वह रथ पर बैठी थीं और लोगों ने उसे निशाना बनाना शुरू कर दिया।

कार्यकर्ता बसपा का जनाधार बढ़ाने और आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम करें : मायावती

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यकताओं की बैठक में जनाधार बढ़ाने तथा पार्टी को आर्थिक मजबूती देने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिये।

मायावती ने कहा, हमारी पार्टी केवल अपने कार्यकताओं से ही विभिन्न रूपों में आर्थिक मदद लेकर पार्टी की गतिविधियों का संचालन करती है। बसपा, कांग्रेस तथा भाजपा एवं अन्य विरोधी दलों की तरह बड़े-बड़े पूंजीपतियों एवं धन्नासेठों से आर्थिक मदद नहीं लेती है।

बसपा प्रमुख मायावती ने आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश के सभी छोटे-बड़े पार्टी पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों की एक अहम समीक्षा बैठक में पुराने तर्ज पर कैडर आधारित सर्वसमाज में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिये ठोस रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया।

प्रदेश की भाजपा सरकार को निशाना बनाते हुए बसपा नेता कहा, पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में कानून-व्यवस्था के नाम पर दमनकारी नीति अपनाकर अधिकतर गरीबों, मजलूमों, बेसहारा व मेहनतकश लोगों को अंधाधुंध गिरफ्तार कर जेल में कैद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को माननीय अदालत की तरह गंभीर एवं संवेदनशील होकर संविधान धर्म की जिम्मेदारी निभाना चाहिए।

मायावती ने कहा, विरोधियों के खिलाफ खासकर पुलिस कार्रवाई से लोगों का यह सवाल स्वाभाविक है कि उप्र में यह कैसा कानून का राज है। सत्ताधारी लोगों के हर जुर्म की अनदेखी क्यों है। क्या इससे कानून-व्यवस्था सुधर पाएगी। बसपा नेता ने भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा, झ्यापहले कांग्रेस एवं सपा और अब भाजपा की सरकारों के रवैयों से स्पष्ट है कि बहुजनों में भी खासकर दलित समाज के प्रति इनका नया-नया उभरा प्रेम विशुद्ध छलावा एवं चुनावी नाटकबाजी है।

उन्होंने कहा, श्री अमित शाह से भी बाबा साहेब विरोधी बयान को वापस लेकर पश्चाताप करने की बसपा की मांग यथावत बरकरार है।

मायावती ने कहा, अब किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिए कि देश में दलितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ों तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों में से खासकर मुस्लिम समाज के प्रति इन पार्टियों का जातिवादी व साम्प्रदायिक रवैया अब तक नहीं बदला है।

उत्साहपूर्वक मनाई गई रोटरी क्लब की इंस्टालेशन सैरेमनी

- रोटरी फाउंडेशन में दिल खोल कर दान दें: दीपाखन्ना
- वृद्ध आश्रम भेजने वाले परिवारों की काउंसलिंग करके वृद्धो को वापस लाने का करें प्रयासः डॉ. मनोज

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा।रोटरी क्लब स्योहारा सम्पूर्ण ने संस्कृतिक कार्यक्रमो के साथ उत्साह पूर्वक मनाई इंस्टालेशन सैरेमनी और गवर्नर विजिट। बृहस्पतिवार को रोटरी क्लब स्योहारा संपूर्ण ने मधुर मैमोरोयल पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में स्कूली बच्चों के रंगारग संस्कृतिक कार्यक्रम के साथ उत्साहपूर्वक इंस्टालेशन सैरेमनी एवं गवर्नर विजिट कार्यक्रम मनाया। कार्यक्रम का संचालन सचिव समीर रस्तौगी और रोटेरियन संजीव अरोड़ा ने सयुंक्त रूप से किया गया तथा अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष रोटरी क्लब स्योहारा डॉक्टर मनोज कुमार वर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद एम.एस. सीनियर सेकेंडरी स्कूल और गायत्री देवी शिक्षण संस्थान के बच्चो ने मनमोहक संस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत किये। स्कूली बच्चो के द्वारा वर्द्धाआश्रम पर एक मार्मिक मंचन नाटक प्रस्तुत किया गया जिसे देखने के बाद सभी उपस्थित जन भावुक हो गये और सभी ने मुक्त कंठ से नाटक की सराहना की। कार्यक्रम में रोटरी मंडल 3100 की मंडलाध्यक्ष रोटेरियन दीपा खन्ना ने रोटरी की आधिकारिक यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन करते हुए कहा कि रोटरी दुनिया की एक मात्र ऐसी संस्था है जो बिना किसी जाति,धर्म,को देखे मानवता के लिए काम करती है इसका चक्र रात दिन घूमता रहता है। दीपा खन्ना ने कहा हर रोटेरियन को रोटरी फाउंडेशन में अपनी क्षमतानुसार दिल खोल कर दान करना चाहिए क्योंकि यह दान का पैसा

सामाजिक कार्यो को क्लबों के माध्यम से मानवता की सेवा के लिए मिलता रहता है। डॉक्टर मनोज वर्मा ने कहा कि वृद्धो को वृद्ध आश्रम से वापस लाने की प्रक्रिया करने के प्रयास में हम रोटरी वाले अपना योगदान देने सकते हैं।

इस मौके पर नगर के आर एस पी इंटर कॉलेज,एम क्यू इंटर कॉलेज, बिड़ला पब्लिक कन्या इंटर कॉलेज,एम एम सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में हाई स्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। एम बी बी एस में 9 गोल्ड हासिल करने पर आयुषी वर्मा और एम बी बी एस प्रथम वर्ष में तीन गोल्ड हासिल करने वाले चैत्यन्य मिगलानी को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। इस मौके पर समाजसेवियों में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ मनोज कुमार वर्मा, थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह,नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल, समाजसेवी राज कुमार रस्तौगी तथा गेस्ट आफ ऑनर के लिये इन्हेर्व्हील अध्यक्ष पर्ल रस्तौगी , सैकेट्री इन्हेरव्हील सुरभि जैन ,मीना शर्मा पूर्व डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट चेयरमैन उनके सामाजिक कार्यो के लिए प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सी एजी सुशील कुमार साहू, भास्कर अग्रवाल चीफ डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर, चक्रेश लोहिया , चीफ डिस्ट्रिक्ट फाइनेंस चेयर,अभिषेक अग्रवाल अस्सिटेंट गवर्नर ऑफिशियल विजेट,डॉक्टर रिसालत चौधरी, अशोक मित्तल अधिशासी उपाध्यक्ष अवध शुगर मिल, आलोक अग्रवाल डायरेक्टर मधुर मेमोरियल पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल आदि ने भी अपने उदगार व्यक्त किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ मनोज कुमार वर्मा, आलोक अग्रवाल,कांता प्रसाद पुष्पक , डॉक्टर रिसालत चौधरी, हैरी गुर्जर, रोटरी क्लब स्योहारा अध्यक्ष शोभित जैन, क्लब सचिव समीर रस्तौगी, संजय जैन, लव कुमार रस्तौगी,रमेश अरोड़ा, धीरज शर्मा ,चमन भारद्वाज,संजीव अरोड़ा,अशोक मित्तल ,मोहक दीक्षित , इनर व्हील क्लब के अध्यक्ष पर्ल रस्तोगी और सचिव सुरभि जैन आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस मौके पर क्लब में 5 नए सदस्यों को जोड़ा गया। जिनमे अशोक मित्तल अधिशासी उपाध्यक्ष अवध शुगर मिल स्योहारा,विजेंद्र सिंह पाल अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद स्योहारा,भूपेंद्र मिगलानी, मोहक दीक्षित और राजू भाई रहे। रोटरी गवर्नर द्वारा संपूर्ण क्लब को फाउंडेशन में पोलियो के लिया अनुदान देने पर विशेष पुरस्कार आर आई से दिलाने की बात भी कही गई।

इस मौके पर एम.एम.पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य मेराजुद्दीन,बिरला पब्लिक कन्या इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर रंजना शुक्ला, आर एस पी इंटर कॉलेज से मनोज कुमार दुबे, एम क्यू इंटर कॉलेज से फहीम अहमद , बी.डी.आर.इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य इमरत सिंह आदि सहित अन्य प्रतिनिधियो को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर मीडिया से जुड़े पत्रकारों ,साहित्यकारो को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धामपुर रॉयल ओर धामपुर इंडस्ट्रियल रोटरी क्लब के अध्यक्ष और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। अंत मे कार्यक्रम में आने के लिये रोटरी क्लब अध्यक्ष शोभित जैन व सचिव समीर रस्तौगी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संभल में बिजली चोरी के 1,400 से अधिक मामले दर्ज, मस्जिदों और मदरसों पर भी आरोप

संभल। संभल में शाही जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर 24 नवंबर, 2024 को किए गए सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के बाद से जिले में बिजली चोरी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है, और 1,400 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार ने पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए बृहस्पतिवार को बताया हमने संभल में अब तक बिजली चोरी के 1,400 से अधिक मामले दर्ज किए हैं, जिनमें 16 मस्जिदों और 2 मदरसों के खिलाफ आरोप शामिल हैं। कुमार ने कहा, इन मामलों में 11 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है और अब तक लगभग 20 लाख रुपये वसूल किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया, इस अभियान की शुरूआत के बाद, 22 मस्जिदों और एक चर्च से नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। हमारे निरीक्षण के दौरान, हमने असामान्य लोड पैटर्न देखा झ सुबह-सुबह फीडरों से लोड कम हो गया, लेकिन रात 10 बजे से सुबह 4 बजे के बीच लोड बढ़ गया। इसके कारण हमें प्रमुख स्थानों की पहचान करनी पड़ी और रात में जांच करनी पड़ी। अभी दो दिन पहले ही, हमने बिजली चोरी के 42 और मामले दर्ज किए हैं। इससे पहले, समाजवादी पार्टी के नेता और संभल के लोकसभा सांसद जियाउर रहमान बर्क के खिलाफ भी बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के बाद शहर में उनके घर पर बिजली चोरी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। संभल में शाही जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर 24 नवंबर, 2024 को किए गए सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

बहराइच में कतर्नियाघाट जंगल से सटे गांव में तेंदुए ने आठ साल की बच्ची की जान ली

प्रात : किरण संवाददाता

बहराइच (उप्र), 16 जनवरी (वेब वार्ता)। जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग अंतर्गत तमोलिनपुरवा गांव में एक तेंदुए के हमले में आठ साल की बच्ची की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मोतीपुर थाना अंतर्गत तमोलिनपुरवा गांव कतर्नियाघाट वन्य-जीव प्रभाग के जंगल से सटा हुआ है। ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार को बताया कि गांव के निवासी बैजनाथ अपनी पत्नी, बेटी शालिनी (आठ) और गांव की कुछ बच्चियों के साथ बुधवार दोपहर खेत में काम करने गये थे।

उन्होंने बताया कि बैजनाथ व उनकी पत्नी खेत में काम कर रहे थे, शालिनी भी वहीं थी। इसी बीच, पास स्थित गन्ने के खेत में छिपे तेंदुए ने अचानक बाहर निकलकर शालिनी पर झपट्टा मार दिया और उसे गर्दन से दबोच कर खींच कर ले जाने लगा।

ग्रामीणों ने बताया कि जब मां की

नजर पड़ी, तो उसने शोर मचाया। आस-पास खेतों में काम कर रहे लोग भी शोर मचाते हुए लाठी डंडे फावड़े आदि लेकर तेंदुए की ओर दौड़ पड़े। लोगों को नजदीक आते देख तेंदुआ बच्ची को खेत में छोड़कर जंगल की ओर चला गया, लेकिन जब तक लोग बच्ची तक पहुंच पाते उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बच्ची की गर्दन पर तेंदुए के जबड़े के निशान हैं। सूचना मिलने पर पुलिस, प्रशासन व वन विभाग के लोगों ने मौके पर पहुंच बच्ची के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

प्रभागीय वनाधिकारी बी. शिवशंकर ने बुधवार को संवाददाताओं से बताया कि तमोलिनपुरवा गांव में तेंदुए के हमले से बालिका की मौत की सूचना मिली है। पीड़ित परिवार को दस हजार रुपये की तात्कालिक सहायता दी गई है। शासन से मिलने वाली अन्य आर्थिक मदद जांच, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट व औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दिलाई जाएगी।

डीएफओ ने कहा कि पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। वन विभाग की कई टीम क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रख रही है। ग्रामीणों से सतर्क में रहने को कहा गया है, साथ ही आगाह किया गया है कि वो खेतों की तरफ काम करने अकेले ना जाकर समूह में जाएं।

उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर तेंदुए की आवाजाही वाले संभावित स्थल पर बुधवार रात पिंजरा लगा दिया गया है।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग अंतर्गत रमपुरवा बनकटी गांव में 10 दिन पूर्व एक ऐसी ही घटना में घर के आंगन में सो रही सात साल की बच्ची पर तेंदुए ने हमला कर उसे घायल दिया था। ग्रामीणों ने जब उसका पीछा किया तो तेंदुआ घायल बच्ची को वहीं छोड़कर भाग गया। घायल बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज हो रहा है।

18 जनवरी को मा0 प्रधानमंत्री करेंगे घरौनियों का डिजीटल वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

बदायूँः प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि मा० परिषद द्वारा अवगत कराया गया है कि मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा स्वामित्व योजना के अन्तर्गत तैयार की गयी घरौनियों (प्रापर्टी कार्ड) का डिजिटल वितरण कार्यक्रम 18 जनवरी 2025 को अपरान्ह 12.30 बजे से नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से किया जाना है, जिसका दूरदर्शन एवं वेबकास्ट द्वारा सीधा प्रसारण डायट के ऑडीटोरियम में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के कर कमलों द्वारा जनता दरबार कक्ष में चयनित लाभार्थियों को भौतिक रूप से भी घरौनी वितरित की जायेगी। इसके उपरान्त मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा सम्बोधन किया जायेगा। जिसका वेबलिंक के माध्यम से सजीव प्रसारण किया जायेगा। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागीय के दायित्व निर्धारित किए हैं।

संक्षिप्त खबरें

दोस्त की पत्नी से थे अवैध संबंध, शराब पीने के बाद सिर को पत्थर से कूचकर ले ली जान; 14 लोगों पर थे आरोप

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में हुई ऑटो चालक की हत्या के मामले में डीएलएफ क्राइम ब्रांच ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित मृतक का दोस्त ही निकला है। मृतक के आरोपित की पत्नी के साथ अवैध संबंध थे। इसको लेकर कई बार उनकी आपस में गर्मागर्मी भी हुई थी। इस मामले में स्वजन ने ही कुछ मुस्लिम युवकों पर आरोप लगाए थे। इसको लेकर नेशनल हाइवे भी जाम करने का प्रयास किया गया था। 14 लोगों पर हत्या के आरोप लगाते हुए पूरे मामले में सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया गया था। दोस्त ही निकला कातिल सेक्टर-62 आशियाना में रहने वाले दीपक का काफी खराब अवस्था में झाड़ियों में शव मिला था। स्वजन ने दो दिन पहले ही उनके गायब होने की सूचना पुलिस में दी थी। दीपक के भाई दिलीप कुमार ने पुलिस को शिकायत देते हुए 14 लोगों पर उनकी हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया। मामले की जांच डीएलएफ क्राइम ब्रांच को दी गई। दीपक अपने दोस्त करण के साथ बैठकर पी थी शराब क्राइम ब्रांच ने जांच करते हुए पाया कि अंतिम बार दीपक ने अपने दोस्त करण के साथ बैठकर शराब पी थी। करण भी सेक्टर-62 आशियाना फ्लैट में रहता है।

फरीदाबाद में डकैती में शामिल आरोपी से मुठभेड़, एक गिरफ्तार दूसरा फरार; किसान के घर की थी लाखों की लूट

फरीदाबाद के करनेरा गांव में डकैती के एक आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। अब तक इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। करनेरा गांव में किसान के घर डकैती में शामिल आरोपित मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार। नचौली गांव में बृहस्पतिवार आधी रात के बाद हुई पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, एक गिरफ्तार, दूसरा फरार। प्रवीन कौशिक, फरीदाबाद। करनेरा गांव में किसान के घर डकैती में शामिल एक आरोपित को क्राइम ब्रांच की टीम ने बृहस्पतिवार आधी रात के बाद मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली आरोपित के सीधे पैर के आर-पार निकल गई। घायल को बादशाह खान नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ नचौली गांव के रेलवे पुल के पास हुई थी। मौके से उसका दूसरा साथी भाग गया। कोहरा होने की वजह से पुलिस उसका अधिक दूर तक पीछा नहीं कर पाई। थाना भूपानी में आरोपितों के खिलाफ जानलेवा हमला करने सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया गया है। अब क्राइम ब्रांच (Fridbd Crime Brfch) की दो टीमें फरार आरोपित की तलाश में उत्तर प्रदेश के विभिन्न संदिग्ध जगह छापेमारी कर रही हैं। पकड़े गए आरोपित का नाम विनीत कुमार उर्फ पप्पू है।

फरीदाबाद में फिर गरजा बुलडोजर, एक्शन से व्यापारियों में मचा हड़कंप; SDO ने दी चेतावनी

फरीदाबाद। एनआईटी एक मार्केट और तिकोना पार्क में बुधवार को अतिक्रमण हटाने के लिए निगम ने बड़ी कार्रवाई की। अतिक्रमण हटाते समय निगम एसडीओ राजेश शर्मा ने चेतावनी भी दी कि अगर दोबारा दुकानदारों ने अतिक्रमण किया तो उनके खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। सीलिंग की यह कार्रवाई दुकान खुलने से पहले ही कर दी जाएगी। अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकानदारों ने विरोध तो जताया गया, लेकिन पुलिस बल मौजूद होने की वजह से तोड़फोड़ की कार्रवाई चलती रही। अब निगम एनआईटी-दो और पांच की मार्केट में बृहस्पतिवार को सीलिंग की कार्रवाई करेगा।

फरीदाबाद से सीधे होगी नोएडा एयरपोर्ट तक कनेक्टिविटी, इस सड़क को किया जाएगा चकाचक

मोहना पुल और उससे जुड़ी सड़क को बेहतर बनाने की योजना बनाई गई है। इस पुल का निर्माण 2002 में हुआ था और यह उत्तर प्रदेश से कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है। पुल के नीचे जितने भी पिलर हैं उन सभी पर बेयरिंग लगे हुए हैं। अब एक बार बदल दिए जाएंगे तो फिर 15 से 20 साल तक जरूरत नहीं होगी। यमुना नदी पर मोहना पुल और इससे जुड़ी सड़क बनेगी। प्रवीन कौशिक, फरीदाबाद। औद्योगिक नगरी की नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में एक और कदम बढ़ाया जा रहा है। मोहना पुल (Mohf Bridge) और इससे जुड़ी करीब 2.90 किलोमीटर सड़क को चकाचक किया जाएगा। उत्तर प्रदेश से कनेक्टिविटी के लिए यह पुल अहम है। जिले में केवल यही एकमात्र और पहला पुल है तो यमुना नदी पर बना है। दो लेन पुल पर 2002 से आवागमन हो रहा है। लेकिन इसे कनेक्ट सड़क की हालत ठीक नहीं है। जगह-जगह से जर्जर हो गई है।

High Court ने रद कर दी पुलिस में रेडियो ऑपरेटर की भर्ती प्रक्रिया, अब नए सरि से होगी परीक्षा

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी पुलिस रेडियो ऑपरेटर की भर्ती प्रक्रिया को रद कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब पुलिस विभाग नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी। यूपी पुलिस रेडियो अधीनस्थ सेवा नियमावली-2015 के मौजूदा नियमों के तहत केवल डिप्लोमाधारक इंजीनियर ही हेड ऑपरेटर/हेड ऑपरेटर मैकेनिक के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने के हकदार हैं। इन नियमों के तहत डिग्री धारक इंजीनियरों को आवेदन करने का अधिकार नहीं है। छह जनवरी, 2022 को 936 पदों पर भर्ती के लिए जारी नियमों में पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा बदलाव कर डिग्रीधारक इंजीनियरों को भी आवेदन करने का हकदार मान लेने के आदेश को कोर्ट ने बिना अधिकार का आदेश माना है। कोर्ट ने पूरी भर्ती प्रकिया रद कर दी है। नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर सकती है सरकार हालांकि कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि यदि वह चाहे तो भर्ती नियमों में बदलाव करके नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जो अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में आवेदन करने के योग्य होंगे, उन्हें आयु सीमा में छूट प्रदान की जाए। यह फैसला जस्टिस आलोक माथुर की एकल पीठ ने रवि कुमार शुक्ला व अन्य डिग्रीधारक इंजीनियरों की ओर से दाखिल रिट याचिकाओं को मंजूर करते हुए पारित किया। AAP सरकार पर हाईकोर्ट की टिप्पणी,के बीच ईमानदारी पर जताया संदेह एक आदेश को दी थी चुनौती डिग्रीधारी याचियों ने पुलिस भर्ती बोर्ड के 23 अप्रैल, 2024 के एक आदेश को चुनौती दी थी। कहा गया था कि रेडियो हेड ऑपरेटर/हेड ऑपरेटर मैकेनिक के पदों पर भर्ती के लिए विभाग ने छह जनवरी, 2022 को विज्ञापन निकाला था, जिसमें डिप्लोमाधारक इंजीनियरों या उनके समकक्ष अभ्यर्थियों को आवेदन करने का अधिकार दिया गया था। डिग्री की योग्यता डिप्लोमाधारकों से बड़ी गौरतलब है कि बोर्ड ने 25 अगस्त, 2021 को एक आदेश जारी कर कहा था कि डिग्रीधारक इंजीनियरों की योग्यता डिप्लोमाधारकों के समकक्ष है, जिस कारण छह जनवरी, 2022 के विज्ञापन के क्रम में बड़ी संख्या में डिग्रीधारकों ने भी आवेदन कर दिया। बाद में भर्ती प्रकिया जारी रहने के दौरान बोर्ड ने एक अप्रैल, 2024 को एक अन्य आदेश जारी कर कह दिया कि डिग्री की योग्यता डिप्लोमाधारकों से बड़ी है। बोर्ड ने फिर से 23 अप्रैल, 2024 को एक आदेश जारी कर कहा कि चार वर्षीय डिग्रीधारक इंजीनियर इस भर्ती प्रक्रिया में आवेदन के हकदार नहीं हैं। बोर्ड ने 23 अप्रैल, 2024 को आदेश जारी कर डिग्रीधारक इंजीनियरों को भर्ती में शामिल किए जाने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद याचियों ने हाई कोर्ट का रुख किया था। सारी परिस्थितियों पर गौर करने के बाद कोर्ट ने पाया कि मौजूदा नियमों के तहत केवल डिप्लोमाधारक ही आवेदन के हकदार थे। 75 प्रतिशत डिग्रीधारक हालांकि बोर्ड के अनावश्यक व बिना अधिकार हस्तक्षेप के कारण पूरी भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता ही संदेह के घेरे में आ गई है। कोर्ट ने कहा कि इस भर्ती प्रक्रिया में 75 प्रतिशत तो डिग्रीधारक हैं, जिन्हें आवेदन का अधिकार नहीं था। ऐसे में पूरी भर्ती प्रक्रिया नए सिरे से कराई जाए। शीघ्र कराई जाएगी भर्ती उप्र पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण का कहना है कि उच्च न्यायालय के आदेश का अध्ययन किया जा रहा है। शीघ्र अति शीघ्र भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। पिछली भर्ती में शामिल रहे डिप्लोमाधारकों के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा ऐसे समझें मामला 936 पदों पर भर्ती छह जनवरी, 2022 को निकाली गई 2015 की नियमावली के तहत केवल डिप्लोमाधारक इंजीनियर ही आवेदन करने के हकदार थे पुलिस भर्ती बोर्ड ने बीच में नियम बदलकर डिग्रीधारक इंजीनियरों को मौका दे दिया1 अप्रैल,2024 को बोर्ड ने कहा डिग्री की योग्यता डिप्लोमाधारकों से बड़ी है।

जिला हैंडबॉल के ट्रायल 20 जनवरी को

ग्रेटर नोएडा, । प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 30 जनवरी तक लखनऊ में होगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी लक्ष्य राज त्यागी ने बताया कि मलकपुर स्टेडियम में 20 जनवरी को जिला स्तरीय हैंडबॉल ट्रायल होंगे। इसमें 20 वर्ष कम आयु वर्ग के खिलाड़ी शामिल हो सकेंगे। ट्रायल में चयनित खिलाड़ी 21 जनवरी को मेरठ के कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होने वाले ट्रायल में भाग लेंगे। वहां बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में खेलतेनजर आएंगे। ट्रायल में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को जन्म प्रमाण पत्र के साथ आना होगा।

फ्रेश स्टार ने लीजेंड-11 को हराया

ग्रेटर नोएडा, । ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सेंचुरियन क्रिकेट मैदान पर चल रहे सेंचुरियन कप सीजन-11 में बुधवार को फ्रेश स्टार और विक्ट्री मास्टर लीजेंड-11 के बीच लीग मैच खेला गया। फ्रेश स्टार ने लीजेंड-11 को 38 रनों से पराजित किया। अमित वाधवा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी फ्रेश स्टार की टीम ने टी-20 मुकाबले में सात विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाए। बल्लेबाज विकास सिंह ने 69 रन और अमित वाधवा ने 30 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लीजेंड-11 की टीम 19.3 ओवर में दस विकेट के नुकसान पर 128 रन ही बना सकी। बल्लेबाज सूरज ने 33 रन की पारी खेली। फ्रेश स्टार की ओर से अमित वाधवा ने तीन विकेट और अनिल यादव ने दो विकेट हासिल किए।

फरीदाबाद में बेकाबू ईको वैन डिवाइडर से टकराई,चालक अंदर फंसा

फरीदाबाद, । फरीदाबाद के सोहना रोड पर बेसहारा पशु सामने आने से ईको वैन बेकाबू हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। जिससे ड्राइवर फंस गया। वहीं दो साथी सुरक्षित बाहर निकल गए। स्थानीय लोगों ने गेट काटकर ड्राइवर का बाहर निकाला। हादसा बुधवार देर रात दयाल अस्पताल के पास हुआ है। चश्मदीदों के अनुसार, हादसे के समय वैन में सवार तीनों युवक नशे की हालत में थे। ड्राइवर ने भी शराब पी रखी थी। स्थानीय लोगों ने फंसे हुए ड्राइवर को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि डिवाइडर पर रिफ्लेक्टर टेप नहीं लगा होने के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि इस डिवाइडर पर यह पहला हादसा नहीं है, यहां आए दिन ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने लोहे की सरियों और कटर का उपयोग कर ड्रावर को निकालने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों के साथ मिलकर ड्राइवर को बाहर निकाला।

नोएडा: हाइब्रिड मोड में स्कूल चलाने के आदेश जारी, ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी ने स्कूलों को हाइब्रिड मोड (फिजिकल और ऑनलाइन) पर चलाने के आदेश जारी किए हैं। इसके लिए बढ़ते प्रदूषण और धुंध को बड़ा कारण बताया गया है। जिलाधिकारी का यह आदेश प्री स्कूल से क्लास 9वीं तक और 11वीं के स्टूडेंट्स के लिए लागू होगा। अभिभावक व स्टूडेंट्स ऑनलाइन और ऑफलाइन क्लास का ऑप्शन चुन सकते हैं। जिलाधिकारी की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक, इस समय गौतमबुद्ध नगर का एक्यूआई खतरनाक श्रेणी में हैं। दरअसल, ठंड में हुई लंबी छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुलने का समय आया तो घने कोहरे और बढ़ती सर्दी की वजह से स्कूलों को ऑनलाइन मोड में डाल दिया गया था। उसके बाद 15 जनवरी को एक बार फिर सभी स्कूलों को खोलने का आदेश 14 जनवरी को दिया गया था। मौसम ने एक बार फिर करवट ली और 15 जनवरी को सुबह से ही घने कोहरे और बढ़ती ठंड को देखते हुए स्कूलों को हाइब्रिड मोड में चलाने का आदेश जारी किया गया। इस बार इस आदेश में प्रदूषण को भी मुख्य कारण बताया गया है। आदेश के मुताबिक, 14 जनवरी के लिए दिल्ली का एक्यूआई जो 275 बताया गया था, 15 जनवरी को उसमें अचानक से बढ़ोतरी हुई और घने कोहरे की स्थिति तथा तापमान में गिरावट होने के कारण एक्यूआई 386 दर्ज किया गया। आईएमडी ने अनुमान लगाया था कि एक्यूआई 400 पार कर सकता है। इसी को ध्यान में हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किया गया है। वायु गुणवत्ता खराब होने के कारण दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान स्टेज-4 और ग्रैप-4 प्रतिबंध फिर से लगाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी के आदेश में यह बताया गया कि गौतमबुद्ध नगर के सभी विद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि वे प्री स्कूल से लेकर कक्षा 9वीं तथा 11वीं कक्षा तक खराब वायु गुणवत्ता के कारण हाइब्रिड मोड में उनका संचालन करें।

फरीदाबाद : बारिश से बढ़ी ठंड, तापमान में गिरावट

गेहूं की फसल को फायदा; आगामी दिनों मौसम के साफ रहने के आसार

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में गुरुवार की सुबह हुई हल्की बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। बारिश के बाद तापमान 11 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। बारिश हो जाने से मौसम पूरी तरह से साफ हो गया है। लेकिन सर्दी बढ़ गई है। गुरुवार की सुबह करीब 4 बजे हल्की बारिश शुरू हो गई। बारिश थोड़े ही समय हुई। लेकिन थोड़ी सी बारिश ने ही मौसम का मिजाज बदल दिया। बारिश के कारण सर्दी बढ़ गई है। हल्की बारिश से किसानों की गेहूँ की फसल में फायदा होगा, क्योंकि किसान इस समय गेहूँ की फसल में पानी लगाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में बारिश से फसल में कम पानी देने की आवश्यकता रह गई है। वहीं बरसात के चलते शहरी क्षेत्रों में हालात खराब नजर आए, जगह-जगह जलभराव होने के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतें पेश आई वहीं यातायात भी कछुआ चाल से चलता नजर आया।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बनचारी गांव से शुरू किया रात्रि ठहराव कार्यक्रम

प्रात: किरण, संवाददाता

पलवल, । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शानुसार उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने बुधवार से बनचारी गांव से रात्रि ठहराव कार्यक्रमों की शुरूआत की, जिसमें पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन ने भी प्रमुखता से हिस्सा लिया। इस दौरान करीब 90 शिकायतें प्रस्तुत की गई, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत शिकायतों का मौके पर ही निवारण किया गया। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह बेहतरीन व्यवस्था की है, जिसके तहत पुलिस व प्रशासन के साथ विभागीय अधिकारी-कर्मचारी स्वयं ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए आये हैं। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार लोगों के घर द्वार पर जाकर ही उनकी समस्याओं की सुनवाई कर समाधान करवाया जा रहा है। ग्रामीणों को इसका पूर्ण लाभ उठाना चाहिए। रात्रि ठहराव से जमीनी स्तर पर समस्याओं की जानकारी व वास्तविक स्थिति का पता चलता है। इससे ग्रामीणों व अधिकारियों के बीच की दूरी खत्म होगी। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के साथ उन्हें सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। ग्रामीणों को विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाना चाहिए। गैरहाजिर अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए निर्देशरात्रि ठहराव कार्यक्रम में नदारद रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कड़ा संज्ञान लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये जायें। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में सभी अधिकारी हिस्सा लेकर प्रमुखता से ग्रामीणों की समस्याओं का निपटारा करें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए समाधान के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सरपंच सीताराम ने अधिकारियों के साथ गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला परिषद के सीईओ जितेंद्र कुमार, एसडीएम रणवीर सिंह, नगराधीश अप्रतिम सिंह, शुगर मिल के एमडी विकास यादव, डीएसपी कुलदीप सिंह, डीडीपीओ उपमा अरोड़ा आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

फरीदाबाद नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं भरने पर पांच यूनिट की सील

15 लाख प्रॉपर्टी टैक्स बकाया, मॉल की दुकानें और बैंक्वेट हॉल भी शामिल

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स के बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पांच कमर्शियल यूनिट को सील कर दिया है। इन यूनिटों पर कुल मिलाकर 15 लाख रुपए से अधिक का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया था। सील की संपत्तियों में छज्जन नगर और सेक्टर 12 स्थित दो मॉल की दुकानें, एक बैंक्वेट हॉल और सेक्टर 10 का एक गोदाम शामिल हैं। नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने सभी क्षेत्रीय और कर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बड़े बकायेदारों की संपत्तियों को तत्काल सील किया जाए, यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि निगम पहले ही इन संपत्ति मालिकों को नोटिस जारी कर चुका था, लेकिन उसके बावजूद टैक्स जमा नहीं किया गया। नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने नागरिकों से अपील की, कि वे समय पर प्रॉपर्टी टैक्स जमा करें, ताकि ऐसी कार्रवाई से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि यह टैक्स शहर के विकास के लिए लिया जाता है और समय पर टैक्स जमा होने से शहर का विकास बेहतर होगा। निगम प्रशासन का कहना है कि टैक्स न भरने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

अब सीएम को हाथ पकड़कर गंगा स्नान करवाएं दोनों उपमुख्यमंत्री , अखिलेश बोले- देश का सबसे बड़ा उपचुनाव होगा मिल्कीपुर

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि मिल्कीपुर में देश का सबसे बड़ा उपचुनाव होने जा रहा है। लोकतंत्र में ऐसा चुनाव नहीं देखा होगा। ये चुनाव पारदर्शी हो इसका उदाहरण सरकार पेश करे। दुनिया के लोग आकर देखें कैसे निष्पक्ष चुनाव होता है। हरिद्वार में गंगा स्नान करने के बाद सपा अध्यक्ष ने कहा कि अब मुख्यमंत्री को भी गंगा स्नान करवाने उनके दोनों डिप्टी सीएम ले जाएं। मिल्कीपुर में भी पैर उखड़ते नजर आ रहे अयोध्या से आए किसानों से पार्टी मुख्यालय में मिलने के बाद सपा मुखिया ने कहा कि मिल्कीपुर में भी इनके (भाजपा) पैर उखड़ते नजर आ रहे हैं। सरकार वहां भी वदीर्धारी लोगों को आगे कर देगी। यह सरकार समय समय पर लोगों को डराती है। उनके अधिकारी अन्याय करते हैं।

नोएडा से 4 छात्र लापता,CCTV फुटेज ने किया हैरान; पुलिस के सामने अब ये बड़ा सवाल

प्रात: किरण, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। वेस्ट स्थित बालक इंटर कॉलेज से गायब कक्षा 11वीं के चारों छात्रों को पुलिस तलाश करने में जुटी है। हालांकि अभी तक छात्रों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि रात में छात्रों ने कॉलेज से भागने की प्लानिंग की थी। इसके लिए मंगलवार की रात करीब डेढ़ बजे एक छात्र को जगाकर चारों छात्रों ने घड़ी भी मांगी थी। छात्र मुख्य गेट के बजाय कॉलेज की चारदीवारी फांदकर भागे हैं। स्कूल वार्डन से बृहस्पतिवार शाम को ईकोटेक तीन थाने में छात्रों की गुमशुदगी दर्ज कराई है। छात्र मंगलवार सुबह से गायब हैं-पीड़ित स्वजन का आरोप वहीं सूचना पर पीड़ित स्वजन भी कॉलेज पहुंच गए। पीड़ित स्वजन का आरोप है कि छात्र मंगलवार सुबह से गायब है। स्कूल प्रबंधन गुपचुप तरीके से उन्हें तलाश करता रहा। इससे पहले भी छात्र फरार हो चुके हैं, जिन्हें एक ढाबे से बरामद किया गया था। एसीपी थर्ड बीएस वीर कुमार ने बताया कि चारों छात्र कक्षा 11वीं में पढ़ते हैं। जिन्हें तलाश करने के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। जल्द छात्रों को बरामद कर लिया जाएगा। तीन कॉमर्स व एक साइंस का है छात्र गायब होने वाले छात्रों में तीन कॉमर्स व एक छात्र साइंस की पढ़ाई कर रहा है। चारों छात्र हॉस्टल के एक ही फ्लोर के अलग-अलग कमरों में रहते हैं। स्कूल प्रबंधन का दावा है कि सीसीटीवी फुटेज में बाहर जाने की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि स्कूल की छुट्टियों के बाद मंगलवार को ही दोबारा स्कूल खुले थे। बुधवार की सुबह चारों छात्रों ने हास्टल में अन्य बच्चों के साथ मेस में नाश्ता किया और उसके बाद उनका कुछ पता नहीं चला। पुलिस (Noid Police) बच्चों की तलाश करने के लिए अन्य छात्रों से भी पूछताछ कर रही है।

फरीदाबाद : कंपनी कर्मचारी बन युवक से की लाखों की धोखाधड़ी

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में साइबर ठगों ने युवक से दो लाख 79 हजार रुपए की धोखाधड़ी कर ली। आरोपियों ने खुद को कंपनी का कर्मचारी बताया और उसे ऑनलाइन नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में डबुआ कॉलोनी निवासी मनोज कुमार ने बताया कि घटना 31 दिसंबर की है, जब ठगों ने वॉट्सऐप और टेलीग्राम के जरिए मनोज से संपर्क किया। आरोपियों ने खुद को ह्यदेवयानी इंडिया लिमिटेडह्ल कंपनी का प्रतिनिधि बताया और ऑनलाइन जॉब का प्रस्ताव दिया। पहले उन्होंने मनोज से 10 हजार रुपए का निवेश करवाया और विश्वास जीतने के लिए 15 हजार रुपए वापस कर दिए। इसके बाद ठगों ने चार बार में 50-50 हजार रुपए जमा करवाए। जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो ठगों ने 4.92 लाख रुपए और जमा करने की मांग कर दी। उन्होंने रकम को दोगुना करने का लालच दिया। धोखाधड़ी का एहसास होने पर मनोज ने केस दर्ज कराया।

पलवल : बार एसोसिएशन ने केस वापिस लेने का पुलिस को सोमवार तक का दिया अल्टीमेटम

प्रात: किरण, संवाददाता

पलवल, । पलवल में जमीनी विवाद से जुड़े एक मामले में पलवल बार एसोसिएशन ने गुरूवार को बड़ा फैसला लिया। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अधिवक्ता कुलबीर तेवतिया और उनके परिजनों के खिलाफ दर्ज मुकदमा सोमवार तक वापस नहीं लिया गया, तो वकील हड़ताल पर चले जाएंगे। जिला बार एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रधान रविंद्र चौहान ने की। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सुनील डागर ने बताया कि तेवतिया और उनके परिजनों पर झूठा मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने मांग की है कि 25 दिसंबर और 6 जनवरी को थाना शहर में दी गई तेवतिया की शिकायत पर भी मुकदमा दर्ज किया जाए। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर सोमवार तक उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे एसपी के खिलाफ हड़ताल शुरू कर देंगे। इस दौरान कोर्ट का काम पूरी तरह से ठप रहेगा और पुलिस को जिला कोर्ट में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। साथ ही किसी भी वकील को इस मुकदमे में पैरवी करने की अनुमति नहीं होगी। यदि कोई वकील ऐसा करता है, तो उसकी बार की सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। बता दें कि मामला पातली खुर्द गांव का है, जहां 6 जनवरी को कथित भू-माफिया द्वारा शामलात भूमि पर अवैध निर्माण के विरोध में गए ग्रामीणों पर फायरिंग की गई थी। शिकायतकर्ता मनोज कुमार के अनुसार आरोपियों ने 40 से अधिक राउंड फायरिंग की थी। शिकायत में कहा गया था कि कुलबीर, शिव कुमार, तरुण व अन्य बदमाश चार-पांच गाड़ियों में हथियारों से लैस होकर आए थे, जिन्होंने ग्रामीणों को जान से मारने की नीयत से फिल्मी अंदाज में फायरिंग की। इस शिकायत पर शहर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था।

सैफ अली खान की सर्जरी सफल, एक्टर की टीम ने सभी डॉक्टरों का किया शुक्रिया

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । अभिनेता सैफ अली खान के स्वास्थ्य को लेकर उनकी टीम की तरफ से बयान जारी किया गया। बयान में कहा गया है कि अब अभिनेता खतरे से बाहर हैं। फिलहाल, वो अस्पताल में हैं और डॉक्टरों की एक टीम उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। बयान में आगे कहा गया कि अभिनेता की सर्जरी सफल हो चुकी है। वह अब बिल्कुल ठीक हैं। उन्हें किसी भी प्रकार का खतरा नहीं है। वहीं, अभिनेता की टीम ने उन डॉक्टरों का भी शुक्रिया किया, जिन्होंने इस सर्जरी को अंजाम दिया। अभिनेता की सर्जरी करने वालों में डॉ. नीरज उत्तमानी, डॉ. नितिन डांगे, और डॉ. लीना जैन शामिल हैं। इसके साथ ही टीम ने उन सभी फैंस का भी शुक्रिया अदा किया जो अभिनेता के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। टीम की तरफ से कहा गया है कि हम सभी आप लोगों की प्रार्थना के लिए अपनी तरफ से आभार प्रकट करते हैं। बता दें कि रात करीब दो-तीन बजे चोर ने अभिनेता पर धारदार हथियार से हमला किया था। इसके बाद अभिनेता को उपचार के लिए लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस हमले के संबंध में अभिनेता के परिजनों की तरफ से बयान भी सामने आया था, जिसमें कहा गया है कि एक्टर अब पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। अभिनेता पर चोर ने धारदार हथियार से हमला किया था, जिसका उन्होंने डटकर सामना किया था। यह घटना सुबह 2:15 बजे हुई जब चोर कथित तौर पर उनके बांद्रा स्थित घर में घुस आया और उनके घरेलू सहायक पर हमला किया। बेटे जेह के कमरे में हो रहे शोर से सैफ की नींद खुल गई। वह कमरे के अंदर गए और देखा कि अज्ञात शख्स उनके घरेलू सहायक से बहस कर रहा था। यह देखकर सैफ ने हस्तक्षेप किया, अपराधी से लड़े और निहत्थे घरेलू सहायक को बचाया। पुलिस ने इस हमले के संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस इस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। डीसीपी दीक्षित गेदाम ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि अभिनेता के ऊपर चाकू से हमला हुआ है, जिसके बाद हम घटनास्थल पर पहुंचे। अब हम इस मामले के विभिन्न पहलुओं से जांच कर रहे हैं। घटना के वक्त सैफ की पत्नी करीना घर पर ही थी।

फिल्म फतेह को लेकर सोनू सूद ने फैंस को कहा शुक्रिया

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने अपनी फिल्म फतेह को लेकर फैंस को शुक्रिया कहा है। सोनू सूद अभिनीत,निर्देशित और लिखित फतेह, हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है। यह फिल्म हाल हीं में रिलीज हुई है। सोनू सूद ने फिल्म फतेह के लिये अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म फतेह बनाने की इंस्पिरेशन पर बात करते दिखे। सोनू सूद ने वीडियो में कहा, जब फिल्म फतेह बनानी शुरू की थी तो यह महज एक मूवी नहीं थी, हर आम इंसान की कहानी थी, जो साइबर क्राइम से परेशान है। मुझे लगा कि यह कहानी बतानी जरूरी है। एक इंसान ने मुझे कहा था कि जब किसी गरीब आदमी के दो हजार रूपए निकल जाते हैं तो उसके बच्चों के भविष्य पर इसका असर होता है। फिल्म में भी एक किरदार है, जो साइबर क्राइम से परेशान होकर, सुसाइड करता है। फिल्म का यह किरदार एक सच्ची घटना से प्रेरित है। इसलिए जब मैं फिल्म फतेह की कहानी लिख रहा था तो लगा कि लोगों के लिए यह फिल्म बनानी है और इसका प्रॉफिट भी लोगों को ही देना है। सोनू सूद ने कहा,फिल्म फतेह को दर्शकों ने जो रेस्पॉन्स दिया है, उसके लिए दिल से शुक्रिया। फिल्म का हर टिकट जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला रहा है। हम सब मिलकर लोगों की जिंदगियां बदलेंगे। शक्ति सागर प्रोडक्शंस की सोनाली सूद, जी स्टूडियो के उमेश केआर बंसल और अजय धामा सह-निर्मित, फतेह साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक कहानी है। इस फिल्म में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह की भी अहम भूमिका है।

फिल्म बैदेही में नजर आयेगी काजल राघवानी और मनीष तिवारी की जोड़ी

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । ड्रीम लैंड एटरटेमेंट के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म बैदेही में काजल राघवानी और मनीष तिवारी की जोड़ी नजर आयेगी। मनीषा तिवारी ने बताया कि फिल्म बैदेही ,सिनेमा घरो मे दस्तक देने के लिये तैयार है। उन्होंने बताया कि फिल्म बैदेही बेजोड़ बनी है और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने वाली है। फिल्म बैदेही के निमार्ता अरुण कुमार पांडेय हैं, जबकि लेखक वीरू ठाकुर हैं। मनीष तिवारी ने बताया फिल्म बैदेही के ट्रेलर और रिलीज की तारीख जल्द ही घोषणा की जायेगी। उन्होंने कहा कि हमारी फिल्म गीत संगीत, इमोशन के साथ फिट हैं। दर्शकों से अपील होंगी की जब यह फिल्म रिलीज हो तो आप जरूर फिल्म देखे। निमार्ता ने दावा किया है कि फिल्म बैदेही ऐसी फिल्म होंगी, जो भोजपुरी सिनेमा की छवि को बदलने का काम करेगी।

एनटीआर जूनियर ने युवा प्रशंसक के दाउदी नृत्य को बेहद मनमोहक बताया

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । मैन ऑफ मास एनटीआर जूनियर ने अपने युवा प्रशंसक के दाउदी नृत्य को बेहद मनमोहक बताया है। एनटीआर जूनियर की फिल्म देवराः पार्ट 1 2024 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी, जिसमें न केवल एक मनोरंजक कहानी थी, बल्कि धमाकेदार गानों से भरी प्लेलिस्ट भी थी। ऐसा ही एक ट्रैक, दाउदी, हाल ही में एक युवा लड़के के अपने स्कूल के कार्यक्रम में ऊजार्वान नृत्य प्रदर्शन के वायरल होने के बाद फिर से सुर्खियों में आया। यह पल और भी खास हो गया जब एनटीआर जूनियर ने खुद वीडियो देखा। एक प्यारी सी टिप्पणी करते हुए, एनटीआर जूनियर ने इस प्रदर्शन को बेहद मनमोहक कहा, जिससे प्रशंसक उनके डाउन-टू-अर्थ स्वभाव के लिए और भी अधिक उनके दीवाने हो गए। संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने भी इसकी प्रशंसा की। उन्होंने दिल वाले इमोजी के साथ अपना प्यार दिखाया है। एनटीआर जूनियर और जान्हवी कपूर अभिनीत गाना दाउदी पहले से ही एक बड़ी हिट थी। अनिरुद्ध रविचंदर रचित और नकाश अजीज और अकासा के गाए गए तथा रामजोगय्या शास्त्री के बोलों के साथ, इस गाने ने दर्शकों को बांधे रखा। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को शुरू में फि ल्म की रिलीज से बाहर रखा गया था, लेकिन जब प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर इसे शामिल करने की मांग की, तो निमार्ताओं ने इसे फि ल्म में शामिल कर लिया।

रामचरण-कियारा की फिल्म गेम चेंजर ने भारतीय बाजार में 100 करोड़ से अधिक की कमाई की

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार राम चरण और बॉलीवुड अभिनेत्री किराया आडवाणी स्टारर पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा फिल्म गेम चेंजर ने भारतीय बाजार में 100 करोड़ रुपए से अधिक कमाई कर ली है। एस.शंकर के निर्देशन में बनी फिल्म गेम चेंजर 10 जनवरी को रिलीज हुई थी। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार गेमचेंजर ने 51 करोड़ रुपये से खाता खोला था। फिल्म ने दूसरे 21.6 करोड़ रुपये,तीसरे दिन 15.9 करोड़ रुपये, चौथे दिन 7.65 करोड़ रुपये और पांचवे दिन 10.19 करोड़ रुपये रुपए की कमाई की है। इस तरह यह फिल्म पांच दिनो में 106.34 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। राम चरण ने पोंगल और मकर संक्रांति के मौके पर सोशल मीडिया पर लिखा,डियर फैंस, ऑडियंस और मीडिया इस संक्रांति पर गेम चेंजर में हमने जो कड़ी मेहनत की है, उसे सार्थक बनाने के लिए मेरा दिल कृतज्ञता से भर गया है। मैं पूरी कास्ट, क्रू और पर्दे के पीछे के सभी लोगों का दिल से आभार जताता हूं, जिन्होंने फिल्म की सफलता में योगदान दिया।आपका अटूट प्यार और समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आपके प्रोत्साहन और अच्छे रिव्यूज के लिए मीडिया का खासतौर पर धन्यवाद, जिसने इस मील के पत्थर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रामचरण ने लिखा,जैसा कि हम पॉजिटिविटी के साथ 2025 का स्वागत करते हैं, मैं वादा करता हूं कि मैं ऐसे प्रदर्शन करना जारी रखूंगा जो आपको गर्व से भर दे। गेम चेंजर हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा। आपके अनकंडीशनल प्यार के लिए धन्यवाद। आपको और आपके प्रियजनों को एक खुशहाल संक्रांति और आने वाले शानदार साल की शुभकामनाएं। शंकर सर, इस अवसर को मुझे देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हैप्पी संक्रांति।

माही श्रीवास्तव और गोल्डी यादव का लोकगीत सासुजी के हार्ट अटैक रिलीज

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । अभिनेत्री माही श्रीवास्तव और गायिका गोल्डी यादव का लोकगीत सासुजी के हार्ट अटैक रिलीज हो गया है। माही श्रीवास्तव और गोल्डी यादव की जोड़ी में नया भोजपुरी लोकगीत सासुजी के हार्ट अटैक वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। यह लोकगीत बहू का सास के प्रति प्यार पर आधारित है। इस सांग के वीडियो में दिखाया गया है कि बहू बनी माही श्रीवास्तव की सास उसकी बात नहीं मान रही है, जबकि वह अपने सास की हर वक्त ख्याल रखती है और खाने में परहेज पर ध्यान रखती है। उसकी सास अपने मन की करती रहती है। इस पर वह अपनी सास की परेशानी अपने पति को फोन पर बता रही है और दिल्ली से वापस घर आने को कह रही है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत गाना सासुजी के हार्ट अटैक के निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं। इस गीत को गोल्डी यादव ने सुरीली आवाज में गाया है। इसके वीडियो में माही श्रीवास्तव हैं।इस गाने को आशुतोष तिवारी ने लिखा है,जबकि संगीतकार आर्या शर्मा हैं। वीडियो डायरेक्टर वर्ल्डवाइड प्रोडक्शन, डीओपी राजन वर्मा, कोरियोग्राफर योगेश, एडिटर आलोक गुप्ता हैं। डीआई रोहित सिंह, पोस्ट प्रोडक्शन पंकज सोनी ने किया है। इस गाने का ऑल राइट वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

सैफ अली खान पर हमला, घटना के वक्त घर पर ही थीं करीना कपूर

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर जानलेवा हमले से सब स्तब्ध हैं। एक्टर की टीम ने आधिकारिक बयान में प्रशंसकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। हमले के वक्त सैफ की पत्नी करीना कपूर घर पर ही मौजूद थीं। सूत्रों के अनुसार, करीना एक पार्टी अटेंड कर गुरुवार रात 1:30 बजे घर लौटी थीं। यह घटना रात 2:15 बजे हुई, जब चोर कथित तौर पर उनके बांद्रा स्थित घर में घुस आया और उनके घरेलू सहायक पर हमला किया। इस दौरान कथित तौर पर सैफ ने बीच-बचाव किया। सैफ पर छह बार चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया। जिनमें से दो जख्म गहरे हैं जो उनकी रीढ़ की हड्डी के करीब लगे हैं। एक्टर को मुंबई के बांद्रा इलाके में लीलावती अस्पताल ले जाया गया। मुंबई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। कथित तौर पर तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। करीना की टीम ने भी एक बयान जारी कर प्रशंसकों और मीडिया से धैर्य रखने और अटकलों से बचने का अनुरोध किया है, क्योंकि पुलिस वर्तमान में सैफ अली खान के चाकू घोंपने के मामले की जांच कर रही है। एक्ट्रेस की टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा गया,कल रात सैफ अली खान और करीना कपूर खान के घर में चोरी की कोशिश की गई। वह अस्पताल में हैं और उनका इलाज चल रहा है। परिवार के बाकी सदस्य ठीक हैं। हम मीडिया और प्रशंसकों से अनुरोध करते हैं कि वे धैर्य रखें और आगे कोई अटकलें न लगाएं क्योंकि पुलिस पहले से ही अपनी जांच कर रही है। एक सूत्र ने दावा किया कि सैफ ने अपने परिवार की रक्षा के लिए निहत्थे ही चोर से भिड़ गए। आधी रात में हुई इस घटना के दौरान उन्होंने डटकर मुकाबला किया और परिवार को नुकसान पहुंचने से बचाया।

एलए फायर की तबाही से दुखी हैं हॉलीवुड स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो, 1 मिलियन डॉलर का किया दान

प्रात: किरण,/ एजेसी

लॉस एंजेल्स, । हॉलीवुड स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो लॉस एंजेल्स को विनाशकारी जंगल की आग से उबरने में मदद के लिए 1 मिलियन डॉलर का दान दे रहे हैं। पीपुल डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्कर विजेता ने बुधवार, 15 जनवरी को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर घोषणा की कि वह राहत प्रयासों के लिए 1 मिलियन डॉलर दान कर रहे हैं। उन्होंने लिखा,लॉस एंजेल्स के जंगल की आग हमारे शहर को तबाह कर रही है। मैं रैपिड रिस्पांस प्रोग्राम में साझेदारी कर रहा हूं। इस मद में 1 मिलियन डॉलर देने का ऐलान करता हूं, ताकि तात्कालिक जरूरतों और आग के बाद की रिकवरी के प्रयासों में मदद मिल सके। अभिनेता ने कहा, एलए फायर डिपार्टमेंट फाउंडेशन, कैलिफोर्निया फायर फाउंडेशन, वर्ल्ड सेंट्रल किचन, कैलिफोर्निया कम्युनिटी फाउंडेशन, पासाडेना ह्यूमेन सोसाइटी और सोकल फायर फंड को इससे मदद मिलेगी। ये फ्रंटलाइन संगठन हैं जो वहां पर काम कर रहे मददगारों और अग्निशामकों, जानवरों और समुदायों को बहुत जरूरी संसाधन प्रदान करते हैं। डिकैप्रियो, जो एलए में पले-बढ़े हैं, ने री:वाइल्ड की सह-स्थापना की है। उन्होंने लिखा कि इसका रैपिड रिस्पांस प्रोग्राम पर्यावरणीय आपदाओं और आपात स्थितियों का जवाब देने के लिए अद्वितीय रूप से तैयार किया गया है। 7 जनवरी को लगी जंगल की आग एलए के इतिहास में सबसे विनाशकारी बन गई है, जिसमें हजारों लोग विस्थापित हुए हैं और वर्तमान में मरने वालों की संख्या 25 है। इससे पहले 9 जनवरी को जेमी ली कर्टिस के परिवार ने आपदा राहत प्रयासों के लिए 1 मिलियन डॉलर दान करने का फैसला लिया था। उन्होंने कहा, हमारे महान शहर और राज्य और वहां रहने वाले और प्यार करने वाले महान लोगों के लिए ये एक प्रयास है। जेनिफर गार्नर, जेसिका अल्बा, हैली बेरी और कई सितारों ने आग से प्रभावित परिवारों की मदद करने के लिए स्वेच्छा से मदद पहुंचाई है। ग्रैमी विजेता बेयोंसे अपने बेगुड चैरिटी फाउंडेशन के माध्यम से लॉस एंजेल्स की आग से प्रभावित लोगों की मदद कर रही हैं। वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, चैरिटी फाउंडेशन ने नुकसान झेलने वाले परिवारों को पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए 2.5 मिलियन डॉलर दान करने की बात कही है।

अनुपमा के आने वाले एपिसोड्स में काफी इमोशनल ड्रामा देखने को मिलेगा: शिवम खजूरिया

मुंबई, । स्टार प्लस का लोकप्रिय सीरियल अनुपमा में प्रेम का किरदार निभा रहे शिवम खजुरिया ने कहा कि इस शो में आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को काफी इमोशनल ड्रामा देखने को मिलेगा। शिवम खजुरिया ने कहा, शो अनुपमा का लेटेस्ट प्रोमो एक झलक देता है, उस दमदार ड्रामा की, जो अनुपमा, राही और प्रेम की जिंदगी में खुलने होने वाला है। प्रोमो में एक चौंकाने वाला सच सामने आता है। प्रेम का परिवार कोई और नहीं, बल्कि कोठारी परिवार है। उनके माता-पिता पराग कोठारी और ख्याति कोठारी हैं। ये खुलासा अनुपमा और राही के लिए बड़ा सरप्राइज है, क्योंकि इससे पहले प्रेम ने खुद को अनाथ बताया था। प्रेम के परिवार का सच सामने आने से तीनों के बीच रिश्तों में गहरा बदलाव आ सकता है। अनुपमा, जो हमेशा प्रेम की सच्चाई और उसके रिश्ते को समझती थीं, अब इस नई जानकारी के बाद अपनी सोच को नया रूप देने को मजबूर होंगी। शिवम खजूरिया ने कहा,प्रेम ने जो सच छिपाया था, उसका कोई न कोई कारण था, और अब ये नया मोड़ उनके जीवन में नई मुश्किलें लेकर आएगा।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी सिनेमा लवर डे, 17 जनवरी के अवसर पर 99 रुपए में दिखायी जायेगी

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म सिनेमा लवर डे, 17 जनवरी के अवसर पर 99 रुपए में दिखायी जायेगी। इस शुक्रवार यानी 17 जनवरी को सिनेमा लवर डे मनाया जाएगा। इस दिन देशभर में ज्यादातर सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में 99 रुपये में फिल्म दिखाया जाएगा।कंगना रनौत की बहुप्रतीक्षित राजनीतिक ड्रामा इमरजेंसी 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसकी टिकट की कीमत सिर्फ.रिलीज के दिन 99 रुपए है। जी स्टूडियोज और मणिकर्णिका फि ल्म्स निर्मित, ह्यइमरजेंसीह्न की कहानी वर्ष 1975 पर आधारित है, जब भारत में इमरजेंसी लागू हुई थी। इस फिल्म में कंगना रनौत, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आयेंगी। फिल्म ह्यइमरजेंसीह्न में कंगना रनौत के अलावा अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन,श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कंगना ने इमरजेंसी में अभिनय करने के साथ ही फिल्म का निर्माण और निर्देशन भी किया है।इमरजेंसी में अनुपम खेर जयप्रकाश नारायण,श्रेयस तलपड़े अटल बिहारी वाजपेयी, मिलिंद सोमन फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ,महिमा चौधरी पुपुल जयकर ,विशाक नायर संजय गांधी,और दिवंगत सतीश कौशिक जगजीवन राम के किरदार में नजर आयेंगे।

30 साल बाद नए अंदाज में रिलीज होगी फिल्म बाशा

मुंबई, । फिल्म बाशा को रिलीज हुए 30 साल हो चुके हैं। सुपरस्टार रजनीकांत की इस आइकॉनिक फिल्म को नए अंदाज में बड़े पर्दे पर दोबारा रिलीज किया जाएगा। यह रिलीज सत्या मूवीज की 60वीं वर्षगांठ और रजनीकांत के फिल्मी करियर के 50 शानदार साल पूरे होने का भी जश्न है। निमार्ता फिल्म को डॉल्बी एटमॉस सराउंड साउंड और 4के रेजोल्यूशन के साथ पेश करेंगे, जो दर्शकों को बिल्कुल नई रिलीज फिल्म का अनुभव देगा। बाशा के इस वर्जन को सत्या मूवीज के बैनर तले आरएम वीरप्पन के बेटे थंगराज वीरप्पन रिलीज करेंगे। सुरेश कृष्ण द्वारा निर्देशित और आरएम वीरप्पन द्वारा निर्मित यह फिल्म 1995 में रिलीज हुई थी और भारतीय सिनेमा में एक्शन फिल्मों की नई शैली की शुरूआत मानी जाती है। यह फिल्म 15 महीने तक सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चली, जो इसे रजनीकांत के करियर की सबसे बड़ी हिट्स में से एक बनाती है। बाशा एक गैंगस्टर की कहानी है, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया। रजनीकांत का प्रसिद्ध डायलॉग, नान ओरु थडावा सोन्ना, नूरु थडावा सोन्ना मथिरी (मैं जो एक बार कहता हूं, वह 100 बार कहने जैसा है), आज भी फैंस के बीच उतना ही लोकप्रिय है। यह डायलॉग मीम्स और मीम्स की दुनिया में धूम मचा रहा है। फिल्म में रजनीकांत और नगमा के अलावा, रघुवरन, चरणराज, आनंदराज, जनागराज, विजयकुमार, और युवरानी जैसे कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय किया है। फिल्म के निमार्ताओं ने अभी तक नई रिलीज की तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन यह खबर पहले से ही फैंस के बीच उत्साह बढ़ा रही है। बाशा की दोबारा रिलीज न केवल रजनीकांत के प्रशंसकों के लिए, बल्कि भारतीय सिनेमा के लिए भी एक ऐतिहासिक पल होगा।

दिन से रात तक शूटिंग में व्यस्त परिणीति चोपड़ा बोलीं- ये थकान रियल है

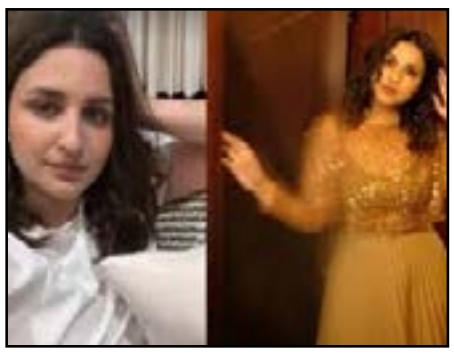

मुंबई, । कई दिनों तक रात में शूटिंग करने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अब दिन में शूटिंग करना शुरू कर दिया है। परिणीति ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक सेल्फी शेयर की है, जिसमें वह सफेद रंग की टी-शर्ट और चेकर्ड पायजामा पहने हुए हैं। अभिनेत्री कैमरे की तरफ देखती हुई नजर आ रही हैं। अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने लिखा,रात की शूटिंग से दिन की शिफ्ट में आना ये थकान रियल है। 14 जनवरी को अभिनेत्री नेटफ्लिक्स के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त है। उन्होंने अपने कार्यक्रम के बारे में ताजा जानकारी पोस्ट की। उन्होंने सेट से एक बीटीएस तस्वीर साझा करते हुए लिखा, रात की शूटिंग की हलचल जारी है। स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास की चचेरी बहन ने रात के आसमान के साथ एक ऑटोरिक्शा की तस्वीरें भी पोस्ट की। परिणीति की स्टोरी में उनकी वैनिटी से एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें लिखा था,वैन के अंदर से ही। इस बीच उनकी आखिरी पोस्ट एक गर्म पानी की थैली के साथ थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा था,मेरे बिना कभी नहीं ह्व इससे पहले परिणीति चोपड़ा ने बांद्रा वर्ली सी लिंक पर शूट से एक तस्वीर शेयर की थी, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था,दूसरा शेड्यूल शुरू हो रहा है। आज क्यूट लोकेशन है ह्व सूत्रों के मुताबिक, अभिनेत्री फिलहाल अनटाइटल्ड ड्रामा के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग कर रही हैं। प्रोजेक्ट के कलाकारों और क्रू के बारे में कोई भी अन्य जानकारी अभी तक सुर्खियों से दूर रखी गई है। परिणीति अनुराग सिंह की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर सनकी का भी हिस्सा होंगी। अभिनेत्री वरुण धवन के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। फिल्म एक पुलिस अधिकारी की कहानी साझा करेगी जो एक मामले की जांच के दौरान एक दुर्घटना के बाद सेवानिवृत्त हो जाता है। इसके अलावा वह करण शर्मा की फिल्म शिद्दत 2 में भी काम कर रही हैं। इस फिल्म में सनी कौशल, अमायरा दस्तूर, मोहित रैना, डायना पेंटी, अर्जुन सिंह और राधिका मदान भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

सुरभि ज्योति ने गुनाह सीजन 2 की शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताया

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । अभिनेत्री सुरभि ज्योति ने गुनाह सीजन 2 की शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताया है। डिज्नी+ हॉटस्टार की बहुचर्चित सीरीज गुनाह का दूसरा सीजन अब स्ट्रीमिंग पर उपलब्ध है। इस सीरीज में मुख्य भूमिकाओं में अभिमन्यु (गश्मीर महाजनी), तारा (सुरभि ज्योति), जेके (दर्शन पंड्या), और माइकल (शशांक केतकर) हैं। गुनाह सीजन 2 भावनाओं और दमदार कहानी का एक रोलरकोस्टर सफर है, जो इस जॉनर के फैंस के लिए देखने लायक है। सुरभि ज्योति ने गुनाह सीजन 2 की शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताया है।सुरभि ज्योति ने कहा, किसी कहानी का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि आप खुद यह मानें कि किरदार के कार्य उचित हैं। यदि आपको खुद ही यकीन नहीं होगा, तो दर्शक स्क्रीन पर दिखाए गए एक्शन और भावनाओं पर सवाल उठाएंगे। अभिनय में अक्सर अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं और किरदार की सोच के बीच संतुलन बनाना पड़ता है, लेकिन यह समझना बेहद जरूरी है कि किरदार अपने कार्यों को सही क्यों मानता है। भावनात्मक सीन थकाने वाले हो सकते हैं, और कई बार सुरभि के रूप में मैं किरदार के किए हुए फैसलों से सहमत नहीं होती। लेकिन यही अभिनय की खूबसूरती है।कई जीवन जीना और उन्हें पूरी तरह महसूस करना।

संक्षिप्त खबरें

जियो प्लेटफॉर्म्स ने वेब3 प्रौद्योगिकी में प्रवेश के लिए पॉलीगॉन लैब्स के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, । जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) ने भारत में वेब3 प्रौद्योगिकी में अपनी शुरूआत के लिए पॉलीगॉन प्रोटोकॉल्स की डेवलपर शाखा पॉलीगॉन लैब्स के साथ साझेदारी की है। पॉलीगॉन लैब्स ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस साझेदारी के तहत जियो प्लेटफॉर्म्स अपने 45 करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए आरआईएल समूह की कंपनी के स्वामित्व तथा संचालन वाले अपने कुछ मौजूदा अनुप्रयोगों व सेवाओं में वेब3 क्षमताओं को जोड़ने की योजना बना रहा है। जेपीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) किरण थॉमस ने कहा, पॉलीगॉन लैब्स के साथ जुड़ना डिजिटल उत्कृष्टता की दिशा में जियो की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम वेब3 की असीम संभावनाओं का पता लगाने और अपने उपयोगकताओं को अद्वितीय डिजिटल अनुभव प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं।

डबलिन स्थित इंस्पेक एआई ने बेंगलुरु में कार्यालय खोलकर भारतीय बाजार में किया प्रवेश

नई दिल्ली, । डबलिन मुख्यालय वाले एआई-सुरक्षा स्टार्टअप इंस्पेक एआई ने बेंगलुरु में अपना पहला कार्यालय खोलकर भारतीय बाजार में प्रवेश की बृहस्पतिवार को घोषणा की। कंपनी के बयान के अनुसार, कार्यालय में 25 कर्मचारी हैं। अगले कुछ महीनों में इंजीनियरिंग (सॉफ्टवेयर व सेवा), संचालन व ग्राहक-सामना करने वाली भूमिकाओं में अतिरिक्त 50 कर्मचारियों की नियुक्ति करने की योजना है। यह कंपनी का तीसरा वैश्विक कार्यालय है। कंपनी के डबलिन और लंदन में भी कार्यालय हैं। अपूर्व कुमार तथा रामानुजम मचरला विजयकुमार ने 2023 इसकी स्थापना की थी। इंस्पेक एआई डेवलपर को अपने एंटरप्राइज एआई अनुप्रयोगों में एआई को सुरक्षित तथा जिम्मेदारी से एकीकृत करने में मदद करने के लिए ह्यएलएलएम ऑप्सह्न मंच प्रदान करती है। साथ ही साथ इन अनुप्रयोगों में सुधार भी करती है।

इस साल भारत में इंटरनेट यूजर्स की संख्या पहुंचेगी 900 मिलियन के पार, एआई साबित होगा गेमचेंजर

नई दिल्ली, । डिजिटल कंटेंट के लिए इंडिक भाषाओं के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से भारत में इंटरनेट यूजर बेस 2025 तक 900 मिलियन को पार कर जाएगा। गुरुवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारत में एक्टिव इंटरनेट यूजर्स की संख्या 2024 में 886 मिलियन तक पहुंच गई, जो सालाना आधार पर 8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि को दशार्ता है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमआई) और कंतार की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण भारत इस मामले में पीछे नहीं है। 488 मिलियन यूजर्स के साथ वह काफी आगे है और कुल इंटरनेट आबादी का 55 प्रतिशत हिस्सा यहां बसता है। लगभग सभी इंटरनेट यूजर्स (98 प्रतिशत) ने इंडिक भाषाओं में कंटेंट का इस्तेमाल किया, जिसमें तमिल, तेलुगू और मलयालम अपनी व्यापक उपलब्धता के कारण सबसे लोकप्रिय बनकर उभरे। रिपोर्ट के अनुसार, शहरी इंटरनेट यूजर्स में से आधे से अधिक (57 प्रतिशत) क्षेत्रीय भाषाओं में कंटेंट का उपभोग करना पसंद करते हैं, जो विभिन्न प्लेटफार्मों पर स्थानीय भाषा के कंटेंट की बढ़ती मांग को दशार्ता है।

दिसंबर 2024 में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान निर्यात में 35 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली, । वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2024 में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 35.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2023 के इसी महीने में 2.65 बिलियन डॉलर से बढ़कर दो साल के उच्चतम स्तर 3.58 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यह उच्च मूल्य वाले भारतीय सामानों की विदेशी मांग में वृद्धि और घरेलू उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि को दशार्ता है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, दिसंबर 2024 में इलेक्ट्रॉनिक सामान का निर्यात पिछले 24 महीनों में अब तक का सबसे अधिक रहा है। केंद्र की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की सफलता से प्रेरित होकर देश में नई मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी सामने आने के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स सामान भारत के निर्यात बास्केट में सबसे तेजी से बढ़ने वाले सेगमेंट के रूप में उभरे हैं।

सराफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी के बढ़े भाव

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । एक दिन की मामूली गिरावट के बाद घरेलू सराफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है।

आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये से लेकर 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये से लेकर 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है।

इस तेजी के कारण दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में उछाल आया है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ खुला शेयर बाजार, मुनाफा वसूली के बावजूद बढ़त बरकरार

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन मजबूती का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली का दबाव भी बनता हुआ नजर आया, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल धीमी पड़ती गई। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करते रहे। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। ह्लशुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, अडाणी पोर्ट्स, श्रीराम फाइनेंस और अडाणी इंटरप्राइजेज के शेयर 10.57 प्रतिशत से लेकर 2.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, एचसीएल टेक्नोलॉजी और ब्रिटानिया के शेयर 2.09 प्रतिशत से लेकर 1.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,318 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,047 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 271 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 9 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 595.42 अंक उछल कर 77,319.50 अंक के स्तर पर खुला। कुछ देर तक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार करने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव के बावजूद खरीदारी होते रहने के कारण ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बना रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 235.96 अंक की तेजी के साथ 76,960.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 164.05 अंक की तेजी के साथ 23,377.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 23,391.65 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 94.70 अंक की बढ़त के साथ 23,307.90 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 224.45 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,724.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 37.15 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,213.20 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ 86.44 डॉलर पर

रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर बंद हुआ था

मुंबई, । अमेरिकी मुद्रा में मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया गुरुवार को शुरूआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 86.44 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि, सकारात्मक घरेलू बाजारों ने भारतीय मुद्रा में गिरावट को सीमित रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.42 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 86.44 पर फिसल गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे की गिरावट दशार्ता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 108.96 पर रहा।

शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद किया जाएगा : संस्थापक

नई दिल्ली, । हिंडनबर्ग रिसर्च के संस्थापक नेट एंडरसन ने शॉर्ट सेलर फर्म को बंद करने की घोषणा की है। अपने बयान में एंडरसन ने कहा, कोई एक खास बात नहीं है - कोई खास खतरा नहीं, कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं और कोई बड़ा व्यक्तिगत मुद्दा नहीं। किसी ने एक बार मुझसे कहा था कि एक निश्चित समय पर एक सफल करियर एक स्वार्थी काम बन जाता है। आर्थिक अशांति पैदा करने के लिए निहित स्वार्थों के इशारे पर शॉर्ट-सेलर फर्म ने भारत सहित दुनिया भर के कई शीर्ष कॉर्पोरेट नेताओं को निशाना बनाया था, अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक पत्र में, एंडरसन ने कहा कि तीव्रता और फोकस ह्लबाकी दुनिया और उन लोगों को खोने की कीमत पर आया है जिनकी मुझे परवाह है। अब मैं हिंडनबर्ग को अपने जीवन का एक अध्याय मानता हूं, न कि एक केंद्रीय चीज जो मुझे परिभाषित करती है ह्व उन्होंने लिखा, ह्वजैसा कि मैंने पिछले साल के अंत से परिवार, दोस्तों और हमारी टीम के साथ साझा किया था, कुछ अंतिम विचारों और पोंजी स्कीम्स पर काम करने के सुझाव रेगुलेटर्स से साझा करने के बाद हम हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद कर रहे हैं।,ह्व हिंडनबर्ग के संस्थापक ने आगे कहा कि अभी के लिए, ह्वमैं यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा कि हमारी टीम के सभी लोग उस जगह पर पहुंचें जहां वे आगे बढ़ना चाहते हैंह्व। उन्होंने कहा, ह्वकुछ लोग अपनी खुद की शोध फर्म शुरू करने जा रहे हैं, जिसे मैं दृढ़ता से और सार्वजनिक रूप से प्रोत्साहित करूंगा, भले ही मैं इसमें कोई व्यक्तिगत भागीदारी नहीं करूंगा। हमारी टीम में अन्य लोग हैं जो अब स्वतंत्र एजेंट हैं - इसलिए अगर आपको किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो प्रतिभाशाली, केंद्रित और काम करने में आसान हो, तो बेझिझक मुझसे संपर्क करें, क्योंकि वे सभी हैं,ह्व अगले छह महीनों में, एंडरसन अपने ह्वमॉडल के हर पहलू को ओपन-सोर्स करनेह्व के लिए सामग्री और वीडियो की एक श्रृंखला पर काम करने की योजना बना रहे हैं।

निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू होगा

वाणिज्यिक वाहनों से आता है टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली, । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू करने की योजना बना रही है। एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि टोल संग्रह बूथ गांवों के बाहर बनाए जाएंगे। टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा वाणिज्यिक वाहनों से आता है। हम निजी वाहनों के लिए मासिक या वार्षिक पास शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुल टोल संग्रह में निजी वाहनों की हिस्सेदारी केवल 26 प्रतिशत है, इसलिए सरकार को कोई नुकसान नहीं होगा। गडकरी ने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुरूआत में राष्ट्रीय राजमार्गों पर फास्टैग के साथ एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में बाधा रहित वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने का फैसला किया है। ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली वर्तमान टोल संग्रह प्रणाली से बेहतर होगी। पिछले साल जुलाई में गडकरी ने कहा था कि जीएनएसएस आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के संबंध में कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-275 के बेंगलुरु-मैसुरु खंड और हरियाणा में एनएच-709 के पानीपत-हिसार खंड पर एक प्रायोगिक अध्ययन किया गया है। इस कदम का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना और राजमार्गों पर यात्रा के लिए सटीक दूरी के आधार पर शुल्क लेना है। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान टोल प्लाजा पर वाहनों के लिए औसत प्रतीक्षा समय आठ मिनट था। वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान फास्टैग की शुरूआत के साथ वाहनों का औसत प्रतीक्षा समय घटकर 47 सेकंड रह गया है। यद्यपि कुछ स्थानों पर, विशेषकर शहरों के निकट घनी आबादी वाले कस्बों में प्रतीक्षा समय में काफी सुधार हुआ है, फिर भी व्यस्त समय के दौरान टोल प्लाजा पर कुछ देरी होती है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। अमेरिका में महंगाई की दर अनुमान से कम रहने की वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट में उत्साह बना रहा। रिटेल महंगाई के आंकड़ों से उत्साहित डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान 703 अंक उछल गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 106.93 अंक यानी 1.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,949.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 466.23 अंक यानी 2.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,510.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 43,320.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 1.20 प्रतिशत उछल कर 8,301.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,474.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 303.35 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,574.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर तेजी बनी हुई है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक बिकवाली के दबाव का सामना करते हुए लाल निशान में पहुंचा हुआ है। सेट कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,350.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 109.50 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,371.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.66 प्रतिशत उछल कर 3,797.55 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में आज जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 533.37 अंक यानी 2.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,047.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,523.46 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की उछाल के साथ 38,533.60 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 159.61 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,445.68 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,131.36 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,233.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एनपीसीआई इंटरनेशनल ने मैग्नाटी संग की साझेदारी, पश्चिम एशियाई देश में मिलेगी यूपीआई सुविधा

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय शाखा एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) बेस्ड भुगतान समाधान प्रदाता ह्यमैग्नाटीह्न के साथ रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया है। इस साझेदारी के तहत पश्चिम एशियाई देश में आने वाले भारतीयों को लेनदेन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल करने की सुविधा दी जाएगी। एनआईपीएल के अनुसार, फिनटेक फर्म मैग्नाटी के सहयोग से यूएई में पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) टर्मिनलों के जरिए क्यूआर बेस्ड यूपीआई मर्चेंट पेमेंट संभव हो सकेगा। इस साझेदारी के साथ, एनआईपीएल हर साल दुबई और यूएई की यात्रा करने वाले 1.20 करोड़ से अधिक भारतीयों को आसान भुगतान विकल्प प्रदान कर सकता है। ग्लोबल पेमेंट नेटवर्क में भारतीय समाधान को जोड़ने के साथ यूएई के व्यापारी बढ़ते भारतीय ग्राहक बेस को अपनी सेवाएं देते हुए फायदा उठा सकेंगे। यह साझेदारी शुरू में दुबई ड्यूटी फ्री में यूपीआई स्वीकृति प्रदान करेगी, जिससे भारतीय टूरिस्ट का शॉपिंग और पेमेंट एक्सपीरियंस बेहतर होगा। इस कदम के साथ रिटेल, आतिथ्य, परिवहन, सुपरमार्केट जैसी प्रमुख मर्चेंट कैटेगरी में भविष्य के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा। यूपीआई को दुनिया की सबसे सफल रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम में से एक माना जाता है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा हाल ही में दी गई जानकारी के अनुसार, यूपीआई के जरिए लेनदेन की संख्या दिसंबर में मासिक आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर नए रिकॉर्ड स्तर 16.73 अरब पर आ गई। दिसंबर में यूपीआई ट्रांजैक्शन की वैल्यू मासिक आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 23.25 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो कि नवंबर में 21.55 लाख करोड़ रुपये थी। वहीं, पूरे 2024 के लिए यूपीआई लेनदेन की संख्या 2023 में 118 अरब की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत बढ़कर 172 अरब हो गई है। इस दौरान यूपीआई लेनदेन की वैल्यू 35 प्रतिशत बढ़कर 247 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो कि 2023 में 183 लाख करोड़ रुपये थी।

स्मार्टफोन निर्यात के 20 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । भारत का चालू वित्त वर्ष में स्मार्टफोन निर्यात का आंकडा 20 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। भारतीय स्मार्टफोन बाजार इस साल नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर है, जिसमें कुल वैल्यू 50 अरब डॉलर पार करने का अनुमान है। इस वृद्धि का मुख्य कारण मेड इन इंडिया आईफोन का निर्यात बढ़ना है। वित्त वर्ष 2024 में भारत का कुल स्मार्टफोन निर्यात 15 अरब डॉलर था, जिसमें एप्पल का योगदान करीब 10 अरब डॉलर रहा। प्रीमियम स्मार्टफोन की बढ़ती मांग और स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग पर जोर देने से भारत में एप्पल और सैमसंग जैसी कंपनियां निर्यात में अग्रणी बनी हुई हैं। इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक, इस वित्त वर्ष में निर्यात 20 अरब डॉलर को पार कर सकता है। सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को जबरदस्त प्रोत्साहन दिया है। इसके परिणामस्वरूप, कैलेंडर वर्ष 2024 में एप्पल का भारत से आईफोन निर्यात 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को छू गया। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले चार वर्षों में एप्पल इकोसिस्टम ने 1.75 लाख नई नौकरियां पैदा की हैं, जिनमें 72प्रतिशत पद महिलाओं द्वारा भरे गए हैं। 2014-15 में भारत में 5.8 करोड़ मोबाइल फोन का उत्पादन हुआ था, जो 2023-24 में बढ़कर 33 करोड़ यूनिट हो गया। इस दौरान आयात में भारी गिरावट आई, जबकि निर्यात 5 करोड़ यूनिट तक पहुंच गया। इसके साथ ही विदेशी निवेश (एफडीआई) में 254प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो पीएलआई योजना की सफलता को दशार्ता है। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में 2027 तक 1.2 करोड़ नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। इनमें 10 लाख इंजीनियर, 20 लाख आईटीआई-प्रमाणित पेशेवर, और एआई, एमएल व डेटा साइंस जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों के 2 लाख विशेषज्ञ शामिल हैं। आने वाले वर्षों में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में पांच गुना वृद्धि की योजना बनाई गई है। यह उभरता हुआ परिदृश्य न केवल भारत के तकनीकी परिदृश्य को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक बाजार में देश की स्थिति को और सशक्त बनाएगा। इसके अलावा, नॉन-टेक्निकल्स सेक्टर में 90 लाख अप्रत्यक्ष नौकरियों के अवसर भी बनेंगे। 2030 तक भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री का लक्ष्य 500 अरब डॉलर का उत्पादन हासिल करना है। वर्तमान में इस क्षेत्र का उत्पादन 101 बिलियन डॉलर है, जिसमें 43 प्रतिशत योगदान मोबाइल फोन का है।

एनसीएलएटी ने सीसीआई के खिलाफ मेटा,व्हाट्सएप की याचिकाएं स्वीकार कीं

नई दिल्ली, । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश के खिलाफ मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सएप की याचिकाओं को बृहस्पतिवार को स्वीकार कर लिया। सीसीआई ने अपने आदेश में मेटा पर अपनी दबदबे वाली स्थिति का दुरुपयोग करने के लिए 213.14 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने इस मुद्दे पर मेटा और सीसीआई की प्रारंभिक दलीलें सुनने के बाद कहा कि इस मुद्दे पर सुनवाई करने की जरूरत है।

खिलाड़ियों द्वारा फीस न दिए जाने के विरोध के बाद बीपीएल फ्रेंचाइजी दरबार

प्रात: किरण,/ एजेसी

नई दिल्ली,। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) फ्रेंचाइजी दरबार राजशाही ने अपने क्रिकेटरों को फीस का भुगतान देरी से करने के लिए माफी मांगी है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब फ्रैंचाइज के क्रिकेटरों ने 15 जनवरी को चटगाँव में अपना प्रशिक्षण सत्र रद्द कर दिया, क्योंकि क्लब के स्थानीय खिलाड़ियों ने बकाया भुगतान न किए जाने के बारे में विरोध किया था। जबकि विदेशी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को 6 जनवरी को टीम के चौथे मैच के बाद उनके कुल वेतन का 25 प्रतिशत भुगतान किया गया है, लेकिन फ्रैंचाइज स्थानीय क्रिकेटरों के साथ अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में विफल रही, जिसके कारण उन्हें अभ्यास सत्र का बहिष्कार करना पड़ा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अध्यक्ष फारुक अहमद ने जूम मीटिंग में बोर्ड के निदेशकों से बात की और घटना की जानकारी मिलने के बाद राजशाही के अधिकारियों, कप्तान अनामुल हक और कई अन्य खिलाड़ियों के साथ चर्चा करने के लिए टीम होटल भी गए। फ्रेंचाइजी के संचालन प्रभारी जायेद अहमद ने देरी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी, लेकिन यह भी कहा कि अभ्यास रद्द होना भुगतान के मुद्दे से संबंधित नहीं था। बुधवार को टीम प्रबंधन द्वारा दिए गए बयान में जायेद ने कहा, हम टीम प्रबंधन से लेकर सभी क्रिकेटरों के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हम उन्हें 16 जनवरी तक भुगतान कर देंगे और अभ्यास

न करना इससे संबंधित नहीं है। उन्होंने कहा, जब हम चटगाँव से यहाँ आए तो कुछ क्रिकेटर आराम करने के लिए ढाका में उतर गए और चटगाँव में हमारी पूरी टीम नहीं आ पाई। उनमें से कुछ कल रात आए जबकि अन्य आज आए। एक या दो क्रिकेटर अभी आने बाकी हैं। क्रिकेटर आराम चाहते थे और टीम प्रबंधन ने उन्हें आराम दिया। उन्हें 16 जनवरी तक भुगतान मिल जाएगा और इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, हमें भुगतान देने में देरी हुई और हम इसे अस्वीकार नहीं कर सकते और हम इसके लिए सभी से माफी मांगते हैं क्योंकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। हम गुरुवार को भुगतान कर रहे हैं जबकि अगले दो दिन सरकारी अवकाश हैं और इसलिए हम 25 प्रतिशत नकद देंगे जबकि शेष 25 प्रतिशत चेक के माध्यम से देंगे और हम कल तक 50 प्रतिशत का भुगतान कर देंगे। बीसीबी के निदेशक मंजूर आलम ने फ्रैंचाइज द्वारा बयान दिए जाने से पहले चटगाँव में मीडिया को जानकारी दी। मंजूर ने कहा, मैं बीसीबी अध्यक्ष की ओर से बोल रहा हूँ। बोर्ड अध्यक्ष ने जूम पर एक आपातकालीन बोर्ड बैठक बुलाई। मैं शारीरिक रूप से मौजूद था, अन्य निदेशक ऑनलाइन थे। बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि हम किसी समाधान पर पहुँच जाएँगे। अध्यक्ष ने टीम के मालिकों, कप्तान और खिलाड़ियों से सीधे बात की। हमें सभी पक्षों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। वे अभ्यास में शामिल होंगे, जो बातचीत का सबसे सकारात्मक हिस्सा है। बीपीएल गवर्निंग काउंसिल ने फ्रेंचाइजियों के लिए भुगतान कार्यक्रम तय किया है, जिसके तहत सभी खिलाड़ियों को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उनकी कुल फीस का 50 प्रतिशत, टूर्नामेंट के दौरान 25 प्रतिशत और टूर्नामेंट के बाद शेष 25 प्रतिशत का भुगतान करना है। ऐसा माना जा रहा है कि राजशाही कैंप के कुछ स्थानीय खिलाड़ियों को भी नियमित रूप से दैनिक भत्ता नहीं मिल रहा है।

दरबार राजशाही ने घोषणा की कि वे 17 जनवरी को सिलहट स्ट्राइकर्स के खिलाफ होने वाले अगले चरण के अपने शुरूआती मैच से पहले चटगाँव के एम ए अजीज स्टेडियम में अभ्यास सत्र आयोजित करेंगे।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को 304 रनों से हराया और सीरीज भी 3-0 से जीती

प्रात: किरण,/ एजेसी

राजकोट,। प्रतिका रावल (154) और कप्तान स्मृति मंधाना (135) की तूफानी शतकीय पारियों के बाद दीप्ति शर्मा (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को रिकार्ड 304 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से जीत ली हैं भारत के 435 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की महिला टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान गैबी लुईस (एक) को तितास साधु ने पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। क्रिस्टिना कुल्टर रीली (शून्य) को सायली सातघरे ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद सारा फोर्ब्स और ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 15वें ओवर में तनुजा कंवर ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट (36) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। सारा फोर्ब्स (41) रनआउट हुई। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने लॉरा डेलेनी (10), ली पॉल (15) को आउट किया। आर्लीन केली (दो), जॉर्जिना डेम्पसी (शून्य) पर रनआउट हुई। 31वें ओवर में अवा कैनिंग (दो) नौवें विकेट के रूप में आउट हुई। दीप्ति शर्मा ने 32वें ओवर की चौथी गेंद पर फ्रेया सार्जेंट (एक) को आउट कर आयरलैंड की पारी 131 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 27 रन देकर तीन विकेट लिये। तनुजा कंवर को दो विकेट मिले। तितास साधु, सायली सातघरे और मिन्नू मनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रतिका रावल और कप्तान स्मृति मंधाना की भारतीय सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए रिकार्ड 233 रनों की साझेदारी की। 27वें ओवर में ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने स्मृति मंधाना को आउट कर आयरलैंड को पहली सफलता दिलाई। मंधाना ने 80 गेंदों में 12 चौके और सात छक्के लगाते हुए (135)रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने मात्र 70 गेंदों में अपना 10वां एकदिवसीय शतक भी पूरा किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी ऋचा घोष ने प्रतिका रावल के साथ दूसरे विकेट लिये 104 रनों की साझेदारी की। 39वें ओवर में आर्लीन केली ने ऋचा घोष को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। ऋचा घोष ने 42 गेदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से (59) रन बनाये। दोहरे शतक की ओर बढ़ रही प्रतिका रावल को 44वें ओवर में फ्रेया सार्जेंट ने डेम्पसी के हाथों कैच आउट कराया। प्रतिका रावल ने 129 गेंदों में 20 चौके और एक छक्का लगाते हुए (154) रन बनाये। रावल तीसरी ऐसी भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने 150 के आंकड़े का पार किया है। तेजल हसबनिस (28), हरलीन देओल (15)रन बनाकर आउट हुई। दीप्ति शर्मा (11) और जेमिमा रॉड्रिग्स (चार) रन बनाकर नाबाद रही। भारतीय महिला टीम के बल्लेबाजों ने आयरलैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर लेते हुए निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 435 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। महिला एकदिवसीय मैच में अब तक यह चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। आयरलैंड की ओर से ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने दो विकेट लिये। आर्लीन केली, फ्रेया सार्जेंट और जॉर्जिना डेम्पसी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः स्वीयाटेक तीसरे राउंड में, राडुकानू से भिड़ेंगी

प्रात: किरण,/ एजेसी

मेलाबार्न,। इगा स्वीयाटेक ने गुरुवार को स्लोवाकिया की रेबेका स्रामकोवा को 6-0, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश किया। अपेक्षाकृत हल्की और हवादार परिस्थितियों में, स्वीयाटेक ने 16 विनर्स लगाए और 14 अनफोर्स्ड एरर किए और उन्हें ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कोर्ट पर दबदबा बनाया और 26 रैलियों में से 20 में जीत हासिल की, जो पांच शॉट या उससे अधिक समय तक चलीं। स्वीयाटेक ने कहा, ह्लमैंने आज वास्तव में ठोस महसूस किया। यह वास्तव में एक कुशल खेल था। मुझे खुशी है कि मैंने अपना ध्यान बनाए रखा क्योंकि कभी-कभी आपको लगता है कि यह थोड़ा आसान लगता है और यह बाद में समस्या पैदा कर सकता है क्योंकि आपका ध्यान भटक सकता है, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने अपना ध्यान बनाए रखा और मैं ठोस थी ह्लह्ल स्वीयाटेक ने अब ग्रैंड स्लैम में पहले दो राउंड में अपने पिछले 40 मैच जीते हैं। स्रामकोवा के खिलाफ उनका पहला सेट 2020 की शुरूआत से ग्रैंड स्लैम में उनका 24वां 6-0 सेट है। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, आर्यना सबालेंका नौ सेट के साथ इस अवधि में अगली सर्वश्रेष्ठ हैं। तीसरे दौर में स्वीयाटेक 2021 यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू से भिड़ेंगी। राडुकानू अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ दूसरे दौर में एक कठिन ड्रॉ से गुजरीं, दोनों सेटों में ब्रेक डाउन से वापस आकर 6-3, 7-5 से जीत दर्ज की और पहली बार मेलबर्न पार्क में तीसरे दौर में जगह बनाई। स्वीयाटेक 61वें नंबर की राडुकानू के खिलाफ अपराजित हैं, उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए पिछले तीनों मुकाबलों में जीत हासिल की है। उनका आखिरी मुकाबला पिछले साल स्टटगार्ट में क्ले पर हुआ था। क्वार्टर फाइनल में स्वीयाटेक ने 7-6(2), 6-3 से जीत हासिल की। स्वीयाटेक ने तीसरे राउंड तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया है, और मेलबर्न के बाद सबालेंका से डब्ल्यूटीए रैंकिंग नंबर 1 को फिर से हासिल करने की उनकी कोशिश पर उनकी प्रगति का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। मेलबर्न पार्क से शीर्ष स्थान के साथ जाने का मौका तीन खिलाड़ियों के पास थाः सबालेंका, स्वीयाटेक और नंबर 3 कोको गॉफ। तीसरे राउंड में जगह बनाकर स्वीयाटेक ने गॉफ के नंबर 1 पर रहने के अवसरों को समाप्त कर दिया है और सबालेंका के लिए गणना बदल दी है, जिन्हें अब शीर्ष स्थान पर बने रहने के लिए सेमीफाइनल में जगह बनानी होगी।

कर्नाटक पांचवी बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

प्रात: किरण,/ एजेसी

वड़ोदरा,। देवदत्त पड़िक्कल और अभिलाष शेट्टी के प्रदर्शनों की बदौलत कर्नाटक सेमीफाइनल में हरियाणा को पांच विकेट से हराकर पांचवीं बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गया है। वड़ोदरा में पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की पूरी टीम 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 237 रन बना पाई और हरियाणा को इस स्कोर पर रोकने में सबसे अहम भूमिका बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अभिलाष शेट्टी ने निभाई जिन्होंने 10 ओवर में महज 34 रन देकर चार विकेट झटके। कर्नाटक ने 47.2 ओवर में पांच विकेट पर 238 रन बनाये शेट्टी ने हरियाणा की टीम को 32 के स्कोर पर अर्श रांगा के रूप में झटका दिया। हालांकि इसके बाद हिमांशु राणा और कप्तान अंकित कुमार के बीच साझेदारी पनप गई लेकिन दोनों ही बल्लेबाज अर्धशतक से चूक गए। दोनों के बीच हुई 80 रनों की साझेदारी को श्रेयस गोपाल ने अंकित को पगबाधा कर तोड़ा। जबकि हार्दिक राज ने हिमांशु राणा को पवेलियन चलता किया। इसके बाद शेट्टी ने एक बार फिर आक्रमण बोल दिया और निशांत सिंधु और पार्थ वत्स के रूप में हरियाणा को दो बड़े झटके दिए जिससे हरियाणा की टीम बैकफुट पर चली गई। हालांकि इसके बाद राहुल तेवतिया और दिनेश बाना ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन बाना को गोपाल ने बोल्ड कर दिया और तेवतिया का शिकार भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने किया। प्रसिद्ध का यह इस मैच में पहला विकेट था जिसके बाद उन्होंने अंशुल काम्बोज का अपने दूसरे विकेट के रूप में शिकार किया। हरियाणा 45 ओवर में 198 के स्कोर पर अपने नौ विकेट गंवा चुका था लेकिन अंत में अनुज ठकराल और अमित राणा ने मिलकर हरियाणा को लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचा दिया। 238 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक की टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और मयंक अग्रवाल अपनी तीसरी ही गेंद पर काम्बोज की गेंद पर पगबाधा हो गए, इस टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए अग्रवाल अपना खाता तक नहीं खोल पाए। अग्रवाल ने इस सीजन अब तक नौ पारियों में 103 से भी अधिक की औसत से 619 रन बनाए हैं और वह करुण नायर के बाद टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। बहरहाल अग्रवाल के आउट होने के बाद पड़िक्कल ने के वी अनीश के साथ पारी संभालने की कोशिश की लेकिन अनीश 22 के निजी स्कोर पर अमित राणा का शिकार बन गए। हालांकि इसके बाद पड़िक्कल ने आर स्मरण के साथ मिलकर कर्नाटक की पारी को संभाल लिया और तीसरे विकेट के लिए इन दोनों के बीच 128 रनों की साझेदारी हुई। टीम का स्कोर जब 194 रन था तब पड़िक्कल 86 के निजी स्कोर पर सिंधु की गेंद पर राणा को कैच दे बैठे लेकिन तब तक मैच कर्नाटक की मुट्ठी में आ चुका था। सिंधु ने अपने दूसरे झटके के रूप में स्मरण को 76 के निजी स्कोर पर बोल्ड किया लेकिन तब कर्नाटक को 27 गेंदों पर जीत के लिए महज 13 रनों की जरूरत थी। पड़िक्कल ने 86 रनों की पारी खेलने के अलावा तीन कैच भी लिए जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। विजय हजारे ट्रॉफी का फाइनल 18 जनवरी को वड़ोदरा में ही खेला जाना है।

एसए 20 : पार्ल रॉयल्स ने मुंबई केपटाउन को छह विकेट से हराया

पार्ल,। उदीयमान सितारे लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने शानदार अर्धशतक लगाया जिसकी मदद से पार्ल रॉयल्स ने एसए 20 लीग के मैच में मुंबई केपटाउन को छह विकेट से मात दी। 18 वर्ष के प्रिटोरियस ने 52 गेंद में 83 रन की पारी में तीन छक्के और आठ चौके लगाये। इसी मैदान पर पदार्पण मैच में उन्होंने 97 रन बनाये थे। मुंबई इंडियंस केपटाउन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 158 रन बनाये थे। प्रिटोरियस को पारी में दो जीवनदान भी मिले जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। वह एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान की शानदार फील्डिंग पर रन आउट होकर पवेलियन लौटे। रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने नाबाद 22 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले एमआई केपटाउन ने रासी वान डेर डुसेन के 64 गेंद में नाबाद 91 रन की मदद से मजबूत स्कोर बनाया।

पीठ में चोट के चलते एनरिख नॉर्खिए चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

प्रात: किरण,/ एजेसी

जोहानसबर्ग,। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है, तेज गेंदबाज एनरिख नॉर्खिए पीठ की चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। नॉर्खिए ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद से ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है और पाकिस्तान के खिलाफ सफेद गेंद सीरीज में वह वापसी करने वाले थे लेकिन नेट्स में उनके पैर के अंगूठे में चोट लग गई। वह इस समय जारी एसए20 में अपनी टीम प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए भी नहीं खेल रहे थे और वह इस टूर्नामेंट से भी बाहर हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका जल्द चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नॉर्खिए के रिप्लेसमेंट का ऐलान करेगी। पिछले साल नवंबर में श्रीलंका के खिलाफ डरबन टेस्ट के दौरान ग्रोइन इंजरी की चपेट में आए जेराल्ड कोएत्जी नॉर्खिए के विकल्प के तौर पर दल में शामिल किए जा सकते हैं, कोएत्जी इस समय एसए20 में जोबर्ग सुपर किंग्स के लिए भी खेल रहे हैं। साउथ अफ्रीका के सफेद गेंद कोच रॉब वॉल्टर ने सोमवार को कहा था कि नॉर्खिए के अनुभव को कोएत्जी के ऊपर तरजीह दी गई थी और उन्हें विश्वास था कि नॉर्खिए चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फि ट हो जाएंगे। लेकिन इसके ठीक 48 घंटे बाद ही क्रिकेट साउथ अफ्रीका की प्रेस रिलीज में बताया गया कि सोमवार दोपहर को नॉर्खिए का स्कैन हुआ था और वह 50 ओवर वाले टूर्नामेंट के लिए समय पर फि ट नहीं हो पाएंगे। पिछले छह आईसीसी टूर्नामेंट में यह तीसरी बार है जब नॉर्खिए चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हुए हैं और तीनों वनडे टूर्नामेंट थे। वह 2019 के वनडे वर्ल्ड कप से पहले अंगूठे को चोटिल कर बैठे थे और 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में वह पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर होने के चलते नहीं खेल पाए थे और अब वह चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। नॉर्खिए ने सितंबर 2023 से कोई वनडे और मार्च 2023 से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है।

रोहित को संन्यास लेना चाहिये : मार्क वॉ

प्रात: किरण,/ एजेसी

मेलबर्न, । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को संन्यास की सलाह दी है। मार्क ने साथ ही कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो रोहित को संन्यास लेने को कह देते। रोहित टी20 विश्व कप के बाद से ही फार्म में नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे। इससे वह आलोचकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों के भी निशाने पर हैं। मार्क के इस बयान का कुछ लोगों ने समर्थन किया है। वहीं कुछ ने कहा कि उन्हें पहले अपनी टीक के मिचेल मार्श का रिकार्ड देखना चाहिये। मार्श भी इस सीरीज में विफल रहे हैं। वॉ ने कहा, अगर मैं अभी चयनकर्ता होता तो कहता कि मेलबर्न में जब रनों की जरुरत थी तो वह दूसरी पारी में केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में सिडनी में आपको नहीं लिया जा सकता। मैं कहता, रोहित आपकी सेवा के हम आभारी हैं। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं पर हम अब जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाने जा रहे हैं और यह आपके करियर का अंत होगा। रोहित के लिएए यह सीरीज किसी खराब सपने से कम नहीं रही है। उन्होंने 5 पारियों में 31 रन बनाए हैं, जबकि कप्तान के तौर पर भी वह बहुत सफल नहीं रहे हैं। वहीं भारत ने पहला टेस्ट बुमराह की कप्तानी में शानदार तरीके से जीता था। रोहित ने एडिलेड टेस्ट में कप्तानी संभाली थी जिसमें टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था।

एन बालाजी, मिगुएल रेयेस-वरेला पुरुष युगल के दूसरे दौर में पहुंचे

मेलबर्न,। भारत के एन श्रीराम बालाजी और उनके मैक्सिकन जोड़ीदार मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला ने गुरुवार को रॉबिन हासे और एलेक्जेंडर नेडोवेसोव को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष युगल स्पर्धा के दूसरे दौर में प्रवेश किया। एन. श्रीराम बालाजी और मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला की इंडो-मैक्सिकन जोड़ी ने अपने शुरूआती पुरुष युगल मैच में डच-कजाख जोड़ी को एक घंटे से भी कम समय में 6-4, 6-3 से हराया। बालाजी और रेयेस-वरेला ने बेहतरीन निरंतरता और दमखम दिखाया, उन्होंने अपने विरोधियों के 16 के मुकाबले 23 विनर्स लगाए।पहले सेट के छठे गेम में सर्विस तोड़ने के बाद, अगले गेम में उनकी सर्विस भी टूट गयी।

गंभीर की जगह लक्ष्मण को कोच बनाया जाना चाहिये : पनेसर

प्रात: किरण,/ एजेसी

लंदन,। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने कहा है कि भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर को स्वयं ही पद छोड़ देना चाहिये। पनेसर के अनुसार गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम को पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से हराया जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे अपनी ही धरती पर 3-0 से हार झेलनी पड़ी थी। इसे बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे थे। गंभीर ने पिछले साल आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद ही कोच पद को संभाला था। पनेसर ने का मानना है कि, गंभीर के ऊपर कामकाज का काफी दबाव है। ऐसे में पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण को कोच बनाया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि लक्ष्मण का तरीका पूर्व कोच राहुल द्रविड़ की तरह है। ऐसे में यह टीम इंडिया के लिए अधिक बेहतर साबित होंगे। गंभीर पहली बार किसी राष्ट्रीय टीम के लिए कोचिंग कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आईपीएल में मेंटर की भूमिका में जरूर रहे हैं। वहीं लक्ष्मण की कोचिंग में टीम इंडिया ने कई अहम सीरीज जीती हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए गंभीर और लक्ष्मण ने एक से बढ़कर एक उपलब्धि हासिल की है। खास तौर से गंभीर टीम इंडिया के लिए टी20 विश्व कप 2007 और वनडे विश्व कप 2011 में मैच विजेता पारी के लिए जाने जाते हैं। लक्ष्मण ने साल 1996 में अपना डेब्यू किया था। लक्ष्मण टीम इंडिया के लिए सिर्फ टेस्ट और वनडे में खेले हैं। लक्ष्मण टीम इंडिया के लिए 134 टेस्ट और 86 वनडे मैचों में मैदान पर उतरे हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 49.37 की स्ट्राइक रेट से 8781 रन बनाए जबकि वनडे में उनके नाम 2338 रन दर्ज है। टेस्ट क्रिकेट में वीवीएस लक्ष्मण ने 17 शतक और 56 अर्धशतक भी लगाए हैं।वहीं गंभीर के किरयर को देखें तो उन्होंने भारतीय टीम के लिए 58 टेस्ट, 147 वनडे और 37 टी20 मैचों में मैदान पर उतरे हैं। टेस्ट क्रिकेट में गंभीर ने 9 शतक और 22 अर्धशतक के साथ 4154 रन बनाए हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में उनके नाम 11 शतक और 34 अर्धशतकीय पारी के साथ 5238 रन बनाए जबकि टी20 फॉर्मेट में उनके नाम 932 रन दर्ज है।

2 से अधिक बच्चे वाले नेता ही लड़ पाएंगे चुनाव, कानून बनाने की तैयारी में आंध्र प्रदेश सरकार

बेंगलुरु, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि केवल ऐसे नेता ही ही पंचायत और नगरपालिका चुनावों में भाग ले सकेंगे जिनके दो से अधिक बच्चे हों। हाल ही में आंध्र प्रदेश की विधानसभा द्वारा तीन दशक पुरानी उस कानून को रद्द कर दिया गया जिसमें दो बच्चों से अधिक वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने से रोका गया था। आपको बता दे कि चंद्रबाबू नायडू के लिए यह कोई नई बात नहीं है। करीब एक दशक से वह इसकी वकालत कर रहे हैं। उनका मानना है कि तेलुगू परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए ताकि बुजुर्गों की बढ़ती संख्या की समस्या का समाधान किया जा सके। पिछले साल उन्होंने अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया था।

चंद्रबाबू नायडू के इस बयान के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इस विचार को साझा करते हुए लोगों से

अधिक बच्चों को जन्म देने की अपील की थी। चंद्रबाबू नायडू मंगलवार को अपने गृह नगर नरवरिपल्ले में मकर संक्रांति के अवसर पर अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ थे। उन्होंने कहा, पहले हमारे पास एक कानून था, जो केवल दो बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय और नगरपालिका चुनावों में भाग लेने की अनुमति देता था। अब मैं कहता हूं कि जिनके पास कम बच्चे होंगे वे चुनावों में भाग नहीं ले सकेंगे। भविष्य में आप सरपंच, नगरपालिका पार्षद या मेयर तब बन सकेंगे जब आपके पास दो से अधिक बच्चे होंगे। मैं इसे प्रस्तावित नियमों में शामिल करने जा रहा हूं। आपको बता दें कि दो बच्चों की नीति दक्षिण भारतीय राज्यों में सामान्य रूप से पालन की जाती रही है। यह बात इन राज्यों के कुल प्रजनन दर से स्पष्ट है, जो कि 1.73 है। जबकि राष्ट्रीय औसत 2.1 है। वहीं, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान और झारखंड जैसे बड़े राज्यों का प्रजनन दर 2.4 है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

चंद्रबाबू नायडू ने यह भी कहा कि वह अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रोत्साहन देने के लिए एक योजना पर काम कर रहे हैं, जिसमें उन्हें पंचायत और नगरपालिका चुनावों में भाग लेने की अनुमति देने के अलावा अधिक सब्सिडी वाले चावल की आपूर्ति भी की जाएगी। वर्तमान में प्रत्येक परिवार को 25 किलो चावल दिया जाता है, जिसमें प्रत्येक सदस्य को 5 किलो चावल मिलते हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जापान, कोरिया और कई यूरोपीय देशों ने परिवार नियोजन नीति को प्रोत्साहित किया है क्योंकि वहां का कुल प्रजनन दर बहुत कम है। ये देश आज बुजुर्गों की बढ़ती संख्या की समस्या से जूझ रहे हैं और भारतीयों को अपने देशों में बसने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह भारत के लिए भी एक चेतावनी है, क्योंकि हमने परिवार नियोजन को प्रोत्साहित किया है और परिवारों को सीमित संख्या में बच्चों तक सीमित करने की सलाह दी है। कुछ वर्षों में भारत भी बुजुर्गों की बढ़ती संख्या की समस्या का सामना करेगा और उस समय हमारे पास बहुत कम विकल्प होंगे।

संक्षिप्त समाचार

काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण का ऐलान, 15-24 फरवरी तक होगा आयोजित

काशी, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को घोषणा की कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर केंद्रित कार्यक्रम 'काशी तमिल संगमम' का तीसरा संस्करण 15 फरवरी से 24 फरवरी तक आयोजित किया जायेगा। प्रधान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के दो सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन शिक्षण केंद्रों तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों का जश्न मनाना और उसकी पुन- पुष्टि करना है। दस दिवसीय यह कार्यक्रम 15 फरवरी से शुरू होगा। काशी तमिल संगमम का महीने भर चलने वाले पहला संस्करण 2022 में आयोजित किया गया था। दूसरा संस्करण 2023 में 17 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित किया गया था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास और काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) कार्यक्रम के लिए दो कार्यान्वयन एजेंसियां हैं। इस वर्ष, सरकार ने तमिलनाडु से लगभग 1,000 प्रतिनिधियों को बुलाने का फैसला किया है। इनमें छात्र, शिक्षक और लेखक; किसान और कारीगर; पेशेवर और छोटे उद्यमी; महिलाएं (स्वयं-सहायता समूह, मुद्रा ऋण लाभार्थी, डीबीएचपीएस प्रचारक); स्टार्ट-अप, नवोन्मेष, शिक्षा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान से प्रतिभागी शामिल होंगे। विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत तमिल मूल के लगभग 200 छात्रों का एक अतिरिक्त समूह काशी और तमिलनाडु के बीच संबंधों को जीवंत करने के लिए इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा।

मणिपुर के चुराचांदपुर में अवैध अफीम की खेती नष्ट की गई

चुराचांदपुर, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में 4.8 एकड़ क्षेत्र में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि असम राइफल्स, वन विभाग, पुलिस और कार्यकारी मजिस्ट्रेट की संयुक्त टीम ने बुधवार को सांगईकोट थाना क्षेत्र में हाओपी मोलेन पहाड़ी पर अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान अफीम की छह पुड़िया भी जब्त की गईं। उसने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और अवैध अफीम की खेती में शामिल लोगों की पहचान करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

गौरव भाटिया का तंज, चुनाव हार रहे केजरीवाल, ध्यान भटकाने की अपना रहे रणनीति

नईदिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने बुधवार को कहा कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ध्यान भटकाने वाली रणनीति का सहारा ले रहे हैं, जिसमें उनके कई दावों का हवाला दिया गया है, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की संभावित गिरफ्तारी और भाजपा द्वारा रमेश बिधूड़ी को अपना सीएम उम्मीदवार घोषित करना शामिल है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने विश्वसनीय सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि केजरीवाल विपक्ष के नेता के लिए अमानतुल्ला खान और नरेश बालियान पर विचार कर रहे हैं क्योंकि भाजपा को दिल्ली विधानसभा चुनाव में बहुमत मिलना तय है। गौरव भाटिया ने कहा कि ये स्पष्ट होता जा रहा है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल भारत विरोधी गतिविधियों में अक्सर उन शक्तियों के साथ खड़े रहते हैं, जो भारत को कमजोर करने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए अरविंद केजरीवाल प्रेस वार्ता करके कहते हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने महिला की मौत पर ममता की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग की

कोलकाता , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर समयावधि बीत जाने के बाद इस्तेमाल किये गये 'इंट्रावेनस फ्लूइड' के कारण प्रसव के बाद एक महिला की मौत के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग की। यहां स्वास्थ्य भवन में भाजपा विधायकों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते तृममूल प्रमुख आरोपों से खुद को मुक्त नहीं कर सकतीं। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि गरीब महिला की मौत के लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि बनर्जी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एमएमसीएच) में कथित तौर पर इस्तेमाल की अवधि खत्म हो चुके 'इंट्रावेनस फ्लूइड' (शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिये नसों के माध्यम से दिया जाने वाला तरल) के इस्तेमाल के कारण बच्चे को जन्म देने के बाद एक महिला की मौत हो गई थी और चार अन्य की हालत गंभीर है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के लिए 13 सदस्यीय समिति गठित की।

सोमवार को राज्य सरकार ने घटना की सीआईडी जांच के भी आदेश दिए। पत्रकारों से बात करते हुए अधिकारी ने राज्य के स्वास्थ्य सचिव एन एस निगम और (एमएमसीएच जहां महिला की मौत हुई थी) के अधीक्षक की गिरफ्तारी और इस्तीफे की भी मांग की। उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में एक जांच समिति और सीबीआई तथा सीआईडी दोनों को मिलाकर एक एसआईटी गठित करने की भी मांग की।

दिल्ली में देर रात हुई बारिश, वायु गुणवत्ता बहुत खराब

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार रात बारिश हुई और मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को भी वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार बुधवार रात करीब 11.30 बजे दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश शुरू हो गई और रात 11.30 से सुबह 5.30 बजे के बीच दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र में 3.7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। अन्य मौसम केंद्रों की बात करें तो पालम में 8.6 मिलीमीटर, पूसा में 7.5 मिलीमीटर और मयूर विहार में 4 मिलीमीटर बारिश हुई। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस अधिक मापा गया जो 10.3 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं वायु गुणवत्ता 336 दर्ज की गई जो बहुत खराब श्रेणी में रही।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। शून्य से 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

गलत नीतियों से बढ़ रहा माइक्रोप्लास्टिक कचरा

रीसाइकल करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स, एजेंसी। प्लास्टिक कचरे का उचित प्रबंध न होने और गलत नीतियों के कारण यह दिनोंदिन दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। पिछले एक दशक के दौरान दुनियाभर में खासकर यूरोप में प्लास्टिक का उपयोग बहुत बढ़ गया है। 2021 में यूरोपीय संघ (ईयू) में हर एक व्यक्ति ने औसतन 36 किलो प्लास्टिक पैकेजिंग का कचरा पैदा किया। उस साल उत्पन्न 1.6 करोड़ टन से अधिक प्लास्टिक पैकेजिंग में से केवल 65 लाख टन ही रीसाइकिल हो पाया। यह जानकारी काउनास यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (केटीयू) के शोधकर्ताओं की अगुवाई में किए गए एक अध्ययन से सामने आई है। सस्टेनेबिलिटी नामक जर्नल में इसके निष्कर्ष प्रकाशित किए गए हैं।

अध्ययन में ये बातें आई सामने: अध्ययन के अनुसार, दुनियाभर में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग गंभीर समस्या बनी हुई है। रीसाइक्लिंग की कमी से न केवल लैंडफिल, भस्मीकरण संयंत्रों और प्रकृति में छोड़े गए कचरे की मात्रा बढ़ रही है, बल्कि माइक्रोप्लास्टिक के निर्माण में भी बढ़ोतरी होती है जो लगातार पारिस्थितिकी तंत्र और मनुष्य की सेहत के लिए खतरनाक बनता जा रहा है। हालांकि, प्लास्टिक कचरे को कम करना दुनिया का पहला लक्ष्य बना हुआ है, लेकिन पहले से प्रचलन में मौजूद प्लास्टिक के प्रबंधन के लिए रीसाइक्लिंग जरूरी है। 2025 तक 50 फीसदी प्लास्टिक को रीसाइकल करने का लक्ष्य यूरोपीय संघ हासिल नहीं कर पाया। अब 2030 तक 55 फीसदी का लक्ष्य रखा गया है।

समस्या के समाधान के लिए व्यापक नजरिए की जरूरत: शोधकर्ताओं के अनुसार, स्थिति को सुधारने के लिए कचरे की प्रबंधन प्रक्रिया को केवल एक तरफ से हल नहीं किया जा सकता है। यह बहुआयामी समस्या है। इसलिए इसके प्रति व्यापक नजरिए की जरूरत है। आर्थिक, पर्यावरणीय और कानूनी पहलुओं पर विचार किए बिना केवल रीसाइक्लिंग तकनीकों को बेहतर बनाने या नए तरीके खोजने पर जोर देना ही सही नहीं है। यह नजरिया न केवल समस्या से निपटने में विफल होगा, बल्कि अन्य पहलुओं पर विचार करने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है।

जो बाइडेन महामारी के दौरान राजनीति को किनारे रखकर सही काम करे: बराक ओबामा

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राजनीति में 50 से अधिक वर्षों के लंबे करियर को समाप्त करते हुए देश को संबोधित करते हुए अपना विदाई भाषण दिया। इसके बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कोरोना महामारी के समय जो बाइडेन के द्वारा किए गए कार्यों की तारीफ की। बराक ओबामा ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, चार साल पहले महामारी के बीच में, हमें एक ऐसे नेता की जरूरत थी जो राजनीति को किनारे रखकर सही काम करे। जो बाइडेन ने यही किया। ऐसे समय में जब हमारी अर्थव्यवस्था डगमगा रही थी, उन्होंने 1.7 करोड़ नई नौकरियों, ऐतिहासिक वेतन वृद्धि और कम स्वास्थ्य देखभाल लागत के साथ दुनिया की सबसे मजबूत रिकवरी को आगे बढ़ाया। बराक ओबामा ने आगे कहा, उन्होंने हमारे देश के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए ऐतिहासिक कानून पारित किया। मैं जो बाइडेन के नेतृत्व, उनकी मित्रता और इस देश के प्रति उनकी आजीवन सेवा के लिए आभारी हूं।

बता दें कि जो बाइडेन ने बुधवार को अपने विदाई भाषण में देश को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने गाजा में शांति का समझौता करा दिया है। उनके प्रशासन ने आठ महीने की लगातार वार्ता के बाद, हमास और इजरायल में युद्धविराम और बंधक समझौते को कराया। उन्होंने देश के लोगों से डोनाल्ड ट्रंप के तहत भविष्य में कुलीन वर्गों, दुष्प्रचार और एआई के खतरों के खिलाफ खड़े रहने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को महामारी से उत्पन्न गहरे संकट से बाहर निकालने में अपनी उपलब्धियों का जिक्र किया।

बाइडेन का विदाई भाषण: कहा- कुछ वादे अधूरे रहे, कानून में बदलाव जरूरी

ताकि राष्ट्रपति बनने वाला अपराधों से आजाद न रह सके

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार देर रात ओवल ऑफिस अपना विदाई भाषण दिया। बाइडेन ने अपने आखिरी भाषण में कहा कि देश में अमीरों के एक छोटे वर्ग का वर्चस्व बढ़ रहा है। इससे देश और लोकतंत्र को खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने देश में टेक-इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स के उभार पर चिंता जताई। बाइडेन ने इसे अमेरिकी नागरिकों के अधिकारों को खतरा बताया। अपने कार्यकाल पर बात करते हुए उन्होंने कहा- हमने जो कुछ भी किया है, उसका असर दिखने में समय लगेगा, लेकिन बीज बो दिए गए हैं, वे बढ़ेंगे और आने वाले दशकों तक खिलेंगे। बुधवार सुबह बाइडेन ने एक लेटर भी जारी किया था। इसमें उन्होंने वादे अधूरे रहने की बात स्वीकार की थी।

बाइडेन का यह भाषण ट्रम्प के पद संभालने से ठीक 5 दिन पहले हुआ। ओवल ऑफिस में दिए अपने आखिरी भाषण में उन्होंने अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया में सिर्फ अमेरिका में ही ऐसा हो सकता है, जहां एक हकलाने वाला बच्चा राष्ट्रपति बन जाए।

अमेरिका में फेक न्यूज का जाल फैला है: बाइडेन ने कहा कि अमेरिकी लोगों पर फेक न्यूज का जाल फैला दिया गया है, और इसके जरिए सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। हमें संविधान में संशोधन करने की जरूरत है, जिससे तय हो सके कि कोई भी इंसान राष्ट्रपति पद रहते हुए अपने अपराधों से मुक्त नहीं है। उन्होंने कहा- कुछ शक्तिशाली ताकतें अपनी पावर का इस्तेमाल कर क्लाइमेंट चेंज के निपटने के लिए हमारे उठाए गए कदमों को खत्म करना चाहती हैं, जिससे वो अपने फायदे के लिए सत्ता का इस्तेमाल कर सकें। हमें अपने और अपने बच्चों के भविष्य की बलि चढ़ाने के लिए मजबूर नहीं

किया जाना चाहिए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के जजों के कार्यकाल तय करने, नैतिक सुधार करने और कांग्रेस सदस्यों के स्टॉक ट्रेडिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

बाइडेन ने सोमवार को राजधानी वॉशिंगटन में विदेश नीति पर अपना आखिरी भाषण दिया था। इसमें उन्होंने दावा किया था कि चीन कभी अमेरिका से आगे नहीं निकल पाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अफगानिस्तान में युद्ध खत्म करने के फैसले को सही ठहराया था। बाइडेन को कैसे याद रखेगी दुनिया डिबेट के बाद रेस से बाहर होने वाले पहले राष्ट्रपति बाइडेन ने जुलाई में खुद को राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर कर लिया था। दरअसल, 27 जून को हुई पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन को ट्रम्प के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हार के बाद से ही डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडेन की उम्मीदवारी को लेकर सवाल खड़े करने लगे थे। ट्रम्प पर हमले के बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई, जिसके बाद बाइडेन को अपनी दावेदारी छोड़नी पड़ी। सबसे ज्यादा उम्र के अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति बनने वाले सबसे ज्यादा उम्र के शख्स बने। जब उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तब उनकी उम्र 78 साल 220 दिन थी। ट्रम्प जब दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, तब उनकी उम्र 78 साल 61 दिन है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते। ऐसे में कुछ सालों तक बाइडेन का रिकॉर्ड कायम रहेगा। अमेरिकी इतिहास की सबसे लंबी जंग रोकी बाइडेन के दौर में ही अगस्त 2021 में अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से वापसी हुई। अमेरिकी सेना 20 साल से अफगानिस्तान में थी। इसे अमेरिका इतिहास की सबसे लंबी जंग कहा जाता है। अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर दोबारा कब्जा कर लिया। रूस से लड़ने में यूक्रेन की मदद की बाइडेन ने रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन की मदद की। अमेरिका ने यूक्रेन को आर्टिलरी, रॉकेट सिस्टम, ड्रोन, टैंक और एयर डिफेंस सिस्टम दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129